केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

गुरुवार

25 अप्रैल 2024

तेजस्वी बोले ... भाजपा कर रही है नफरत की राजनीति 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड: पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय के खिलाफ दर्ज चार्जशीट खारिज

- आरा के एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट से सीबीआई को झटका
- आरोपित मोनू की याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला
- ट्रायल शुरू होने के बाद बिना आदेश के अनुसंधान को कोर्ट ने माना गलत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर सहित सूबे के चर्चित ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय सहित अन्य आरोपितों को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आरा की एमपी एमएलए की विशेष अदालत द्वारा इस मामले में सीबीआई की ओर से दाखिल चार्जशीट को खारिज कर दिया गया है। हत्याकांड के आरोपित रितेश सिंह उर्फ मोनू सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट द्वारा पिछले दिनों सीबीआई की चार्जशीट को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने केस में ट्रायल शुरू होने के बाद बिना अदालत के आदेश के सीबीआई की ओर से अनुसंधान करने को गलत माना है। कोर्ट के इस फैसले से जहां पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय सहित अन्य आरोपितों को राहत मिली है। वहीं सीबीआई को बड़ा झटका लगा है। अब इस मामले में पूर्व से चल रहे ट्रायल के आधार पर तीस अप्रैल को सुनवाई होगी। एपीपी सियाराम सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई।

बता दें कि सीबीआई की ओर से करीब दस साल की जांच के बाद ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में पिछले दिसंबर माह में चार्जशीट दाखिल की थी। उसमें पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय और रितेश सिंह उर्फ मोनू सिंह सहित आठ लोगों को आरोपित किया गया था। उस मामले में 21 मार्च को रितेश सिंह उर्फ मोनू सिंह की ओर स्थानीय अदालत में सीबीआई द्वारा दायर आरोप पत्र को रद्द करने याचिका दायर की गयी थी। याचिका पर सीबीआई के साथ-साथ एपीपी सियाराम सिंह द्वारा अपना पक्ष रखा गया था। रितेश सिंह उर्फ मोनू सिंह की ओर से वकील की ओर से भी बहस की गयी थी। उसके बाद कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दायर आरोप-पत्र को कानून की नजर में गैर-स्थायी पाया। कोर्ट ने कहा है कि सीबीआई द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट (चार्जशीट) पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि यह सत्र परीक्षण में मुकदमा शुरू होने के बाद और अदालत से किसी अनुमति या आदेश के बिना आयोजित की गई है।

रणवीर सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड की 10 साल तक चली जांच

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के कतिरा मोहल्ले में 1 जून 2012 की सुबह प्रतिबंधित रणवीर सेना के प्रमुख रहे ब्रह्मेश्वर नाथ सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। अहले सुबह सैर करने के दौरान कतिरा स्थिति उनके घर के नजदीक ही हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद भोजपुर और पटना सहित सूबे के कई जगहों पर बवाल मचा था। उस मामले में उनके पुत्र इंदु भूषण द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। तब नवादा थाने की पुलिस द्वारा वर्ष 2012 में दो आरोप पत्र दाखिल किए। एक आरोप पत्र में छह, जबकि दूसरे में दो लोगों को आरोपित बनाया गया था। बाद में आंदोलन और राजनीतिक दबाव को देखते हुए सरकार की ओर से मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था। सीबीआई ने 17 जुलाई 2013 को घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। करीब दस साल की जांच के बाद पिछले एक दिसंबर 2023 को सीबीआई द्वारा आठ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी थी। उनमें पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय सहित चार को नए कथित आरोपी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था जबकि शेष चार पहले से ही इस मामले में अन्य लोगों के साथ आरोपी थे और मुकदमे का सामना कर रहे थे। अब अदालत ने अभियोजन साक्ष्य के लिए मौजूदा सत्र परीक्षण को आगे बढ़ाने का आदेश पारित किया है।

चार्जशीट के बाद जनवरी में सीबीआई ने कोर्ट में सौंपी थी डायरी: दिसंबर माह में चार्जशीट दाखिल करने के बाद सीबीआई की ओर से बरमेश्वर मुखिया हत्याकांड में आठ जनवरी को कोर्ट में डायरी डायरी सौंप गयी दी। उसके लिए सीबीआई के अफसर भी कोर्ट पहुंचे थे। तब सीबीआई की ओर से 168 पेज की डायरी सहित करीब पांच सौ पन्ने के दस्तावेज कोर्ट में सौंपे गये थे। बता दें कि दस साल की जांच के बाद सीबीआई की ओर से दिसंबर माह में आरा के तृतीय अपर जिला एवं सेशन कोर्ट सह विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में पूरक चार्जशीट दाखिल की गयी थी। तब सीबीआई की ओर से डायरी नहीं सौंपी गयी थी। चार्जशीट में पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय, नंद गोपाल पांडेय उर्फ फौजी, अभय पांडेय, रितेश कुमार उर्फ मोनू, प्रिंस पांडेय, अमितेश पांडेय उर्फ गुड्डू पांडेय, बालेश्वर राय और मनोज राय उर्फ मनोज पांडेय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी थी। सभी लोगों पर राजनीतिक षड़यंत्र के तहत ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। इनमें अभय पांडेय, नंद गोपाल पांडेय उर्फ फौजी, रितेश उर्फ मोनू और प्रिंस पांडेय पहले से इस केस में भोजपुर पुलिस की ओर से चार्जशीटेड थे और जमानत पर थे।

सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर साधा निशाना

कांग्रेस नहीं चाहती आपकी संपत्ति आपके बच्चों को मिले: पीएम मोदी

- पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में चुनावी रैली को किया संबोधित
- बोले- कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं ये देश के हर घर, हर अलमारी हर परिवार की संपत्ति का एक्सरे करेंगे

एजेंसी/रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के सरगुजा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। अब उनके खतरनाक इरादे खुलकर सबके सामने आ गए हैं, इसलिए अब वे विरासत टैक्स की बात कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की नजर आपकी कमाई, आपके मकान, दुकान, खेत और खलिहान पर भी है। कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि ये देश के हर घर, हर अलमारी और हर परिवार की संपत्ति का एक्सरे करेंगे। हमारी माताओं और बहनों के पास जो थोड़ा बहुत स्त्रीधन है, गहने और जेवर हैं, कांग्रेस उनकी भी जांच कराएगी।

पीएम ने कहा कि यहां सरगुजा में हमारी आदिवासी मां और बहनें हंसुली पहनती हैं, मंगलसूत्र पहनती हैं। कांग्रेस ये सब आपसे छीनकर समान बांटेंगे। अब आपको मालूम है ना किसको देंगे। मुझे कहने की जरूरत है क्या? क्या आप ये पाप करने देंगे? कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आने के बाद वो एक के बाद एक क्रांतिकारी कदम उठाएगी। अरे ये सपने मत देखो। देश की जनता आपको ऐसा मौका नहीं देगी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के खतरनाक इरादे एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नहीं चाहते कि आपने अपनी मेहनत से जो संपत्ति जुटाई है, वो आपके बच्चों को मिले। वो नहीं चाहते कि भारतीय अपनी संपत्ति अपने बच्चों को दें। इस पार्टी पर अर्बन नक्सल का कब्जा है। ये आपके दुकान और मकान सब छीन लेंगे। कांग्रेस आपके माता-पिता की विरासत छीन लेगी।

कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस का एक ही मंत्र है। कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मार देगी और जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो आप पर विरासत टैक्स का बोझ लाद देगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी को अपनी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, अब वो नहीं चाहते कि भारतीय अपनी संपत्ति अपने बच्चों को दें। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को पता नहीं है कि उनके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे। जनता उन्हें ये मौका नहीं देगी।

अमित शाह ने भी कांग्रेस पर साधा निशाना: कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान पर गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि पित्रोदा के बयान ने देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है। सबसे पहले उनके घोषणापत्र में 'सर्वेक्षण' का जिक्र, मनमोहन सिंह की बात पुराना बयान जो कांग्रेस की विरासत है- कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, और अब सैम पित्रोदा की अमेरिका का हवाला देते हुए टिप्पणी कि धन के वितरण पर विचार-विमर्श होना चाहिए।

क्या कहा था सैम पित्रोदा ने जिस पर छिड़ी है सियासत

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, 'अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है। यह कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं, आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। हालांकि पूरी नहीं, आधी ही। ये जो निष्पक्ष कानून है मुझे अच्छा लगता है।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'भारत में आपके पास ऐसा नियम नहीं है। अगर किसी की संपत्ति 10 अरब है और वह मर जाता है, तो उसके बच्चों को 10 अरब मिलते हैं और जनता को कुछ नहीं मिलता। इसलिए लोगों को इस तरह के मुद्दों पर बहस और चर्चा करनी होगी।' पित्रोदा ने कहा, 'यह एक नीतिगत मुद्दा है। कांग्रेस पार्टी एक ऐसी नीति बनाएगी, जिसके माध्यम से धन का बांटना बेहतर होगा।

रोड शो कर बुरे फंसे पावरस्टार पवन सिंह, पांच थानों में केस दर्ज

काराकाट (रोहतास)। काराकाट की जनता के बीच अपने पहले रोड शो को लेकर भोजपुरी सिंगर पवन सिंह बड़ी मुश्किलों में घिर गए है। पवन सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा है। साथ ही उनके खिलाफ एक साथ पांच थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के थानों की गई है। पवन सिंह पर आरोप है कि उन्होंने अपने रोड शो के दौरान परमिशन से अधिक गाड़ियों का प्रयोग किया है। जो कि चुनावी आचार संहिता के खिलाफ है। जिले के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इसे गंभीर मामला माना है। जिसके बाद अब पवन सिंह के खिलाफ बिक्रमगंज अनुमंडल अंतर्गत बिक्रमगंज, काराकाट, संझौली, राजपुर व एक अन्य थाने में केस दर्ज किया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक ने बताया कि अनुमंडल में आचार संहिता लागू है जिसके लिए सभी प्रखंड में मजिस्ट्रेट कि नियुक्ति की गई हैं। जिनकी शिकायत के आधार पर बुधवार को निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि पवन सिंह के रोड़ शो के लिए पांच चार चक्का गाड़ियों की परमिशन लिया गया था, लेकिन मंगलवार को निकले रोड़ शो में लगभग एक सौ चार चक्का गाड़ी शामिल थी। जिसपर नियुक्ति मजिस्ट्रेट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए काराकाट थाना में अंचलाधिकारी रितेश कुमार, राजपुर, बिक्रमगंज तथा संझौली थाना में नियुक्ति मजिस्ट्रेट द्वारा पवन सिंह के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता उलंघन के मामले दर्ज किया है।

भाषण के दौरान गडकरी को आया चक्कर, मंच पर गिर पड़े

एजेंसी/मुंबई

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी की बुधवार को उस समय तबीयत बिगड़ गई, जब वे महाराष्ट्र के यवतमाल में एक लोकसभा चुनाव रैली में भाषण दे रहे थे। भाषण के दौरान गडकरी को चक्कर आ गया और वो मंच पर ही गिर पड़े।

बताया गया है कि उनकी तबीयत स्थिर है। गडकरी यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा-महायुति उम्मीदवार राजश्री पाटिल के लिए प्रचार कर रहे थे, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हैं। मंच पर भाषण देने के लिए जैसे ही नितिन गडकरी पहुंचे, वो बेहोश होकर गिर पड़े। इसके बाद वहां मौजूद पार्टी के कार्यकताओं ने उनके चेहरे पर पानी के छींटे मारे और उन्हें मंच से उठाकर ले गए। फिर उन्हें चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई। यवतमाल में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान होना है। यवतमाल के साथ ही महाराष्ट्र के बुलढाणा, अकोला, अमरावती, वर्धा, हिंगोली, नांदेड़ और परभणी में भी मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक को नए ग्राहक बनाने पर आरबीआई ने लगाई रोक

नई दिल्ली। डेटा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया है। हालांकि, बैंक अपने ग्राहकों को सेवा देना जारी रख सकता है, जिनमें क्रेडिट कार्ड धारक भी शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिजर्व बैंक की तरफ से कोटक महिंद्रा बैंक की आईटी जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इससे जुड़े मामले में कोटक महिंद्रा बैंक की ओर से लगातार विफलता पर आधारित है। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि कोटक महिंद्रा बैंक जिस तरह से अपनी आईटी इन्वेंट्री का प्रबंधन करता है और अपने डेटा को सुरक्षित करता है, उसमें गंभीर कमियां थीं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भागलपुर और खगड़िया में सभा को किया संबोधित

घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों और परिवार वालों का गठबंधन: नड्डा

केटी न्यूज/भागलपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने एक दिवसीय लोकसभा चुनावी यात्रा पर एनडीए प्रत्याशी अजय कुमार मंडल के पक्ष मे विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर देश को विकसित और विकासशील बनाना है तो एनडीए की सरकार को लाना है अजय मंडल को भारी बहुमत से आप लोग विजयी बनाएं जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ मजबूत हो और वह तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बने और देश तेजी से विकसित विकासशील और विश्व गुरु बने। नड्डा ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा, ये कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई लड़ते थे और कांग्रेस ने इनको जेपी आंदोलन में जेल में डाला हुआ था। उसी दौरान मीसा पैदा हुई थीं, इसलिए लड़की का नाम मीसा रखा गया। नड्डा ने कहा कि विपक्षी दलों के कई शीर्ष नेता जमानत पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का और परिवार वालों का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोगों की सोच थी कि कुछ नहीं बदलेगा,लेकिन 10 वर्षों में इस सोच में अंतर आया है कि आज भारत का साधारण व्यक्ति भी विकसित भारत के संकल्प के लिए साथ आकर खड़ा हो गया है। नड्डा ने कहा, ह्न बिहार राजनीतिक दृष्टि से बड़ा सजग है। कितनी भी तकलीफ सह लेगा लेकिन बिहार, देश के प्रति और प्रदेश के प्रति अपने दायित्व से पीछे नहीं हटता है।

10 करोड़ 74 लाख परिवारों को इलाज के लिए हर साल पांच लाख दे रहे: वहीं खगड़िया लोकसभा क्षेत्र के गोगरी जमालपुर में जनता को संबोधित करते हुए नड्डा ने मेड इन इंडिया से लेकर आयुष्मान भारत तक की बात की और फिर अंत में भ्रष्टाचार को लेकर लालू प्रसाद यादव से लेकर सोनिया गांधी तक की चर्चा की। नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी के राज में भारत चहुंओर तरक्की कर रहा है। दुनिया में सबसे सबसे सस्ती और कारगर दवाई भारत बना रहा है। गाड़ियां बनाने में जापान को पीछे कर हम तीसरे नंबर पर आ गए हैं। 10 साल पहले हर मोबाइल पर लिखा था मेड इन चीन, कोरिया या जापान लिखा होता था और अब मेड इन इंडिया लिखा मिलता है। उन्होंने आयुष्मान भारत से पहले की स्थिति की याद दिलाते हुए कहा कि वह जमाना मोदीजी के कारण बदल गया, जब हम मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखकर किसी मरीज के लिए अनुदान की कृपा करने का पत्र लिखते थे। यह घर-घर की कहानी थी। गांव-गांव की कहानी थी। मोदीजी ने 10 करोड़ 74 लाख परिवार, यानी 55 करोड़ गरीब लोगों के लिए हर साल पांच लाख रुपये इलाज के लिए आयुष्मान भारत कार्ड के जरिए दिए हैं।

अमित शाह ने काशी में पीएम के चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन

वाराणसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, जो इस बार फिर यहां से सांसद के लिए पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी हैं, समूचे विश्व में काशी का नाम रोशन किया है। उन्हें आप सभी तीसरी बार यहां से चुनवाकर भेजेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। उन्होंने बुधवार को प्रधानमंत्री के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के बाद एक कार्यकर्ता सम्मेलन में यह बात कही। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि काशी रविदास, कबीर और तुलसी की धरती है। यह महामना मदनमोहन मालवीय आए रानी लक्ष्मीबाई की धरती है। यहां इतने भारतरत्न और पद्मसम्मान विजेता हैं कि उनकी गिनती करनी मुश्किल है। हमें खुशी है कि हमारी पार्टी को और हमें यहां की जनता का सेवा करने का अवसर मिल रहा है। आप सभी मोदी जी को तीसरी बार चुनकर लोकसभा में भिजवाईयेगा, ऐसा मुझे विश्वास है। उन्होंने कहा कि आप सभी मोदी जी को प्रचंड विजय भी दिलवाएंगे, इसका भी मुझे पूरा भरोसा है।

लोकसभा प्रत्याशी अजीत शर्मा के लिए जनता से मांगे वोट

कहलगांव में तेजस्वी यादव ने कहा ... भाजपा कर रही है नफरत की राजनीति

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर लोकसभा अंतर्गत एसएसवी कालेज कहलगांव के मैदान में महागठबंधन द्वारा आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि आज देश में नफरत फैलाई जा रही है भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है' जो अब चलने वाला नहीं है। जुमले और झूठ का पहाड़ बनाया जा रहा है।भाजपा बड़का झूठा पार्टी बना हुआ है।लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए आप सबों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा की महागठबंधन उम्मीदवार अजीत शर्मा को मतदान कर लोकतंत्र को बचाने का काम करें।हम लालू जी का संदेश ले कर आए हैं। प्रधानमंत्री जी इतना झूठ बोल चुके हैं कि अब उनके पास कुछ बचा नहीं है अब मंदिर मस्जिद की बातें कर रहे हैं। दस साल की

सरकार में जनता के लिए क्या काम किया है। वादा करते हैं भूल जाते हैं। मोदी जी मुद्दे की बात नहीं करते। काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती है।बीजेपी का मतलब है झूठा पार्टी।अगर मोदी जी बॉलीवुड में चले गए तो बड़े एक्टर बनेंगे।हमारी सरकार आयेगी तो पुराने ढर्रे पर ही सेना अर्धसैनिक बलों में बहाली करेंगे। सिलेंडर 500 में देंगे, 200यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।मोदी जी ने चार काम किया। गरीबी बढ़ा दी, बेरोजगारी बढ़ा दी,जुमलेबाजी बढ़ा दी। उन्होंने वर्तमान सांसद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या आप सांसद को पहचानते हैं।क्या विकास हुआ है। महागठबंधन उम्मीदवार अजीत शर्मा के पास विजन है। आपकी सेवा और विकास करेंगे।इन्हे एक मुस्त होकर मतदान करने की अपील की।विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि हक और अधिकार के लिए लड़ना होगा।देश का सर्वमान्य प्रधानमंत्री चुनने के लिए बदलाव की जरूरत है।पूर्वजों के विरासत को बचाने,संविधान को बचान को बचाने,संविधान को बचाने की आज जरूरत है। अभी केंद्र में चंदा दो धंधा करो वाली सरकार है।भाजपा पर वादा खिलाफी का भी आरोप लगाया। अजीत शर्मा को मतदान करने की अपील की। सभा को विधायक अली अशरफ सिद्दकी,पूर्व विधायक रामविलास पासवान आदि ने संबोधित किया।

प्रत्याशी अजीत शर्मा के पक्ष में अभिनेत्री ने किया प्रचार

भागलपुर। भागलपुर महागठबंधन प्रत्याशी अजीत शर्मा के पक्ष में बुधवार को अभिनेत्री नेहा शर्मा ने जगदीशपुर, पुरैनी तथा खीरीबांध रोड शो किया । रोड शो के दौरान अभिनेत्री ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिए वोट मांगा। इस रोड शो में अभिनेत्री का एक झलक पाने के लिए युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। अभिनेत्री करीब 12 बजे जगदीशपुर बाजार पहुंची और यहां से थार गाड़ी पर सवार होकर जगदीशपुर बाजार, अस्पताल चौक, भवानीपुर मोड, पुरैनी, बलुआचक, बैजानी खीरीबांध 8होते हुए भागलपुर की तरफ चली गई । इस अवसर पर उनके साथ सैकड़ो की संख्या में मोटरसाइकिल सवार युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रवेज जमाल, नाथनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अली अशरफ सिद्दीकी, जगदीशपुर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष भारती भूषण झा,सुनील तिवारी सहित दर्जनों महा गठबंधन के नेता एवं कार्य करता है मौजूद थे

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने लालू की बेटी रोहिणी पर साधा निशाना

केटी न्यूज/भागलपुर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दूसरे चरण के चुनाव से पहले मंगलवार (23 अप्रैल) को जनता के लिए एक पत्र लिखा है. इसके जरिए उन्होंने लोगों को ना सिर्फ सरकार की उपलब्धि बताई है बल्कि आगे के लिए भी काफी कुछ वादे किए हैं। इसके अलावा लालू - राबड़ी के शासन की भी याद दिलाई है। इसके बाद अब इन मुद्दों पर भाजपा नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने समर्थन दिया है।

सिन्हा ने कहा कि राजद का नेचर कभी नहीं बदल सकता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने सब की चिंता जाती है। इसमें उन्होंने बिहार के युवाओं को यह अवगत कराने की कोशिश की है कि 2005 से पहले बिहार में नरसंहार करने वाले लोग कौन थे? जातीय नरसंहार करने वाले जंगलराज बनाने वाले लोग बिहार की क्या हालत बनाकर रख दिए थे? उसे समय बिहार के अंदर कैसे उद्योग धंधे बंद हो गए थे सिन्हा ने कहा कि इस पत्र के जरिए यह बताया गया है कि 2005 से पहले लोग कैसे पलायन करने की जरूरत महसूस कर रहे थे। इसके बाद 2005 से लेकर 2010 तक इन चीजों पर रोक लगाई गई। यही बात आज के युवा को जानना चाहिए। राजद का नेचर और सिग्नेचर बदल नहीं सकता है। यह लोग जंगलराज के पुरोधा हैं। यह लोग सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यह लोग सिर्फ जनता की कमाई लूटना जानते हैं। उधर, सम्राट चौधरी को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर कहा कि राजद के लोगों से यदि आप अपेक्षा करेंगे कि कोई आदर्श की बात करेगा कोई शिष्टाचार की बात करेगा तो वह आपके लिए गलत होगा। राजद के नेचर में ही जंगलराज की मानसिकता हैं। इसके अलावा पीएम को लेकर कांग्रेस के तरफ से दिए गए बयान पर कहा कि देश की जनता सब जानती है इसका फैसला भी वही करेगी। जनता हर बात को अच्छी तरह से जानती है। इसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता।

मनोज तिवारी ने कहा, पवन मेरा छोटा भाई है हम उससे बात करेंगे और समझाएंगे

- कराकाट से चुनावी मैदान में उतरे पवन सिंह से बढ़ी एनडीए प्रत्याशी की परेशानी
- लोगों के अंदर मोदी जी को लेकर जबरदस्त उत्साह का है आलम

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष दूत बनकर आये मनोज तिवारी ने कहा कि वह पवन सिंह को समझाने आये हैं। पवन हमारा छोटा भाई है। काराकाट से चुनाव लड़ने को लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि वह मेरा छोटा भाई है हम उससे बात करेंगे और समझाएंगे कि वह राष्ट्रवादी विचारधारा का लड़का है तो इस पर विचार पर काम करें। हम उसने बातचीत करेंगे यह अच्छा लड़का है। देश के अंदर जैसे -जैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ रही हैं वैसे -वैसे नेताओं के बोल और दावे भी तीखें हो रहे हैं। जहां सभी राजनीतिक पार्टी अपने -अपने जीत के दावे कर रहे हैं तो वहीं विपक्ष पर हमलावर होने की कवायद में कुछ विवादित बयान भी दे दिए जाते हैं। जिससे हर किसी के लिए समस्या हो जाती हैं। ऐसे में अब लालू यादव की बेटी रोहिणी ने सम्राट चौधरी को लेकर विवादित बयान दिया है। इसके बाद अब इस मामले में भाजपा के बड़े नेता और भोजपुरी एक्टर मनोज तिवारी ने पलटवार किया है।

उन्होंने कहा है कि - ऐसा बयान देने वाले खुद रसातल में चले जाएंगे। मनोज तिवारी से जब सम्राट चौधरी पर राजद नेत्री के तरफ से दिए गए विवादित बयान को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि रोहिणी आचार्य का बयान देखिए, कांग्रेस का घोषणा पत्र देखिए, उनके नेताओं का बयान देखिए या उनके सहयोगी नेताओं ने जिस तरह से सनातन को लेकर बातें कहीं हैं उसे देखिए ये सभी चीज एक जैसे हैं। इससे यही मालूम चलता है कि इनलोगों का मानसिक संतुलन खो चूका है। इससे यही मालूम चलता है कि जब कोई रसातल में जाने लगता है तो फिर ऐसी ही भाषा निकलती हैं। इसके अलावा तिवारी ने कहा कि बिहार और देश में इतनी गर्मी के बावजूद यहां लोगों के अंदर मोदी जी को लेकर जो उत्साह है वह काबिले तारीफ है। जहां एक तरफ विपक्ष ने जो अपना परिचय दिया है मैं समझता हूं कि उसे पूरा देश उससे नाराज है। कांग्रेस का यह कहना कि हम देशवासियों के संपत्ति की समीक्षा करेंगे। उनके सोने चांदी और जेवरात को अल्पसंख्यक में बराबर बराबर बांट देंगे। इसके बाद मैं मानता हूं कि अब किसी को बताने की जरूरत नहीं रह गई है कि यह लोग देश को कैसे बांटना चाहते हैं।

कन्हैया कुमार को 5 लाख से अधिक वोटो से हार मिलेगी

तेजस्वी यादव को लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि जिनके सुपड़ा बार-बार साफ होते रहता है वह इसके महारथी बन चुके हैं। ऐसे में वो दूसरे को देखने के बदले अपना देखें की वो कहां बचे हैं। मैं मानता हूं कि जैसे यादव को पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए क्यों उनको इतनी मिलन के बाद भी बड़े-बड़े झटके मिले हैं। अब बिहार की जनता तहसील बाबू और उनके पार्टी की सोच को अच्छी तरह समझ चुकी है तो वापस आने का कोई मौका उन्हें नहीं मिलने वाला है। इसके अलावा कन्हैया कुमार के दिल्ली से इनके खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर कहा कि बेगूसराय में जब कन्हैया चुनाव लड़े थे तो उनको चार लाख वोटो से लोगों ने हरा कर भेजा था। अब दिल्ली में लड़ने चले हैं तो यहां मुझे उम्मीद है कि 5 लाख से अधिक वोटो से उन्हें हार मिलेगी। देश के अंदर किसी को भी टुकड़े-टुकड़े गैंग वाले लोग मंजूर नहीं है।

मुजफ्फरपुर डीएम ने एईएस के पीकू वार्ड का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बुधवार को एसकेएमसीएच में एईएस के पीकू वार्ड का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान डीएम ने एईएस के पीकू वार्ड में रोस्टर के अनुसार डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी की उपस्थिति, दवा की उपलब्धता, बेड की स्थिति, साफ-सफाई, बिजली, पानी सहित कई अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस क्रम में जिलाधिकारी ने एसकेएमसीएचके आपातकालीन वार्ड तथा मातृ शिशु अस्पताल की स्थिति का भी निरीक्षण किया।

पीकू वार्ड में बेड की संख्या बढ़ाने की मांग पर डीएम ने होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर से समन्वय स्थापित कर बेड बढ़ाने हेतु नियमानुकूल अपेक्षित कार्रवाई करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों एवं उनके परिजनों से उनका हाल-चाल जाना तथा आवश्यक फीड बैक प्राप्त किया। यद्यपि अस्पताल 247 कार्यरत अवस्था में है तथा निरीक्षण के दौरान सभी डॉक्टर उपस्थित पाये गये, बेड पूर्ण रूप से व्यवस्थित पाया गया तथा पंजी के अनुरूप दवा भी उपलब्ध पाये गये। उन्होंने एसकेएमसीएच के आपातकालीन वार्ड में मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु आवश्यक कार्य करने के लिए रोगी कल्याण समिति अथवा अन्य उपलब्ध निधि से नियमानुकूल अपेक्षित कार्रवाई करते हुए आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव देने का निदेश अस्पताल अधीक्षक एवं स्वास्थ्य प्रबंधक को दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि इससे संबंधित जो भी दवाएं है उसकी उपलब्ता अतिआवश्यक होनी चाहिए। मरीजों को भटकना नहीं पड़े। उनका समूचित इलाज हो सके। उन्हें आवश्यक सुविधा मिलनी चाहिूए। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी तथा एसकेएमसीएच के कई डॉक्टर मौजूद थें।

भागलपुर:बारात विदाई के बाद लगी आग, 57 घर जले, 24 मवेशी

भागलपुर। भागलपुर जिले में बारात की विदाई के बाद बुझा चूल्हे से निकली चिंगारी से शिवनारायणपुर के रमजानीपुर गांव में शादी वाले घर में ही आग लग गई देखते ही देखते आग की लपटों ने आसपास के 55 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी, की इसमें दो दर्जन से ज्यादा पशु झुलस कर मौत के घाट उतार गऐ साथ ही 70 वर्षीय वृद्ध प्रभादेवी गंभीर रूप से झुलस गईं उनका इलाज अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है' सूचना पर पहुंची एनटीपीसी के दो दमकल की गाड़ियां राज्य अग्निशमन की दो दमकल व आम के बगीचे की सिंचाई के काम में आने वाले दो टैंकर की मदद से लगभग 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया। वहीं दूसरी ओर जगदीशपुर के कोलानारायणपुर में आग लगने से दो घर जलकर राख हो गए आग से सुशील यादव और उसकी मां नर्मदा देवी के घर जला। थानाध्यक्ष गणेश कुमार ने बताया कि सूचना पर दमकल की गाड़ी को मौके पर भेजा गया आग बुझाने के क्रम में सुशील यादव की पत्नी आशा मामूली रूप से झुलस गई उसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया।

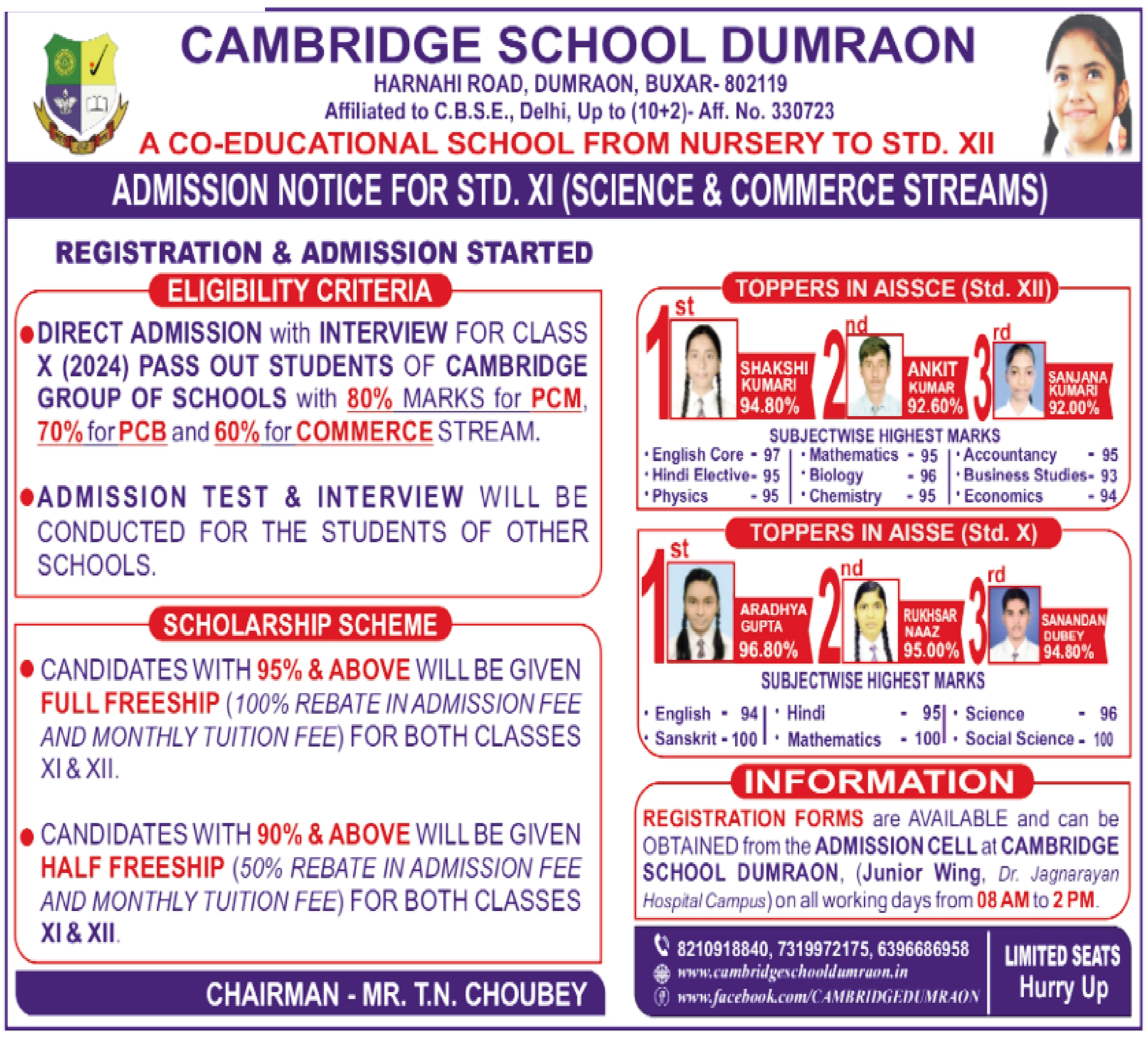

जिनको बक्सर की चौहद्दी नहीं पता वो क्या करेंगे बक्सर का विकास : अनिल कुमार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार ने बक्सर प्रखंड अंतर्गत चुरामनपुर,पड़री, दहिवर, दलसागर, बरुणा, भटवलिया, निधुआ, बसौली, रामडीहा, बोक्सा, कुल्हड़िया, जगदीशपुर, महदह, एकडेरवा, नदांव, सोन्हिला, हुंकहा, लालगंज समेत लगभग दो दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क कर बसपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस दौरान अनिल कुमार ने भाजपा प्रत्याशी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को बक्सर की चौहद्दी नहीं पता वह यहां का क्या विकास करेगा। उनको तो कहना चाहिए कि हम बक्सर को गोपालगंज बना देंगे। उन्होंने कहा कि बनारस से पहले बक्सर का अपना इतिहास रहा है। बक्सर का कोई बेटा यह नहीं चाहेगा कि कोई उनके बक्सर के इतिहास को बदलने की बात कहे। जो बदलने की बात करेगा उसका इस बक्सर से नामोनिशान मिट जायेगा। उन्होंने कहा कि कमल के लोग विदेशी प्लेयर उतारते हैं, उस विदेशी प्लेयर का नामो निशान जब मिटेगा तब उनको देशी की याद आएगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की विदेशियों के हाथों में कब तक रहेगा बक्सर। इन विदेशियों को भगाकर इस बार बक्सर के बेटा को चुनिए। बक्सर के लिए, बक्सर के विकास के लिए हर वर्ग के लोग साथ आ रहे हैं। इस बार बक्सर बहुजन मय होगा, हाथीमय होगा। इस बार बक्सर का बेटा जीतेगा और बक्सर के विकास के लिए जीतेगा। बसपा प्रत्याशी ने कहा कि बक्सर जिस तरह से सामंतवादी और मनुवादियों के गोद में है जिसको इनलोगों ने दबा कर रखा है उस बक्सर को निकालने के लिए यहां का आम आवाम तैयार हो चुका है और पूरा विश्वास है कि इस बार इन मनुवाद और सामंतवादियों का इस बक्सर से नामोनिशान मिटेगा और बहुजन समाज पार्टी की जीत होगी।

डुमरांव नगर में बस स्टैंड का चुनाव में रहेगा मुद्दा

डुमरांव। अनुमंडल मुख्यालय के डुमरांव शहर में यात्रियों के लिए बस स्टैंड नहीं बन पाया है। यात्री वाहन बाजार के घनी आबादी में आकर रूकते हैं और यात्री चढ़ाते और उतारते हैं। इसी उतारए चढ़ाव में जाम की स्थिति कायम हो जाती है। इसके बावजूद प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। लोकसभा का चुनाव शुरू हो चुका हैए राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चा होने लगी है। विदित हो कि डुमरांव पहले प्रखंड था अब यह अनुमंडल बन चुका है। अनुमंडल बने भी दो दशक से अधिक का समय गुजर गया, लेकिन बस स्टैंड नहीं बन पाया है। नगर के व्यापार मंडल के पास बक्सर से आने वाली बस रूकती हैए वहीं नावानगर से आने वाली बसें सफाखाना रोड मोड़ पर। यह दोनों स्थान घनी आबादी वाले जोन में पड़ते हैं। यात्री पहले से इन दोनों स्थानों पर वाहनों के इंतजार में बैठे रहते हैं। वाहन आने के बाद चढ़ने और उतरने वाले लोग दौड़ पड़ते हैं।

एक नजर

भाभी का हत्यारा देवर गिरफ्तार

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के रेंका पांडेयपुर गांव में तीन अप्रैल को हुए ममता देवी हत्याकांड में पुलिस ने उसके देवर अजय पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना पर उसके घर से की गई है। थानाध्यक्ष बिरेन्द्र प्रसाद ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि पांडेयपुर गांव में तीन अप्रैल की सुबह अजय कुमार पांडेय ने अपने एक अन्य भाई के साथ मिल अपनी भाभी ममता पांडेय की गोली मार हत्या कर दी थी। इस मामले में ममता के बच्चों के बयान पर पुलिस ने मृतका के दो देवरों पर नामजद एफआईआर दर्ज किया था। बताया जाता है कि एक वर्ष पूर्व ममता ने अपने प्रेमी के साथ मिल अपने पति की गला रेत हत्या की थी। इस मामले में वह जेल भी गई थी। लेकिन, जेल से बाहर आने के बाद उसकी हत्या भी कर दी गई।

डुमरांव में भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित शराब जब्त

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने शराब के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित शराब के साथ देसी शराब व शराब बनाने के उपकरण को भी जब्त किया। इस अभियान का नेतृत्व प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि स्थानीय शहर के नगर देवी मां डुमरेजनी मंदिर के समीप झाड़ी में शराब का अवैध कारोबार चल है था। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने मौके से पांच सौ लीटर अर्द्धनिर्मित शराब के साथ पांच लीटर देसी शराब व शराब बनाने के सामानों को भी बरामद किया हैं। हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहा। अर्द्धनिर्मित शराब को घटनास्थल पर ही विनष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस की टीम थाना क्षेत्र में अनवरत छापेमारी अभियान चला रही हैं। इस दौरान वाहनों के जांच के अलावे कई गांवों में डोर-टू-डोर छापेमारी भी की जा रही हैं।

वाहन चेकिंग में दो माह में वसूला तीन लाख

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो माह में करीब तीन लाख से अधिक राशि का जुमार्ना वसूला। जिसमें 80 फीसदी बगैर हेलमेट के चलने वाले बाइक चालक शामिल हैं। सरकार ने दोपहिया वाहनों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया है। वाहन चेकिंग के दौरान बगैर हेलमेट के बाइक चलाने वाले चालकों से परिवहन विभाग और पुलिस-प्रशासन जुमार्ना वसूलता है। इसके बाद भी सड़को पर बगैर हेलमेट पहने धड़ल्ले से दोपहिया वाहन दौड़ते हैं। अब तो इन वाहनों पर चार सवारियां बैठाकर भी लोग आने-जाने से परहेज नही करते। आये दिन डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी और थानाध्यक्ष अनीशा राणा राष्ट्रीय राजमार्ग 120 के सड़को पर वाहन चेकिंग चलाकर हेलमेट के उपयोग करने का संदेश देते हैं। स्थानीय थानाध्यक्ष ने बताया कि दोपहिया वाहन से अधिकतर मौतों का कारण हेलमेट नही पहनना सामने आता है। ऐसे मौकों में कई परिवारों के चिराग, दंपति और बुजुर्ग भी शामिल होते है। जीवन अनमोल है। अपने जीवन की रक्षा और परिवार के खुशियों के लिए हेलमेट के साथ यातायात नियमों का अवश्य पालन करें।

अतिक्रमण करने वाले 14 दुकानदारों पर लगा जुर्माना

बक्सर। शहर की सड़कों पर अवैध अतिक्रमण को लेकर विगत सोमवार को नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण खाली करने का अभियान चलाया गया था। इसके तहत नगर के मॉडल थाना से लगायत रामरेखा घाट तक नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटावाया था। तीन दिन जब इसका पुनरू निरीक्षण किया गया तो कुल 14 दुकानदार ऐसे पाए गए। जिन्होंने अपनी दुकान के सामने फुटपाथ और सड़क पर सामान फैलाये हुए थे। इन सभी 14 दुकानदारों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। साथ ही यह चेतावनी भी दी गई, अगर 24 घंटे के अंदर आप लोगों ने जुमार्ना नहीं जमा किया तो ऐसे लोगों के विरूद्ध निरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। वही, जुमार्ने वाले दुकानदारो जिनके द्वारा सड़कों पर फैलाये गए सामग्री से अतिक्रमण की गई उन दुकानों की तस्वीर भी ली गई। जिससे यह प्रमाणित हो सके कि किन-किन दुकानों ने नियमों की अनदेखी की है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि, अभियान के तहत रामरेखा घाट इलाके में तीसरे दिन भी अभियान चला और लोगों को यह कहा गया कि सड़क और नाली को छोड़कर ही किसी भी प्रकार की दुकान लगाई जाएगी। जो लोग नहीं माने उनका सड़क पर रखा सामान जब्त कर लिया गया है। इसके अलावे नगर के अन्य इलाकों में भी नियमित अभियान चलाया जाता रहेगा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह अपना अतिक्रमण स्वयं ही हटा लें अन्यथा उनके विरुद्ध नगर परिषद कठोर कार्रवाई करेगा।

खबरें फटाफट

छठिया पोखरा तीन मुहानी के पास सड़क है जर्जर

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल व अनुमंडल कार्यालय जाने और आने के लिए इसी तीन मुहानी से गुजर कर जाना पड़ता है। इस तीन मुहानी पर आकर उत्तरए पूर्व और पश्चिम दिशा होकर शहर में प्रवेश किया जाता है। इसी तीन मुहानी पर सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। इतना ही नहीं इसके संपर्क रोड की स्थिति भी काफी खराब है। खराब पड़े सड़कों को बनाने और मरम्मत करने के लिए नगर परिषद चुप्पी साधे हुए है। इधर शहर में प्रवेश करने के लिए लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
इसी तरह से छठिया पोखरा तीन मुहानी से शहर में प्रवेश करने वाली सड़क की स्थिति काफी दयनीय है। शहर के लोग अनुमंडल और अनुमंडलीय अस्पताल जाने के लिए और शहर में आने के लिए इसी रोड का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि रोड के जर्जर होने से लोग कितनी परेशानियों से होकर गुजरते हैं। इतना ही नहीं छठ पूजा के दौरान छठ घाट पर जाने में भी ब्रतियों को गड्ढानुमा सड़क से होकर गुजरने में काफी परेशानी होती है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया की तीन मुहानी से निकलने वाली सभी रोड का प्राक्कलन बन चुका है। चुनाव बाद रोड बनाने में काम लगेगा।

पुलिस ने पकड़ी भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब

चौसा। मुफस्सिल पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीछा कर चौसा रेलवे गुमटी के पास एक सेंट्रो कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब से भरी पेटियां बरामद की। हालांकि, उस दौरान मौके से तस्कर फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए शराब व कार की जब्त की कार्रवाई की गई। एक कार से भारी मात्रा में तस्करी की शराब ले जाई जा रही थी। सूचना पर पुलिस द्वारा यादव मोड़ पर जांच अभियान लगा दी। मगर, कार तेजी से अखौरीपुर गोला की ओर भागने लगी। तभी पुलिस ने उस कार का पीछा किया गया। मगर, रेलवे गुमटी का बुमर गिरे होने से तस्कर कार को छोड़ फरार हो गया। पुलिस कार की तलाशी ली जिसमे शराब की पेटिया पायी गई। जिसे थाने लाया गया जहा, शराब की गिनती की गई। थानाध्यक्ष चन्दन झा ने बताया सूचना पर रेलवे गुमटी के पास से तस्करी की शराब लदी एक सेंट्रो कार बरामद की गई।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटकां नुआंव गांव में बुधवार की दोपहर की है घटना

साले की शादी में ससुराल पहुंचे जीजा की करंट की चपेट में आने मौत, मचा कोहराम

- स्थायी दुकानदारों के अलावे फुटपाथियों के द्वारा भी किया गया है अतिक्रमण

केटी न्यूज/बक्सर

अपने साले के शादी में ससुराल गए एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना बुधवार की दोपहर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटका नुआंव गांव की है। मृतक रघुनाथ राम उम्र 32 वर्ष पिता हरेराम राम कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नचाप पंचायत के वीरपुर गांव का रहने वाला था तथा मजदूरी कर अपनी आजीविका चलाता था। मिली जानकारी के अनुसार रघुनाथ की शादी छोटका नुआंव गांव के अमरेन्द्र राम की पुत्री मंजू देवी से हुई थी। उसे एक छह वर्ष का पुत्र तथा दो पुत्रियां थी। उसके एक साले की शादी तय थी तथा 19 अप्रैल को तिलक का रस्म पूरी हो चुकी थी। 25 अप्रैल को बारात जाने वाली थी। पूर्व संध्या पर वह अपनी पत्नी को बाजार से जरूरी सामानों की खरीददारी कर दोपहर में वापस ससुराल लौटा, इसी दौरान घर के बाहर तेज आंधी में टूट कर गिरे धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आनन-फानन में ससुराल वाले उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से शादी वाले घर में कोहराम मच गया था। घर से मांगलिक गीतों की जगह क्रंदन चित्कार सुनाई पड़ रहा था। इधर उसके गांव वीरपुर में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ था।

मध्य रात्रि नैनीजोर में भीषण अगलगी, जले सात आशियानें, बाल-बाल बची दर्जनों लोगों की जान

ब्रह्मपुर। नैनीजोर थाना क्षेत्र के स्थानीय बड़की नैनीजोर गांव में मंगलवार की मध्यरात्रि भीषण अगलगी की घटना हुई। इस घटना में झोपड़ीनुमा सात आशियाने तथा घर में रखे अनाज, कपड़ा, नगदी तथा आभूषण समेत लाखों की संपति जल गई है। बाद में सूचना पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पा इसे और विकराल होने से बचा लिया। इस घटना में नन्दजी यादव, झुन्ना यादव, सीताराम यादव, रामशीष यादव, जीतन यादव, श्रीभगवान यादव, रामचन्द्र यादव व राजदेव यादव के आशियाने जल गए है। मध्य रात्रि हुई इस घटना के दौरान सभी लोग खाना खाकर सो रहे थे, इसी दौरान आग की लपटों से पूरा घर धूं-धूं कर जलने लगा था। हालांकि, लोग किसी तरह अपने बच्चों तथा अन्य परिजनों के साथ बाहर भाग जान बचाई। वही आग की लपटों को देख तत्काल आस पास के लोग आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। फायर वाहन ने आग बुझा इसे अन्य घरों में फैलने से रोका। वही नैनीजोर थानाध्यक्ष मो फिरोज आलम भी मौके पर पहुंच राहत बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पिकअप के धक्के से जख्मी महिला की इलाज के दौरान मौत

- बाल बाल बचे पति व दो मासूम, कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के ठाकुर दयाल सिंह के टोला के पास की है घटना
- मृतका की पहचान ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रहथुआं गांव निवासी संतोष यादव की पत्नी के रूप में हुई

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

एनएच 922 पर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के ठाकुर दयाल सिंह के टोला गांव के पास पिकअप के धक्के से जख्मी एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। जबकि इस दुर्घटना में उसके पति, तीन वर्षीय पुत्र तथा एक वर्षीय बेटी बाल-बाल बच गई। मृतका की पहचान ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रहथुआं गांव निवासी संतोष यादव की 25 वर्षीय पत्नी पिंकी देवी के रूप में हुई है। वह बुधवार को अपने मायके डुमरांव के छठिया पोखरा मोहल्ले से अपने पति के बाइक पर बैठ ससुराल जा रही थी। बाइक पर तीन वर्षीय बेटा कार्तिक तथा एक वर्षीय बेटी अंशिका भी बैठी थी। जैसे ही वे लोग ठाकुर दयाल सिंह के टोला गांव के पास पहुंचे कि पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में पीछे से धक्का मार दिया। जिससे बाइक असंतुलित हो गई। इस दुर्घटना में पिंकी को गंभीर चोट लगी। गनीमत रही कि बाइक पर बैठे दोनों छोटे बच्चों को चोट नहीं आई। दोनों बच्चें बच गये। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए बक्सर ले जा रहे थे, इसी दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों के अनुसार बुधवार को ही उसके पिता का श्राद्धकर्म था, इधर ससुराल में ननद की विदाई हो रही थी, जिसमें शामिल होने के लिए वह पति और बच्चों के साथ मात्र कुछ घंटो के लिए ससुराल जा रही थी। लेकिन, बीच रास्ते में ही हादसें की शिकार हो दुनिया चल बसी। इस घटना के बाद दोनों बच्चों के सिर से उनकी मां का साया छिन गया। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा अभी तक लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। वैसे मामले की जांच की जा रही है।

डुमरांव रजवाहा पर अंग्रेज जमाने की पुलिया दे रही मौत को दावत

- सकरा पुलिया के कारण वाहन से टकराकर रेलिंग हो गए हैं क्षतिग्रस्त
- अनुमंडल कार्यालय व अस्पताल आने के लिए यही एक रास्ता

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल मुख्यालय व अस्पताल आने के लिए डुमरांव रजवाहा पर अंग्रेजों के जमाने की बनी पुलिया ही एकमात्र साधन है। यह पुलिया काफ जर्जर हो चुकी है। सकरा होने के कारण वाहनों से टकराकर इसके दोनों तरफ का रेलिंट टूट गया है। सकरा व मोड़ होने के कारण अक्सर वाहन आपस में टकरा जाते हैं, या रेलिंग से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते है। ऐसा कोई दिन नहीं है, यहां दुर्घटना नहीं होता हो। बावजूद प्रशासन की इसपर नजर नहीं पड़ती है और लोग दुर्घटना का शिकार हो अपना अंग गंवा रहे हैं। बुधवार को दो बार वाहन पुलिया से टकराते हुए आपोजिट दिशा से आ रहे वाहन से भीड़ गए हैं। दोनों बार वाहन चालक और बैठे लोग घायल हो गए। अनुमंडलीय अस्पताल नजदीक होने के कारण तत्काल उनका इलाज कर दिया गया। विदित हो कि डुमरांव रजवाहा के उस पार जाने के लिए इसी जर्जर पुलिया होकर जाया जाता है। पुलिया के उसपार बीएमपी-4 है। बीएमपी के जवानों को लाने और ले जाने के लिए बड़े-बड़े वाहन आते-जाते रहते हैं। कई बार ऐसा हो चुका है कि बड़े वाहन रेलिंग में फंस चुके हैं। रेलिंग से रगड़ खाने से वाहन तो क्षतिग्रस्त होते ही हैं, रेलिंग को भी नुकसान पहुंचता है। वर्तमान समय में पुलिया काफी जर्जर हो चुकी हैए इस स्थान पर नए पुल का निर्माण नहीं किया गया तो यह बहुत बड़े दुर्घटना का कारण बन सकता है। मालूम हो कि इस पुलिया के पार करने के बाद ही अनुमंडलीय अस्पताल और अनुमंडल कार्यालय के अलावे सिविल कोर्ट भी मौजूद हैं। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि डुमरांव रजवाहा की यह जर्जर पुलिया कितना खतरनाक है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन इसकी मरम्मति की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

प्रतिनियुक्ति स्थल पर ही बैठ मरीजों का इलाज करेंगे चिकित्सक : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को डीएम अंशुल अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा शाम में ओपीडी के लिए चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। बैठक में डीएम ने बक्सर जिला के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में पांच जून को रोगी कल्याण समिति की बैठक करने का निर्देश दिया। वही, एनक्यूएएस कायाकल्प एवं लक्ष्य सर्टिफिकेशन प्राप्त करने के लिए सभी आयामों में आवश्यक प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष चिकित्सकों के कार्य निर्धारण के लिए सिविल सर्जन को डीएम ने निर्देशित किया गया। एनआरसी में सुधार के लिए भी सीएस को निर्देश दिया गया कि डीपीओ, आईसीडीएस बक्सर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए बैठक करना सुनिश्चित करेंगे। स्पेशल न्यू बर्न केयर यूनिट की समीक्षा के क्रम में जानकारी मिली कि ओपीडी में प्रतिनियुक्ति चिकित्सक अपने कार्यस्थल से अन्य स्थल पर बैठते हैं। चिकित्सको की जहां पर प्रतिनियुक्ति एवं कार्य निर्धारण किया गया है, वो वहीं पर बैठकर कार्य करेंगे। सभी चिकित्सकों को निर्धारित रोस्टर के अनुसार बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान करने का निर्देश सिविल सर्जन को डीएम ने दिया।

एक किलोमीटर दूरी पर उभर आये गढ्ढों से आये दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे लोग

चौसा-कोचस मार्ग की स्थिति दयनीय, जान-जोखिम में डाल सफर कर रहे लोग

केटी न्यूज/चौसा

चौसा-कोचस मुख्य सड़क की इन दिनों हालात एकदम खस्ता हो गया है। हर आधा-एक किलोमीटर की दूरी पर उभर आये बड़े-बड़े गढ्ढे खतरे की दावत दे रही है। आये दिन छोटे वाहन चालक सड़क पर उभर आये गढ्ढे में हादसे के शिकार हो जा रहे है। जबकि, प्रति दिन इस मार्ग से प्रशासन की वाहने दौड़ती रहती मगर, मरम्मत के लिए कोई सुध लेने वाला नहीं है। इस सड़क पर जान जोखिम में डाल सफर करने के लिए लोग विवश है। बता दें कि चौसा से कोचस मार्ग की दूरी लगभग 35 किलोमीटर है। जबकि, इस सड़क पर इस दूरी में सैकड़ों गढ्ढे उभर आये है। सबसे खराब हालत चौसा से सरेंजा, कुसुरुपा भलुआ, राजपुर, तियरा, से लगायत बसही पुल तक है। जहा कई जगहों पर गहरे -गहरे गड्ढे बने हुए है। जहा इन जगहों पर गढ्ढों को बचाने में छोटे-बड़े वाहनों की टक्कर होने का भय बना रहता है। वही गढ्ढे बाइक व ई-रिक्सा कही न कही पलट जा रही। जिससे लोगो को दुर्घटना का शिकार हो हाथ पैर तुड़वा बैठ रहे। इधर, इन दिनों चुनावी माहौल होने से इस सड़को पर जिले के बड़े पदाधिकारियों से लेकर पथ निर्माण विभाग की वाहनें भी दौड़ती रहती है। मगर, सड़कों की मरम्मती पर किसी का ध्यान नही जा रहा। वही सड़क की स्थिति से आमजनों की परेशानी बढ़ जा रही है। इस संबंध में कोचस से बक्सर जा रहे यात्री कोचस निवासी दीपू कुमार ने बताया कि बड़े वाहनों व बालू लदे ट्रकों के चलते सड़क की स्थिति दयनीय बन गई है। कोचस से लेकर चौसा अखौरीपुर गोला तक इस मार्ग से चलना दूभर है। कभी भी छोटे वाहन बचने-बचाने में दुर्घटना के शिकार हो जायेगे। जबकि, पहले के अपेक्षा और स्थिति जर्जर हो चुकी है। के जगह उभरे गढ्ढे व बिखरी पड़ी गिट्टियां खतरे की घण्टी बजा रही है। वही, सरेंजा निवासी छोटक कुमार ने कहते है कि कहा जा रहा सड़के चकाचक हो रहे है जबकि नेशनल हाइवे की हालत विगत एक वर्षो से खराब स्थिति में है। ये केवल इस वर्ष की बात नही पिछले पटना वाले चुनाव से पहले भी सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई थी। चुनाव बीतने के बाद सड़क की मरम्मती करा दिया गया। जबकि, कुछ दिनों बाद ही सड़क फिर से खराब हो गई। धीरे-धीरे टूटने के साथ अब फिर चुनाव आ गया। श्री राम सिंह कहते है कि इस सड़क की स्थिति खराब करने में खुद विभाग व प्रशासन दोषी है।

पंचायत चुनाव में लगे वाहनों का दो वर्ष बाद भी नहीं हुआ भुगतान, वाहन मालिक परेशान

केटी न्यूज/केसठ

वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनाव के दौरान ड्यूटी में लगे वाहनों का अब तक भुगतान नहीं होने से वाहन मालिकों में नाराजगी व्याप्त है। ज्ञात हो की पिछले पंचायत चुनाव के दौरान निर्वाचन कार्यो में लगे वाहन का तीन वर्ष से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी भुगतान नहीं होना संबंधित अधिकारियों के कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। वही पिछले बार का भुगतान अभितक नहीं हुआ। जिसका असर इस बार के चुनाव पर पड़ेगा। वर्तमान में लोकसभा चुनाव का कार्य जोरों पर है। प्रशासन पूरी तरह तैयारी में जुट गई है। विभाग द्वारा चुनाव में कार्य के लिए वाहनों का अधिग्रहण करने की तैयारी चल रही है। वही वाहन मालिकों ने पिछले बार का बकाया को ले इस बार चुनाव में अपना गाड़ी नहीं देने का फैसला लिया है। वाहन मालिक संजय उपाध्याय, सुभाष आर्य आदि ने बताया की बगैर पिछले भुगतान के इस चुनाव में वाहन लगाने का विरोध वाहन मालिक करेंगे। वाहन मालिकों ने चुनाव ड्यूटी में लगे वाहनों का भुगतान करने के बाद ही आगामी चुनाव के लिए वाहनों का अधिग्रहण करने की मांग अधिकारियों से की है।

साइकिल रैली निकाल मतदाताओं को दिया संदेश... एक जून को अवश्य करें मतदान

- जहानाबाद में मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का किया गया आयोजन
- सरकारी कर्मी से लेकर आम लोगों ने लिया भाग

केटी न्यूज/आरा

जहानाबाद जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा चुनाव की तैयारी पूरे जोर-शोर से कर रही है, पहले चरण की मतदान की प्रक्रिया समाप्त हो गई है, जिसमें कम प्रतिशत मतदान होने से जिला प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इसीलिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बुधवार को डीएम अलंकृता पांडे के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में जीवीका दीदी रोजगार सेवक पंचायत सेवक इत्यादि बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य है कि मतदाताओं को जागरूक करना है, कि 1 जून को जिले में मतदान होना है मतदाता मतदान केंद्र पर जाकर मतदान जरूर करें, गर्मी के कारण मतदाता घर से निकलने से परहेज कर रहे हैं इसीलिए मतदाताओं को जागरूक करना है कि जिस तरह से अपने जरूरी काम कई बाधाओं के बाद भी करते हैं, इसी तरह से मतदान जरूर करें सभी मतदान केन्द्रो पर मतदाताओं के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई है, मतदाताओं को किसी तरह की कोई कठिनाई नहीं हो इसके देखते हुए सभी तरह का व्यवस्था किया जा रहा है , पदाधिकारी द्वारा सभी मतदान देंन्द्रो का निरीक्षण कर सभी तरह के सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग एक जून को भारी संख्या में मतदान कर जिले के पिछले रिकार्ड को तोड़ने का काम करें यह दुर्भाव पूर्ण है की मतदाता की संख्या बढ़ती जा रही है और मतदान की संख्या घटती जा रही है, इससे प्रतीत हो रहा है कि आम लोग मतदान के प्रति रुचि कम ले रहे हैं इसीलिए शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को अपने मतदान के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है, सभी समाजसेवियों एवं बुद्धिजीवियों से उन्होंने अपील किया कि सभी लोग मतदाताओं को जागरूक करें और इस लोकतंत्र पर्व को उत्साह के साथ मनाने का काम करें।

आरा-बक्सर हाइवे पर शाहपुर पेट्रोल पंप के समीप बुधवार सुबह की घटना

बस और कार के बीच सीधी भिड़ंत में कार चालक की मौत, दोस्त जख्मी

- जख्मी युवक का परिजनों द्वारा निजी अस्पताल में कराया जा रहा इलाज
- हादसे के बाद काफी देर तक मची रही अफरा-तफरी, इसी बीच चालक बस लेकर मौके से भाग निकला

केटी न्यूज/आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर शाहपुर पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की सुबह बस और कार की सीधी भिड़ंत हो गई। उसमें कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल का इलाज किसी निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कौशिक दुलारपुर गांव निवासी गोरखनाथ यादव का 33 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार था। हादसे के बाद काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। उस बीच चालक बस लेकर मौके से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का कराया गया। चालक के चचेरे भाई कमलेश ने बताया कि सुमित कुमार बुधवार को कार लेकर धोबहां थाना क्षेत्र के पिपरा गांव गया था। वहां से अपने दोस्त के साथ शाहपुर चले गए। बुधवार की सुबह दोनों कार से अपने गांव लौट रहे थे। उसी दौरान शाहपुर पेट्रोल पंप के समीप सामने से आ रही बस से सीधी भिड़ंत हो गई। उसमें उनके चचेरे भाई सुमित कुमार की मौत हो गई। कार में बैठा उनका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बताया जा रहा है कि कार चालक दो भाई और तीन बहनों में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां कमला देवी, पत्नी बबीता देवी और पुत्री श्रेष्ठी कुमारी है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां कमला देवी और पत्नी बबीता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रैक्टर मैकेनिक के परिजन

दो बाइक की भिड़ंत में शोरूम जा रहे ट्रैक्टर मैकेनिक की मौत

आरा। आयर थाना क्षेत्र के श्रीनगर गांव स्थित अजनाप मोड़ के समीप बुधवार की सुबह दो बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। उसमें एक बाइक सवार ट्रैक्टर मैकेनिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक सवार भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसका इलाज आरा के एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के टिकठी थी गांव निवासी जवाहर राम का 28 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार रजक था।? वह पीरो बाजार स्थित ट्रैक्टर के एक शोरूम में काम करता था। जख्मी दूसरा बाइक सवार आयर गांव निवासी बताया जा रहा है। मैकेनिक के पिता जवाहर राम ने बताया कि वह रोज की तरह मंगलवार सुबह ड्यूटी पर बाइक से पीरो बाजार स्थित ट्रैक्टर शोरूम में जा रहा था। उसी दौरान श्रीनगर गांव स्थित अजनाप मोड़ के समीप सामने से आ रही दूसरे बाइक सवार से सीधी भिड़ंत हो गई। उसमें उनके बेटे मुकेश कुमार रजक की घटनास्थल पर मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार एक युवक भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। करीब घंटे बाद भर उनलोगों को सूचना मिली। तब वे लोग घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि मैकेनिक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके परिवार में पत्नी पूजा देवी, पुत्री साक्षी, सोनाक्षी,राधा और पुत्र सत्यम है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। पत्नी पूजा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिक्रमगंज स्टेट हाईवे पर ट्रक व बाइक के बीच जोरदार टक्कर में दो जख्मी

बिक्रमगंज (रोहतास)। स्टेट हाईवे 81 मुख्य पथ पर कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कैथी के समीप नासरीगंज की ओर जा रहे बाइक सवार और नासरीगंज की ओर से आ रहे एक ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार भागने में सफल रहा। जिस घटनाक्रम में बाइक पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पर कछवां थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंच दोनों जख्मी व्यक्तियों को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से रेफरल अस्पताल नासरीगंज प्राथमिक इलाज हेतु भेजा गया । घटना में कारित ट्रक जिसे पीछा करने पर उक्त ट्रक का ड्राइवर ट्रक को दनवार पेट्रोल पंप पर खड़ा कर भाग गया। जिसे पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि दोनों जख्मी व्यक्तियों में थाना क्षेत्र के मंगरांव नोआंव टोला निवासी स्वर्गीय रामस्वरूप राम के 45 वर्षीय पुत्र नागेंद्र राम एवं कृष्णा सिंह के 30 वर्षीय पुत्र अनिल सिंह बताए जाते हैं।

`तेज रफ्तार बन रही हादसे की वजह : आए दिन हो रहे हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार से वाहन चलाना है। दरअसल अच्छी सड़क होने की वजह से हाइवे पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज रह रही है। इसी तेजी के कारण लोग अपना संतुलन खो दे रहे हैं जिसकी वजह से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। सड़क हादसे होने के बाद भी लोग इससे सबक नहीं ले रहे।

एक नजर

दहेज के लिए ससुराल वालों ने नवविवाहिता की हत्या कर शव को कर दिया दफन

पटना। पटना में दहेज के लोभ में ससुराल वालों ने एक नवविवाहिता की हत्या के बाद उसके शव को बालू घाट में दफन कर दिया था। पुलिस ने बुधवार को नव विवाहिता का शव बालू घाट से बरामद किया है। घटना के बाद से मृतक के पति, सास और ससुर घर से फरार हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। बिहटा के श्रीरामपुर निवासी रमेश राय की बेटी सोनी कुमारी का विवाह 2 वर्ष पूर्व बिहटा गांव के ही धीरज कुमार के साथ हुआ था। परिवार वाले लोगों ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही ससुराल वालों के द्वारा सोनी कुमारी के साथ मारपीट की जाती थी। सोनी कुमारी की मां ने आरोप लगाते हुए कहा है कि सोनी के पति धीरज कुमार एवं उनके सास और ससुर शादी के बाद से ही 10 लाख रुपए नगद और एक कट्ठा जमीन की मांग कर रहे थे। पैसा और जमीन नहीं देने के कारण सोनी कुमारी को ससुराल वाले अक्सर प्रताड़ित करते थे। इस बीच कई दिनों तक उसे भूखे-प्यासे रखकर उसके साथ मारपीट करते थे। कई बार सोनी कुमारी ने इसकी शिकायत अपने परिवार के लोगों से की। शिकायत मिलने के बाद परिवार वालों ने ससुराल वालों को इस मामले को लेकर कई बार पंचायत भी हुई। इस बीच मंगलवार को सोनी के परिजनों को जानकारी मिली कि सोनी की हत्या के बाद उसके शव को बालू घाट में छुपा दिया गया है। घटना के बाद सोनी के परिजनों ने बिहटा थाने में सोनी कुमारी की हत्या का मामला दर्ज कराया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू करते हुए बुधवार को सोनी कुमारी का शव बालू घाट से बरामद कर लिया है। घटना के संबंध में दानापुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि जेसीबी मशीन से मृतका के शव को बालू में दफन कर दिया गया था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अब आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इंदु तपेश्वर कॉलेज में हर्षोल्लास से मनी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती

बिक्रमगंज (रोहतास)। बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक स्थानीय शहर के इंदु तपेश्वर महिला महाविद्यालय में 23 अप्रैल को धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. बिनोद कुमार सिंह व संचालन इंटर खंड प्राचार्य शशि रंजन कुमार ने की। अवसर पर वीर योद्धा बाबू वीर कुंवर सिंह के तैलचित्र पर महाविद्यालय के समस्त कर्मी सहित छात्राओं माल्यार्पण ने कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नाम किया। मौके पर उपस्थित बहुत से छात्राओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उन्हें याद किया। जबकि महाविद्यालय सचिव सह पूर्व सदस्य बिहार विधान परिषद डॉ. अजय सिंह ने भी उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें वंदन करते हुए बताया कि वीर योद्धा बाबू कुंवर सिंह 1857 के सिपाही विद्रोह के दौरान इस देदीप्यमान योद्धा ने ईस्ट इंडिया कंपनी के सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। कुंवर सिंह जगदीशपुर, निकट आरा, जो वर्तमान में जिला भोजपुर, बिहार का एक भाग है, के शाही राजपूत घराने के जमींदार थे। जब उनके पिता, राजा साहिबजादा सिंह के निधन के पश्चात उन्हें 1826 में गद्दी पर बिठाया गया। जबकि प्राचार्य डॉ. विनोद ने बताया की यह जयंती भारत के पहला स्वतंत्रता संग्राम के रूप में भी जाना जाता है। जो देश में स्वतंत्रता की अलख पैदा की। जो 1857 के सिपाही विद्रोह ने सबसे पहले भारतीयों में स्वाधीनता का स्वप्न पैदा किया था।

इंडिया गठबंधन के नेता का भव्य स्वागत

सासाराम (रोहतास)। सासाराम लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी घोषित होने और कांग्रेस से टिकट मिलने के बाद मनोज कुमार बुधवार को सासाराम पहुंचे, जहां कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। सबसे पहले मनोज कुमार जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां इंदिरा गांधी की प्रतिमा को माल्यार्पण किया। इसके बाद वो जगदेव बाबू, महात्मा गांधी, बीपी मंडल, बाबू जगजीवन राम, बाबू निशांत सिंह आदि महापुरुषों के प्रतिमा स्थल पहुंचे और माल्यार्पण किया।मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी मनोज कुमार ने प्रेस से बातचीत में बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा उठाया। कहा कि वे यहीं के रहने वाले हैं और यहां लोगों के सुख-दुख में साथ रहे हैं और आगे भी रहेंगे। कहा कि उनका मुद्दा बेरोजगारी, पलायन है। धान का कटोरा माने जाने वाले इस क्षेत्र में किसानों को धान औने-पौने दाम में बेचना पड़ता है। आम आदमी के समस्या का हल उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

खबरें फटाफट

बाइक और देसी शराब साथ एक कारोबारी गिरफ्तार, दूसरा फरार

नसरीगंज (रोहतास)। कछवां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के मंगरांव से 42 लीटर अवैध देसी शराब व बाइक को जब्त कर लिया है । जिस मामले में पुलिस को देख शराब कारोबारी भाग निकला । तो वहीं दूसरी ओर थाना क्षेत्र के महाराजगंज निवासी संतोष महतो को 5 .4 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी। बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

चोरी के दौरान चोर ने व्यक्ति को मारी गोली

संझौली (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के चैता नर्वद गांव में चोर द्वारा चोरी करने के दौरान एक युवक को गोली मारने की खबर प्रकाश में आया है। वहीं चोर घटना को अंजाम देकर भागने में सफल रहे। यवक की जांघ में गोली लगने की बात कही जा रही है। घटना मंगलवार की देर रात की बताई जाती है। जख़्मी युवक दीपक कुमार उम्र 25 वर्ष पिता प्रमोद चौधरी जो चैता गांव के निवासी बताए जाते है। जख्मी यवक का स्थानीय पीएचसी में उपचार के बाद चिकित्सक के द्वारा बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम हेतू भेजा गया है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना स्थानीय पीएचसी अस्पताल के माध्यम से मिला है। घटना की पड़ताल चल रही है।

दो लाल वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

दिनारा (रोहतास)। नटवार पुलिस ने थाना क्षेत्र के नटवार खुर्द से दो लाल वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा कि उक्त गांव के रहने वाले पिंटू साह उर्फ सुनील कुमार साह और लंगड़ा उर्फ जितेंद्र साह को गिरफ्तार किया गया है।

यूपी से छपरा जा रही ट्रक पर लदी 1998 लीटर शराब की खेप बरामद, वैशाली का तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर गजराजगंज ओपी क्षेत्र के वामपाली के नजदीक पुलिस ने बुधवार सुबह एक ट्रक से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। मौके से वैशाली निवासी एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। वह मलिकपुर गांवनिवासी विकास कुमार है। हालांकि दूसरा भागने में सफल रहा। शराब की खेप यूपी से भोजपुर से फोरलेन के रास्ते छपरा ले जाने की बात सामने आ रही है। जब्त शराब की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। एएसपी परिचय कुमार की ओर से प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि यूपी से ट्रक से लदी शराब की बड़ी खेप हाइवे 922 से गजराजगंज ओपी के रास्ते लायी जा रही है। उस आधार पर शराब की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी को प्रशिक्षु डीएसपी सह ओपी इंचार्ज रश्मि कुमारी के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम में शामिल इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा, दारोगा राजा राम प्रसाद, कन्हैया कुमार और शैलेश कुमार पांडेय द्वारा पुलिस बल के साथ वामपली के पास वाहन चेकिंग शुरू की गयी। तब पुलिस को देख लो लोग ट्रक से उतरकर भागने लगे। हालांकि पुलिस द्वारा खदेड़ कर एक को पकड़ लिया गया। बाद में तलाशी के दौरान ट्रक से विभिन्न ब्रांड की 8568 बोतल (1998 लीटर) शराब बरामद की गयी। गिरफ्तार तस्कर का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया। पूछताछ में तस्कर ने यूपी से शराब की खेप लाये जाने की बात स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पूरे गिरोह का पता लगाया जा रहा है। टीम में सिपाही अशोक कुमार, अनमोल कुमार और रौशन कुमार शामिल थे।

अवैध शराब के साथ तीन कारोबारी गिरफ्तार

दिनारा (रोहतास)। दिनारा एवं भानस ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से शराब के साथ तीन कारोबारी को धर दबोचा। इनमें सेमरी गांव निवासी विनय कुमार के पास से 2 लीटर देसी शराब एवं लाल बाबू राय के पास से 36 पीस 180 एमएल का एट पीएम अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। मामले में दोनों कारोबारी के अलावा एक अन्य को गिरफ्तार किया गया।

बिक्रमगंज में अवैध रूप से बिजली जलाने के आरोप में दो पर केस

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिलिंग गुणवत्ता एवं बकायेदार उपभोक्ताओं की जांच को लेकर एक जांच दल का गठन किया गया । ऊक्त जांच के दौरान अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर कनीय विद्युत अभियंता संझौली प्रमुदित रक्त पटेल ने प्राथमिकी दर्ज कराई है । बताते चले कि बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत विपत्र की राशि बकाया रहने के कारण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है परंतु कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा किये अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी करने लग रहे हैं। इसी बीच ग्राम मसोना के उपभोक्ताओं का बकाया पर विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर किताबुद्दीन मंसूरी खान पर 16 हजार 113, कृष्णा राम पर 21 हजार 702 रुपये राजस्व की क्षति लगाई गई है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह

किया गया है कि जिनका बकाया पर लाइन कटा हुआ है वो अपना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें । जो उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है । जांच दल में लाइनमैन कृष्णा सिंह एवं मानवबल मिस्त्री चन्देश प्रजापत्ति थे ।

जब चंद्रशेखर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले हम चूक गए....

- बलियावासियों को याद आने लगा पीएम मोदी का ट्वीट

तिलक कुमार/ बलिया

पीएम ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि आज छोटा-मोटा राजनेता अगर पदयात्रा करता है तो 24 घंटे हमारी मीडिया द्वारा उसे टीवी पर चलाया और दिखाया जाता है। लेकिन चंद्रशेखर जी ने गरीब, किसान और गांवों को ध्यान में रखते हुए पदयात्रा को पूरा किया था। यह कदम चुनाव के मद्देनजर नहीं उठाया गया था। देश को उन्हें जो गौरव देना चाहिए था वह हमने नहीं दिया। हम चूक गए। लोकसभा चुनाव का महापर्व शुरू हो चुका है, ऐसे में बलिया वासियों को अब पीएम मोदी का ट्वीट भी याद आने लगा हैं। हालांकि बलिया लोकसभा से भाजपा ने पूर्व पीएम चंद्रशेखर के छोटे पुत्र नीरज शेखर को अपना उम्मीदवार बनाया है। लोकसभा चुनाव की सरगर्मी तेज है, ऐसे में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की बात न हो, यह कैसे संभव है। बात शुरू से करते हैं, चंद्रशेखर का जन्म 17 अप्रैल 1927 को बलिया के इब्राहिमपट्टी में हुआ था। पढ़ाई खत्म होने के बाद चंद्रशेखर पूरी तरह सोशलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता बन गए। यह बात सन 1951 की है। हालांकि बाद में सोशलिस्ट पार्टी में आई दरार के बाद चंद्रशेखर ने कांग्रेस पार्टी में जाना उचित समझा, लेकिन सन 1977 में देश में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए इमरजेंसी के बाद इन्होंने कांग्रेस पार्टी का त्याग कर दिया। इसके बाद चंद्रशेखर इंदिरा गांधी के खिलाफ खुलकर बोलने व लिखने लगे। यहां इनकी पहचान इंदिरा के मुखर विरोधी के रूप में बनी।

बगावती तेवर ने युवा तुर्क की रखी नींव

बलिया। चंद्रशेखर के प्रधानमंत्री का कार्यकाल मात्र 8 महीने का था। लेकिन इनका राजनीतिक सफर काफी लंबा रहा। तमाम मुश्किलों और कठिनाइयों तथा सोशलिस्ट पार्टी से अलग होने के बावजूद चंद्रशेखर ने समाजवादी विचारधारा का त्याग नहीं किया। अपने तीखे तेवरे और बेबाकी से बोलने के अंदाज से चंद्रशेखर सभी को निरुत्तर कर दिया करते थे। चंद्रशेखर को उनके तेवर, बेबाकी से बोलने, विरोधियों पर हावी होने तथा बागी रवैये ने युवा तुर्क के नाम से भी मशहूर किया।

युवा तुर्क की शुरूआत

बलिया। चंद्रशेखर को कांग्रेस संसदीय दल का साल 1967 में महासचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद चंद्रशेखर ने सामंत के बढ़ते एकाधिकार व सामाजिक बदलाव लाने की नीतियों पर जोर दिया और आवाज उठानी शुरू की। यहीं से चंद्रशेखर को युवा तुर्क कहा जाने लगा। यही समय था जब कांग्रेस पार्टी में सिंडिकेट जैसे शब्द भी सुनाई पड़ने लगे थे। यह चंद्रशेखर का प्रभाव ही था कि कांग्रेस पार्टी के खासमखास रहे नेता भी उनकी छवि में घुल जाना चाहते थे। राजनीति हो या जन आंदोलन चंद्रशेखर की आवाज हर जगह एक जैसी बुलंदी से सुनाई पड़ती रही।

कांग्रेस में रहते हुए इमरजेंसी का किया था विरोध

बलिया। साल 1971 में इंदिरा गांधी की तमाम विरोधों के बावजूद चंद्रशेखर ने कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति का चुनाव लड़ा और यहां भी उनके हिस्से जीत आई। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी की अधीनता को नकारते हुए जयप्रकाश नारायण के आंदोलन को पूरा और खुलकर समर्थन दिया। कांग्रेस में रहने के बावजूद उन्होंने इंदिरा गांधी द्वारा लागू ह्यइमरजेंसीह्न का खूब विरोध किया। चाहे संसद हो या सड़क हर जगह चंद्रशेखर इंदिरा गांधी के इमरजेंसी का विरोध करते दिखे। यही नहीं चंद्रशेखर ने स्वर्ण मंदिर पर इंदिरा गांधी द्वारा सैनिक कार्रवाई का भी विरोध किया।

एक नजर

भीषण गर्मी में यात्रियों के लिए इकोनॉमी मील की सुविधा दे रहा रेलवे

पीडीडीयू नगर । भीषण गर्मी में यात्रियों को असुविधा न हो इसके लिए रेलवे द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों को किफायती दर पर भोजन (इकोनॉमी मील) उपलब्ध कराया जा रहा है। आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ये भोजन प्लेटफार्मों पर सामान्य श्रेणी के कोचों के निकट स्थित काउंटरों पर उपलब्ध कराया गया है, ताकि यात्रियों को यह सुविधा बिना किसी परेशानी के आसानी से उपलब्ध हो सके । विदित हो कि देश भर के 100 रेलवे स्टेशनों पर लगभग 150 इकोनॉमी मील काउंटर उपलब्ध हैं । पिछले वर्ष लगभग 51 स्टेशनों पर इस सेवा की शुरूआत की गयी थी जिसमें विस्तार किया गया है । निकट भविष्य में और अधिक स्टेशनों को शामिल करते हुए इस पहल को और आगे बढ़ाने की योजना है । इकोनॉमी मील (किफायती भोजन) की सुविधा पूर्व मध्य रेल के 20 प्रमुख स्टेशनों पर उपलब्ध करायी गयी है तथा आवश्यकतानुसार अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी यह सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी । भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आई.आर.सी.टी.सी.) के साथ मिलकर यात्रियों, विशेषकर अनारक्षित कोचों में यात्रियों की सेवा के लिए एक नई पहल के साथ कदम बढ़ा रही है जिसमें किफायती दर पर 20 रूपए में इकोनॉमी मील (किफायती भोजन) तथा 50 रूपए में स्नैक्स मील (कॉम्बो भोजन) उपलब्ध कराया जा रहा है ।

पुलिस ने आपराधिक प्रवृत्ति के तीन आरोपी को किया जिला बदर

चंदौली। पुलिस ने आपराधिक प्रवृत्ति के तीन आरोपियों को जिला बदर किए जाने की कार्यवाही की है। पुलिस ने यह कार्यवाही जिले में शांति व्यवस्था के साथ ही कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के मद्देनजर किया है। एसपी ने कहा कि जिला बदर किए गए तीनों अपराधी पेशेवर होने के साथ-साथ मनबढ़ है, जिन्हें आगामी छह माह के लिए जिले की सीमा से निष्कासित किया गया है। इस बाबत एसपी डा.अनिल कुमार ने जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को स्थापित रखने व अपराध नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत सक्रिय अपराधियों एवं अराजकतत्वों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिस क्रम में प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष चकिया, सैयदराजा व चकरघट्टा द्वारा भारतीय दण्ड संहिता मे वर्णित अपराधो के अन्तर्गत अपराध कारित करने वाले 03 अपराधियो के विरुध्द कार्यवाई करने हेतु अपर जिला मजिस्ट्रेटको प्रेषित रिपोर्ट के आधार पर उक्त अपराधियों जिनसे समाज में भय व आतंक व्याप्त है। उनके उपर अगामी 06 माह की अवधि तक के लिए जनपद चन्दौली की सीमाओं को छोड़कर बाहर जाने का आदेश पारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला बदर घोषित अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर, गुण्डा सहित अवैध गोवंश की तस्करी व आमजन के साथ मारपीट, गाली-गलौज, चोरी जैसे गंभीर अपराधों में अभियोग पंजीकृत है। इस कार्यवाही के साथ ही उन्होंने आमजन को भरोसा दिया कि समाज में भय व आतंक व्याप्त करने व कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों के विरूद्ध चंदौली पुलिस ऐसे ही सख्ती से पेश आएगी। जिला बदर हुए अपराधियों में चकिया थाना क्षेत्र के छित्तमपुर निवासी जितेंद्र चौहान, सैयदराजा थाना क्षेत्र के खेदाई नरायनपुर निवासी राजू यादव व चकरघट्टा थाना क्षेत्र के देवदत्तपुर निवासी संदीप उर्फ रवि शामिल हैं। जितेंद्र चौहान अनुसूचित जाति एवं जनजाति से मारपीट व गालीगलौज के साथ जातिगत उत्पीड़न व अवैध असलहा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था। जनपद मिजार्पुर में गोतस्करी से सम्बन्धित अपराधकारित किया गया था। वहीं संदीप उर्फ रवि डकैती के समय चोट पहुंचाने व डकैती के माल बरामदगी के साथ अवैध असलहा सम्बन्धी अपराध किये गये हैं व अभियुक्त पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जा चुकी है।

खबरें फटाफट

अधिग्रहित भूमि पर पुनर्निर्माण करने पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

गाजीपुर। नगर के काजीटोला वार्ड नंबर दस स्थित अधिग्रहित भूखंड पर भू माफियाओं द्वारा पुनर्निर्माण

कराए जाने की सूचना पर स्थानीय पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसे उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक के नेतृत्व में बुल्डोजर लगाकर अवैध निर्माण ध्वस्त कराया गया। बता दें कि पिछले दिनों अधिग्रहण किए गए भूमि पर तत्कालीन चेयरमैन शमीम अहमद की मिली भगत से उस जमीन पर एक हफ्ते से प्लाटिंग कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसे वर्ष 2023- 24 में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मोहम्मदाबाद द्वारा तत्कालीन अध्यक्ष शमीम अहमद पुत्र अब्दुल हक एवं पूर्व अध्यक्ष एजाज अहमद की पत्नी फहमीदा बानो के खिलाफ धोखाधड़ी कूट रचित तथा अन्य धारा में मुकदमा नंबर 172 / 23 के तहत 420 467 68 120बी का मुकदमा मुहम्मदाबाद कोतवाली में कायम कराया गया था।
इसके बाद तत्कालीन अध्यक्ष शमीम अहमद अहमद ने हाई कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत प्राप्त कर लिया तथा पुनः अधिग्रहण की गई भूमि पर इन सभी व्यक्तियों की मिली भगत से सबूत मिटाने के बाद निर्माण कार्य कराया जाने लगा। जबकि सरकारी तौर पर इस भूमि पर अधिग्रहण कर बोर्ड आदि लगवाया गया था। अधिग्रहित की गई भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा पुनः निर्माण की सूचना जिलाअधिकारी गाजीपुर को बसपा नेता एवं पूर्व नगर पालिका परिषद मुहम्मदाबाद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी जियाउद्दीन अहमद ने लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से दिया। जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने एसडीएम मोहम्मद को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक ने बताया कि अधिग्रहित की गई भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध निर्माण निर्माण को हमने बुल्डोजर लगाकर ध्वस्त करा दिया है तथा उन्हें अग्रिम चेतावनी भी हमने दी है की पुनः निर्माण कराओगे तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर काफी संख्या में पुलिस प्रशासन एवं राजस्व टीम के साथ नगरवासी मौके पर मौजूद रहे।

प्रेमी ने दिया धोखा तो प्रेमिका ने उठाया खौफनाफ कदम

घूंघट में आई प्रेमिका ने प्रेमी पर फेंका तेजाब

- युवक के परिजनों के तहरीर पर प्रेमिका के विरुद्ध मुकदमा दर्ज
- बांसडीहरोड के डुमरी गांव का है मामला
- थाने से लेकर गांव पर भी पूर्व में कई बार हो चुकी है पंचायत
- बांसडीह से बाथरूम साफ करने वाला खरीद कर लाई थी तेजाब

केटी न्यूज/बलिया

यूपी के बलिया जिले के बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के डुमरी गांव का है। जहां मंगलवार की शाम परिछावन के समय घूंघट में पहुँची एक युवती ने दूल्हे पर तेजाब फेंक दिया। जिससे दूल्हा गम्भीर रूप से झुलस गया। इसके अलावा बगल में खड़ा एक युवक भी झुलस गया। महिलाओं ने युवती को पकड़ लिया और सूचना पर पहुँची पुलिस युवती को हिरासत में लेकर थाने चली गई। ग्रामीणों का कहना है कि दूल्हे की प्रेमिका ने इस घटना का अंजाम दिया है। आपको बता दे कि बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी राकेश बिंद का एक युवती से बीते कई वर्षो से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। युवती ने युवक से शादी करने के लिए कई बार दबाव बनाया। यहां तक कि इस मामले में कई बार थाना व गांव में पंचायत भी हुई, लेकिन मामला सुलझ नहीं सका। उधर मंगलवार की शाम राकेश बिंद की बरात बेल्थरारोड क्षेत्र के एक गांव में जा रही थी। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए दूल्हे के साथ परिछावन करने के लिए गांव के शिव मंदिर पर पहुंचीं। उधर युवक की प्रेमिका यह देख अंदर ही अंदर प्रेम की अग्नि में जल रही थी। इसके बाद युवती ने मन मे एक खौफनाफ कदम उठा लिया और घूंघट में युवती परिछावन स्थल पर महिलाओं के बीच पहुंची गई और मौका पाकर दूल्हे पर तेजाब फेंक दिया। जिसके बाद दूल्हा चीखने चिल्लाने लगा। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। दूल्हे के बगल में खड़ा इसी गांव का राज बिंद (14) भी झुलस गया। उधर महिलाओं ने युवती को पकड़ लिया जो युवक की प्रेमिका बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस युवती को पकड़कर थाने ले गई और दूल्हे को जिला अस्पताल पहुँचवाया। इस बाबत थानाध्यक्ष अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि युवक के परिजनों के तहरीर के आधार पर धारा 326 बी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में युवती ने बताया कि युवक का हमसे संबंध था। वह दूसरी शादी कर रहा था। जिसका मैंने विरोध किया। जब वह नहीं माना तो बांसडीह से बाथरूम साफ करने वाला तेजाब लाई और उसके शरीर पर फेंक दिया। बताया कि युवती को पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया गया।

पत्नी ने पति पर धारदार हथियार से किया हमला, हालत गंभीर

बलिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के शिवपुर दियर ब्यासी निवासी दीनदयाल प्रसाद (55) के पत्नी हिरामुन्नी देवी ने अपने ही पति पर सुबह करीब छः बजे के आसपास धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में परिजनों ने जिला अस्पताल पहुचाया।
मिली जानकारी के अनुसार बता दें कि शिवपुर दियर ब्यासी निवासी दीनदयाल प्रसाद (55) के पत्नी हिरामुन्नी देवी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया, विवाद इतना बढ़ गया कि ये अपने ही पति पर धारदार हथियार से हमला कर दी। जिसके बाद दीनदयाल गंभीर रूप से घायल हो गया।
चीख पुकार के बाद परिजनों ने घायल को जिला अस्पताल ले गए, जहा प्राथमिक उपचार के बाद हालत को गंभीर देखते हुए, चिकित्सकों ने बीएचयू के लिए रेफर कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक विवाद का कारण नही पता चल सका है।

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कर्मियों ने दूसरे दिन भी किया कार्य बहिष्कार

- सिकंदरपुर तहसील के सभी कमरों में कर्मचारियों ने की तालाबंदी
- तहसील प्रांगण में गाली-गलौज व मारपीट करने का है मामला

केटी न्यूज/बलिया

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सिकंदरपुर तहसील के कर्मचारियों ने बुधवार को दूसरे दिन भी सभी कमरों में तालाबंदी कर कार्य का बहिष्कार किया। आपको बता दे कि मंगलवार को मनियर थाना क्षेत्र के पिलुई गांव निवासी अखिलेश गुप्ता पुत्र पारस गुप्ता द्वारा तहसीलदार सिंकन्दरपुर व उप जिलाधिकारी सिकंदरपुर के चेंबर के सामने खड़ा होकर गाली-गलौज किया जा रहा था। जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों द्वारा मना किया तो अखिलेश गुप्ता द्वारा कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज किया गया। जिसको लेकर कर्मचारी आक्रोशित हो गए और सभी एकजुट होकर कार्य का बहिष्कार करते हुए तहसील प्रांगण तालाबंदी कर विरोध करने लगे। उन्होंने चेताया था कि अगर 24 घंटे के अंदर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी नहीं किया गया तो हम आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इसी क्रम में कर्मचारियों ने सभी कमरों में तालाबंदी कर का आविष्कार करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक संघ पूर्वी जोन अध्यक्ष राम पूजन राम, लेखपाल संघ अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, मंत्री प्रदीप कुमार, उमाशंकर राम, सियाराम यादव, गंगा प्रसाद पाण्डेय, विजय शंकर तिवारी, राकेश कुमार, परवेज अंसारी, सुनील सिंह, अर्पित गुप्ता, संजीव कुमार सिंह, लक्ष्मीकांत यादव, सुनील राम, सचिन यादव, इंद्रजीत यादव, रितेश सिंह, शशांक मिश्रा, प्रवीण वर्मा, विनय यादव, सौरभ यादव, अवनीश रंजन आदि रहे।

बारातियों से भरी बस पलटी, कई हुए घायल

चंदौली। इलिया थाना क्षेत्र के डेहरी खुर्द गांव के समीप सोमवार की देर रात बारातियों से भरी बस सड़क के किनारे अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं जिसमें चार लोगों को गंभीर चोटें आयी हैं। घायलों का उपचार कस्बा के एक निजी चिकित्सालय में कराया गया,जबकि शेष बारातियों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया।
बारात सोमवार की रात बस संख्या यूपी 67 टी 5787 से सीमावर्ती बिहार प्रांत के चांद थाना अंतर्गत बीरभानपुर से भरारी कलां के लिए जा रही थी। इसी बीच रास्ते में डेहरी खुर्द गांव के पास सड़क के किनारे जेसीबी से खुदाई कर निकले गए मिट्टी पर अनियंत्रित होकर पलट गई। जानकारी होते ही भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए तब तक पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। ग्रामीणों की मदद से बस में सवार सभी बारातियों को बाहर निकाला गया। जिसमें घायल रंजीत 20 वर्ष, सुजीत 19 वर्ष, सुभाष यादव 50

चंदौली में आज सुबह नौ से शाम पांच बजे तक ठप रहेगी बिजली आपूर्ति

चंदौली। चन्दौली विद्युत उपकेन्द्र पर 33 केवी कन्ट्रोल पैनल बदलने का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें लगभग 08 घण्टे का समय लगने का अनुमान है। जिससे 33/11 केवी चन्दौली विद्युत उपकेन्द्र से सम्बन्धित शहरी क्षेत्रों में गुरुवार को विद्युत आपूर्ति सुबह 09 बजे से शाम 05 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

अभी जिले में 515 उपक

डीएम व एसपी ने कृषि मंडी जंगीपुर का किया निरीक्षण

- स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल पर कराए जाने वाले कार्य समय के अंदर पूर्ण करें : डीएम

केटी न्यूज/गाजीपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत निर्वाचन संबंधी विविध कार्यो को समयबद्ध एवं सुचारू ढंग से संपन्न कराने एवं निर्वाचन को सकुशल संचालन तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सयुक्त रूप से कृषि मंडी जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का भी निरीक्षण किया।
निरीक्षण के उपरान्त उन्होंने संबंधित को आवश्यक व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जंगीपुर के मंडी सचिव को निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर जो भी कार्य कराये जाने है उसको समयान्तर्गत पूर्ण करा लिया जाय। कमरो में रंगाई व पोताई एवं छत की मरम्मत होने के पश्चात मशीनो के रख रखाव व दरवारो/लगे सटरो को ताला पूर्ण रूप से बन्द हो जाये इसकी जॉच अवश्य कर ली जाय। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक के रास्तो एवं नाली को ठीक किया जाय इसमें किसी प्रकार का अवरोधक उत्पन्न न हो तथा स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक जाने हेतु बैरीकैटिंग का कार्य भी समयान्तराल पूर्ण कर लिया जाय।
उन्होंने कहा कि मंडी में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे एवं स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल एवं पूरे मंडी की निगरीन के लिए 24 घंटे लगातार चालू की दशा में रहें। यह सुनिश्चित किया जाए कि विद्युत वाधित होने पर किसी भी दशा में लगाए गए कैमरे बंद न हों । इसकी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विद्युत` विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मंडी में किसी तरह से विद्युत बाधित न हो, इसकी तैयारी पहले से करा लें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जनरेटर की व्यवस्था अवश्य रखें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार, एसपीसीटी, उपजिलाधिकारी सदर, डिप्टी कलेक्ट्रर, तहसीलदार सदर, नगर पंचायत जंगीपुर ईओ, मंडी सचिव एवं निर्वाचन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पानी की टंकी ढहने से एक मासूम की मौत

वाराणसी। कपसेठी थानाक्षेत्र में निमार्णाधीन पानी की टंकी ढहने से 2 मासमू बच्चों सहित 3 मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में चार साल के बच्चे की मौत हो गई है। जबकि चार घायल हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। घटना कपसेठी थानाक्षेत्र के भगवतीपुर गांव में मंगलवार की रात हुई। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची कपसेठी पुलिस जेसीबी की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही मृत बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि परिजनों ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है।

बलिया लोकसभा: दांव पर है महारथियों की प्रतिष्ठा

- चुनावी रणभूमि में चक्रव्यूह रचने उतरे दिग्गज
- अपना दुर्ग सुरक्षित करने में जुटी भाजपा, सपा व बसपा

अखिलानंद तिवारी/ बलिया

लोकसभा चुनाव में राजनीति के माहिरों की साख दांव पर है। सत्ता संग्राम में एक तरफ जहां सूबे के परिवहन मंत्री दुर्ग सुरक्षित करने में एड़ी- चोटी का जोर लगाए हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ सपा के राष्ट्रीय सचिव रामगोविंद चौधरी समेत तीन विधायक अपनी प्रतिष्ठा बचाने में दिन-रात एक किए हैं। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सनातन पांडेय के साथ पूरी पार्टी लगी हुई है, तो पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर भाजपा के झंडे तले एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं। चुनाव परिणाम चाहे जो भी हो, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा की महारथियों की इज्जत इस बार दांव पर है।

..चंद्रशेखर के नाम पर आंख बंद कर वोट देते थे लोग

कभी बड़े- बूढ़े, महिला और जवान सभी पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के नाम पर आंख बंद करके वोट देते थे। पूरे पूर्वांचल ही नहीं देश में चंद्रशेखर के नाम का डंका बजता था। जिस लोकसभा क्षेत्र में ऐसे वोटर रहे हों, वहां राजनीति के माहिर खिलाड़ियों की आंख टिक जाना स्वाभाविक है। राजनीति के अखाड़े में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सलाह मात्र से वैतरणी पार करने वाले नेता आज खुद मझधार में फंसे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस बार चंद्रशेखर के परिवार से उनके पुत्र नीरज शेखर भाजपा के झंडे और डंडे तले चुनाव मैदान में उतरे हैं। बलिया लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी के साथ समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अंतिम तैयारी में जुट गए हैं। राजनीतिक पंडित एवं दिग्गज नेता अब चुनावी रणभूमि में चक्रव्यूह रचने का काम कर रहे हैं।

भाजपा में दिग्गजों की प्रतिष्ठा को चुनौती..

उधर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर की प्रतिष्ठा बचाने के लिए इस बार पार्टी हाईकमान बलिया लोकसभा सीट पर नजर रखे हुए है। इसके साथ ही सूबे के मंत्री दयाशंकर सिंह, एमएलसी रविशंकर सिंह पप्पू, दो पूर्व सांसद भारत सिंह एवं वीरेंद्र सिंह मस्त, दो पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी व आनंद स्वरूप शुक्ला। जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक संजय यादव के साथ जिला कार्यकारिणी भी लगी हुई है। देखा जाए तो भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर को जीत दिलाकर संसद में भेजने के लिए कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा को चुनौती मिली है। कुल मिलाकर भाजपा अपना दुर्गा सुरक्षित करने में पूरी ताकत लगाए हुए है। अगर भाजपा को इस सीट पर इस बार विजय मिली तो जीत की हैट्रिक तय है।

सपा में राजनीति के माहिरों की साख दांव पर..

उधर सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय को संसद तक पहुंचाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे राम गोविंद चौधरी के साथ ही जनपद के तीन सपा विधायक एवं कई दिग्गज नेता लगे हैं। जिसमें फेफना विधानसभा के विधायक व जिलाध्यक्ष संग्राम यादव, बैरिया विधानसभा के विधायक जयप्रकाश यादव तथा सिकंदरपुर विधानसभा के सपा विधायक मुहम्मद जियाउद्दीन रिजवी रात-दिन एक किए हुए हैं। इसके साथ ही पूर्व मंत्री नारद राय एवं दो बार विधानसभा प्रत्याशी रहे लक्ष्मण गुप्ता के नाम भी शामिल हैं। यह सभी नेता राजनीति के मजे व सधे हुए खिलाड़ी हैं।

बसपा उम्मीदवार के लिए उमाशंकर सिंह बनेंगे तारणहार !

बलिया लोकसभा सीट की बात करें तो इस बार बहुजन समाज पार्टी ने लल्लन सिंह यादव को अपना उम्मीदवार बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है। लल्लन सिंह यादव मूल रूप से गाजीपुर के रहने वाले हैं। इंटर की पढ़ाई के बाद वह सेना में भर्ती हुए तथा वर्ष 2009 में रिटायर्ड होने के बाद बसपा से जुड़ गए और संगठन को मजबूती प्रदान करने में लगे रहे। बसपा उम्मीदवार ललन सिंह यादव को संसद में भेजने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ ही प्रदेश के एकलौते बसपा विधायक उमाशंकर सिंह की तारणहार बन सकते हैं। पूर्वांचल की कई सीटों पर विधायक की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। बसपा विधायक हर हाल में बलिया और सलेमपुर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करना चाहते हैं। इसके लिए पूरी कार्यकारिणी अभी से चुनावी रणनीति तैयार करने में जुट गई है।

एक नजर

पिछले 10 वर्षो का काल खंड भारत के पुरूषार्थ को जगाने का काल खंड है : मनोज सिन्हा

गाजीपुर। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को अपने दो द्विवसीय दौरे के दूसरे व अंतिम दिन जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिए और विभिन्न विषयों पर गोष्ठी को संबोधित किए। बुधवार को सायंकाल रेनबो माडर्न स्कूल प्रांगण में रेनबो फाउंडेशन द्वारा आयोजित बदलते भारत के समग्र विकास में हम और हमारी भूमिका विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मनोज सिन्हा ने कहा कि पूर्व के काल खंडों में दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का 35 प्रतिशत योगदान था। भारत सोने की चिड़िया कहलाता था, तो उसके पीछे का कारण यह है कि भारत सोने का नहीं था। लेकिन भारत के शिक्षण संस्थान विश्व के सबसे अच्छे थे। हमारी चिकित्सा व्यवस्था मजबूत थी, जो कारीगर हमारे सामान बनाते थे उसकी खपत नहीं, बल्कि मांग बहुत ज्यादा थी। जिसके बदले हम विदेशों से सोना लूटकर नहीं, बल्कि उन सामनों के बदले यहां ले आते थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षो का काल खंड भारत के पुरूषार्थ को जागने का काल खंड है। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था में आज भारत का 15%का योगदान कर रहा है और यह उपलब्धि हम जो देश कभी हमें गुलाम बनाया था उसकी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर प्राप्त किया है। लेकिन इस पर भी हमें संतोष नहीं है, फिर से हम 35% का योगदान दुनिया को दे सकें। ऐसे भारत का निर्माण हमें करना है। उन्होंने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाल कर मध्यम श्रेणी के जीवन का मार्ग प्रशस्त करना यह बदलते भारत का सबसे बड़ा उदाहरण है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि देश की रक्षा के लिए एक हाथ में तलवार और एक हाथ में विज्ञान जरूरी होता है। आज का भारत इन दोनों के साथ आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर डा.केदारनाथ सिंह, सुनील सिंह,राकेश त्रिवेदी, प्रो विनय राय, कृष्ण बिहारी राय,दयाशंकर पांडेय, अवधेश राजभर, प्रवीण सिंह,शशिकांत विश्वकर्मा, सच्चिदानंद सिंह, बालकरन यादव, भानु प्रताप जायसवाल, किरन सिंह, साधना राय, डा. रजनीश सिंह आदि मौजूद थे।

खेदू पूरा में दो ट्रांसफार्मर में एक साथ आग लगने से मचा हड़कंप

मऊ । नगर के खेदू पूरा में एक ही स्थान पर रखे 250-- 250 एमबी के दो ट्रांसफार्मर में एक साथ आग लग जाने से हड़कंप मच गया।मुहल्ले के लोगो में त्राहि त्राहि मच गया।लोगो जान जोखिम में डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया जिससे भारी हादसा टल गया।फायर ब्रिगेड का कहीं पता नहीं चला।बाद में सूचना मिलने पर बिजली कर्मचारी पुहुचे और मौके का निरीक्षण किया। नगर पालिका अध्यक्ष अरशद जमाल मौके पर पहुंचे और जानकारी प्राप्त कर विभाग से तुरंत दोनो ट्रांसफार्मर लगाने के लिए कहा जिससे लोगो पानी और भीषण गर्मी से राहत मिल सके।बताया जाता है कि यह बुनकर मुहल्ला है और घनी आबादी वाला इलाका यदि आग फैल जाती तो भारी नुकसान हो सकता था किंतु संयोग ही रहा कि आग ट्रांसफार्मर तक ही रह गई।

हनुमान जयंती पर कलाकारों ने दी स्वरांजलि

पीडीडीयू नगर। मंगलवार शाम सात बजे से स्थानीय स्टेशन परिसर स्थित भगवान बजरंग बली के चरणों में नगर एवं बाहर से आए गायक कलाकारों ने एक से एक भजनों की प्रस्तुति करके उपस्थित श्रोताओं को भक्ति रस पान कराया। भजनों की प्रस्तुति में सर्वप्रथम महेश मधुर ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की इसके बाद मेरी झोपड़ी के भाग आज जाग जायेंगे राम आएंगे इनके बाद धर्मप्रकाश शर्मा ने भजन गाया सोने के सिंहासन पर बैठे मेरे रामजी, चरणों में बैठे हनुमान जी राम - राम,अगले कलाकार के रूप में बापी दा ने आवाज दी दीवाना मेरे राम का भक्त हनुमान का नगर के सुप्रसिद्ध युवा जागरण कलाकार आनन्द गुप्ता ने छाती चीरकर हनुमान दिखा दिया श्री राम, मेरे मन में बसे हैं राम मेरे तन में बसे हैं राम तथा रामजी की सेना चली , वरिष्ठ कलाकार छांगुर गुरु ने बजरंग बली तेरा दरश जो हम पाए हे रामभक्त तेरे चरणों से लिपट जाएं। महिला कलाकारों सरस्वती कृष्ण मूर्ति एवं रानू श्रीवास्तव ने भी बाबा के चरणों में अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों के साथ संगीत देने वालों में ऑर्गन पर रामाजी एवम् पैड पर रवि मिश्रा शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन भूपनारायण बाबुल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय पांडेय, पवन तिवारी,राकेश श्रीवास्तव,प्रभु गुप्ता,मोहन गुप्ता,अशोक जयसवाल,जगदीश जायसवाल, अनिल पांडे, आशीष श्रीवास्तव, वसंत अग्रवाल की भूमिका रही।

प्रतापगढ़ जिले के अंतू थाना क्षेत्र के छतरपुर के रघना गांव में हुई वारदात

सगाई की पूर्व संध्या पर आशिक ने प्रेमिका की सिर में गोलीमार की हत्या

- सगाई के दिन घर से 200 मीटर पर आशिक के भुसे के घर में मिला शव
- मां बेटी के हाथों में मेंहदी लगाने की कर थी इंतजार खुन से लथपथ मिला बेटी शव

केटी न्यूज/प्रतापगढ़

जिले में सगाई से पहले युवती की उसके आशिक ने सिर में गोली मार कर हत्या कर दी गई। पजिनों के अनुसार युवती मंगलवार शाम से ही लापता थी। जिसके बाद परिजनों से खोजबीन शुरू की तो युवती की लाश बुधवार को उसके आशिक के घर के भूंसे वाले घर में मिला। शव मिलने की सूचनसना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। आशंका जाहिर की जा रही है कि प्रेमी ने धोखे से बुलाकर युवती की हत्या की है। हत्या की घटना अंतू थाना क्षेत्र के छतरपुर के रघना गांव हुई। आरोपी के परिजनों को हिरासत में लेकर पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। युवती की पहचान रघना गांव के निवासी तुलसीराम की 21 वर्षीय बेटी शालू वर्मा के रूप में हुई। तुलसी ने बुधवार को उसकी सगाई की दिन तय की थी। जिसके लिए परिवार के लोग तैयारी कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार शाम से शालू घर से गायब हो गई। परिजन उसकी खोजबीन करते रहे, लेकिन उसका पता नहीं चला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस युवती व पड़ोसी सिरफिरे आशिक की तलाश करने लगी लेकिन, रात 11 बजे तक कामयाबी नहीं मिली। पुलिस आरोपी के परिजनों से पूछताछ के बाद वापस चली गई। बुधवार की सुबह आरोपी आशिक के घर के सामने स्थित भुसौली में युवती की रक्तरंजित लाश मिली।

परिवार के लोगों को मिला युवती का शव

ये मामला प्रतापगढ़ के अंतू थाना क्षेत्र के रघना गांव का है। युवती का नाम शालू वर्मा है। उसकी उम्र 21 साल थी। युवती गांव में ही रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसकी शादी प्रतापगढ़ में ही तय हुई थी। बुधवार शाम को उसकी सगाई होनी थी लेकिन अब घर में मातम छाया है। परिवार के लोगों को बुधवार सुबह युवती का शव मिला है। पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव के लोगों ने बहन को मार दिया- भाई

वहीं युवती के भाई संतोष कुमार वर्मा ने कहा कि हम लोग तो सगाई का सारा सामान लेने गए थे। शाम को घर आए तो मां ने घटना के बारे में बताया। गांव के कुछ लोगों ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। हम लोगों को नहीं पता उन लोगों ने ऐसा क्यों किया है। मां ने गांव के एक युवक को घर के पास देखा था। उसके बाद से मेरी बहन लापता हुई है। वो लोग जबरदस्ती मेरी बहन को ले गए और मार दिया।

बेटी को अपने हाथों से मेहंदी लगाने वाली थी- मां

मृत युवती की मां का कहना है, घर से ही हम लोग बेटी की सगाई का कार्यक्रम कर रहे थे। बेटी खुद अपने हाथ से पूरे घर की सफाई की थी। पूरे घर की गोबर से लिपाई की थी। वो कह रही थी, शाम को मेहंदी लगाने के बाद वो कोई काम नहीं कर पाएगी। इसलिए पहले ही सारे काम उसने निपटा दिए थे। हम लोग भी तैयारियों में जुटे हुए थे। शाम को बुलाने पर बेटी काफी देर तक नहीं आई तो मुझे लगा अपने कमरे में होगी। लेकिन वो अपने कमरे में भी नहीं थी। उसके बाद उसको गांव में उधर-इधर ढूंढा। वो कहीं नहीं थी। बेटे के घर आने के बाद उसको जानकारी दी। उसके बाद हम लोग पुलिस के पास गए। रात तक बेटी को ढूंढा पर उसका कुछ पता नहीं चल सका। अपनी सगाई को लेकर बेटी बहुत खुश थी। उसने कितनी तैयारी की थी। पसंद का लहंगा-चूड़ी सब लेकर आई थी वो। अब सब रखा रह गया है। घर में मेहमान भी आ गए हैं। लड़के वालों को हम लोगों ने फोन पर जानकारी दे दी है। उनके घर में भी घटना के बाद सब बहुत दुखी हैं।

गांव में पुलिस बल तैनात

अंतू थाना अध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधित कार्रवाई की जाएगी। अभी परिवार ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलते ही केस दर्ज किया जाएगा। गांव में तनाव देखते हुए पुलिस बल को तैनात किया गया है।

डीएम व एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने जिला कारागार गाजीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार में कारागार चिकित्सालय, महिला एवं पुरूष बैरक, रसोई घर का निरीक्षण किया तथा कारागार में लगाए गए सीसीटीवी की संचालन व्यवस्था की जॉच की। जिलाधिकारी ने कारागार चिकित्सालय में भर्ती कैदियों से बीमारियों के संबंध में पूछा तथा उनके खान-पान एवं साफ-सफाई की जानकारी ली। जिला कारागार के हवालात कार्यालय के स्टाक रजिस्टर की जांच की गई, इसके पश्चात बारी-बारी से सभी बैरकों का निरीक्षण किया गया। कारागार में रसोई घर के निरीक्षण में प्रत्येक दिन बनने वाले भोजन के मीनू की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि जेल के अंदर किसी भी दशा में प्रवेश निषेध समाग्री का प्रवेश न होने पाए। इसके लिए रोस्टर बनाकर चेंकिग अभियान चलाकर चेक किया जाए। इसके अतिरिक्त महिला बंदी गृह में दी जा रही सुविधाओं के बावत जानकारी ली।

खबरें फटाफट

आईटी की पार्किंग में लगी आग, कई बाइक जलीं

लखनऊ। अलीगंज के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटी) की पार्किंग में बुधवार दोपहर आग लग गई। पार्किंग एरिया में खड़ी कई बाइक जल गईं। बाइक में तेज धमाके भी हुए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची है। आग बुझाई जा रही है। फिलहाल आग कैसे लगी? यह अभी पता नहीं चल सका। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि तेज धूप की वजह से आग लगी होगी।

आंधी से वकीलों के सेड, नेम प्लेट उजड़े

सोनभद्र। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज स्थित जिला न्यायालय एवं तहसील परिसर में करीब एक दर्जन वकीलों के लगे टीन शेड मंगलवार की शाम अचानक आए आंधी पानी में उजड़ गए। जिससे वकीलों की काफी क्षति हुई है। वकीलों ने जिला प्रशासन से क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग उठाई है।
बता दें कि जनपद न्यायालय एवं तहसील परिसर में वकीलों के बैठने का समुचित प्रबंध नहीं है, जिसकी वजह से वकील टीन शेड लगाकर अपना चैंबर बनाकर उसी मैं बैठते हैं। मंगलवार की शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक तेज गरज, चमक के साथ आंधी पानी आया और करीब आधे घंटे में ही करीब एक दर्जन वकीलों के टीन शेड उजड़ गए।

रिटायर्ड इंजीनियर पिता को घर से निकाला, केस दर्ज

वाराणसी। बजरडीहा निवासी बीएलडब्ल्यू से रिटायर्ड इंजीनियर सुरेंद्र बहादुर सिंह ने भेलूपुर थाने में अपने बेटे अजय कुमार सिंह और बहू नीलिमा सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि सुरेंद्र बहादुर को उनका बेटा और बहू उनके घर में ही नहीं घुसने दे रहे हैं। बुजुर्ग सुरेंद्र बहादुर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके दो बेटों में छोटा अजय कुछ नहीं करता है। अजय की पत्नी नीलिमा आंगनवाड़ी में काम करती है। उनके द्वारा निर्मित मकान में बेटे- बहू ने कब्जा कर लिया है। दोनों ने उनका बिजली-पानी का कनेक्शन कटवा दिया। सुरेंद्र बहादुर ने अपने बेटे-बहू से अपनी जान को खतरा बताया है। कहा कि उनका बेटा दो बार जेल जा चुका है। बेटे-बहू को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए।

डोमिनोज रेस्टोरेंट में लगी आग

प्रयागराज। महाराणा प्रताप चौराहे पर स्थित डोमिनोज रेस्टोरेंट में आज बुधवार की दोपहर भीषण आग लग गई। उस समय लोग अंदर बैठकर नाश्ता आदि कर रहे थे। एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात बताई जा रही है। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। करीब 2 घंटे अथक प्रयास के बाद आग बुझाने में सफलता मिली। डोमिनोज के एक तरफ संस्कृति कोचिंग है तो दूसरी तरफ कैलाश अस्पताल। घटना के वक्त कोचिंग में स्टूडेंट्स पढ़ रहे थे। उन्हें आनन-फानन निकाला गया।

मां विंध्यवासिनी का धाम आदि काल से साधकों के लिए रहा है सिद्ध पीठ

हजारों भक्तों ने गंगाजल से किया जलाभिषेक

केटी न्यूज/मिजार्पुर

माता विंध्यवासिनी के धाम को वैशाख माह कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर गंगाजल से धुलाई किया गया। नवरात्र मेला के दौरान आने वाले लाखों भक्त के तंत्र मन्त्र साधना के बाद परम्परा के अनुसार विन्ध्याचल धाम का शुद्धिकरण गंगा जल से किया जाता हैं। मान्यता है कि गंगाजल से मंदिर का शुद्धिकरण करने से भूत, प्रेत व योगिनी व दुष्ट आत्माओं से मुक्ति मिलती है। इस दिन माँ की विशेष पूजा अर्चना की जाती हैं। हजारो की तादात में भक्त गंगा स्नान कर पवित्र जल को घड़े में भर कर मंदिर की धुलाई और के समस्त देवी देवताओं का जलाभिषेक किया। विन्ध्य पर्वत के मणिदीप पर विराजमान आदिशक्ति माता विंध्यवासिनी का धाम आदिकाल से साधको के लिए सिद्धपीठ रहा है। स्थानीय नागरिक और भक्तगण मिलकर मंदिर की गंगाजल से धुलाई करते है। ताकि दुष्ट आत्माओं से समाज को मुक्ति मिले द्य चहुंओर खुशहाली रहे। नवरात्र मेला खत्म होने के बाद विन्ध्याचल नगर वासी माता के धाम की गंगा जल से धुलाई करते हैं। अनादि काल से चली आ रही परम्परा के तहत भक्त घड़ा की पूजा करने के बाद गंगा स्नान करते हैं। इसके बाद घड़े को गंगा जल से भरकर माता के धाम की सफाई करते हैं। माता के धाम में आस्था से विभोर भक्तों का घड़ा के साथ तांता लग जाता है। विंध्य पंडा समाज के पूर्व अध्यक्ष राजन पाठक ने बताया कि वैशाख मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर होने वाले पूजा एवं धुलाई में विन्ध्याचल क्षेत्र के सभी समुदाय के लोग शामिल होते है। यह प्राचीन परम्परा है। जिसका पालन किया जाता है । इसके बाद रात्रि में नगाड़ा , शहनाई की धुन के साथ भक्त माता की आराधना कर कुशलता की कामना करते है । विन्ध्याचल में होने वाले गुप्त पूजन समस्त भक्तों के लिए परम कल्याणकारी है ।

तांत्रिकों का होता है जमावड़ा

विन्ध्य पर्वत के मणिदीप पर विराजमान आदि शक्ति माता विंध्यवासिनी का धाम आदि काल से साधकों

के लिए सिद्ध पीठ रहा है। माता के दरबार में तंत्र-मन्त्र के साधक आकर साधना में लीन होकर माता रानी की कृपा पाते हैं। नवरात्र में प्रतिदिन देश के कोने-कोने से भक्तों का तांता जगत जननी के दरबार में लगता है। साधना के दौरान साधक धाम में भूत-प्रेत, लंकिनी-डंकिनी व योगिनी का आह्वान करते हैं। नवरात्र में किये गये तंत्र मंत्र की क्रिया के बाद वैशाख माह कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को मंदिर से जीविकोपार्जन करने वाले पंडा समाज, नाई समाज, धईकार समाज के साथ स्थानीय नागरिक और भक्तगण मिल कर मंदिर की गंगाजल से धुलाई करते हैं। ताकि दुष्ट आत्माओं से समाज को मुक्ति मिले।

सुभाषितम्

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

अहंकारी बाबा रामदेव ने एक बार फिर बनाया मूर्ख?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बाबा रामदेव ने एक माफीनामा प्रकाशित करवाया है। रिट याचिका संख्या 645/2022 के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश दिया गया था, उसकी अवज्ञा करने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जो माफीनामा प्रकाशित कराया है, उसे देखने से प्रतीत होता है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी है। पतंजलि आयुर्वेद द्वारा जो विज्ञापन फर्जी दावे कर प्रकाशित कराए गए थे। तब उन विज्ञापनों में तरह-तरह की फर्जी दावे किए गए थे। मौजूदा माफीनामा वाले विज्ञापन में ना तो उनका उल्लेख किया गया है और ना ही पतंजलि आयुर्वेद द्वारा फर्जी दावे कर जिनको ठगा गया है, उनसे ही माफी मांगने का कोई उल्लेख किया गया है। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा वर्षों से प्रकाशित विज्ञापनों में जो झूठे दावे किए गए थे। उसके लिए अभी भी माफी नहीं मांगी गई है। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण ने जो माफीनामा प्रकाशित कराया है। उसमें केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने पर माफी मांगी गई है। दरअसल 22/11/2023 को संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जो चुनौती उन्होंने दी थी, उसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से क्षमा मांगी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी छोटा सा विज्ञापन, जिसमें किसी किस्म के तथ्यों का उल्लेख ही नहीं था। कुछ विज्ञापन के माध्यम से पहले सुप्रीम कोर्ट को धोखा देने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपनी नाराजगी जताई, उसके बाद जो थोड़ा बड़ा विज्ञापन जारी किया गया उसमें भी इस बात का उल्लेख नहीं है कि पतंजलि आयुर्वेद किस गलती के लिए किससे माफी मांग रही है। विज्ञापन में जो झूठे दावे किए थे। उसके बारे में कोई स्पष्टीकरण प्रकाशित नहीं किया गया है। ताकि उपभोक्ता और भक्त जिन्हें विभिन्न माध्यमों से ठगा गया वो जान सकें कि पतंजलि के विज्ञापन में झूठ परोसा गया था। उसके बारे में उपभोक्ता को जानकारी प्राप्त हो। बाबा रामदेव को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। बाबा रामदेव पतंजलि के उपभोक्ताओं और भक्तों को मूर्ख मानते हुए अभी भी धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी इस तरह से पालन कर रहे हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का क्रियान्वयन भी हो जाए और सही बात भी सामने नहीं आ पाए। पतंजलि द्वारा प्रकाशित दोनों विज्ञापन में उन्होंने उच्चतम न्यायालय की महिमा का सम्मान बनाए रखने का दावा किया है। पतंजलि आयुर्वेद ने उपभोक्ताओं के साथ जो छल किया है, उसके लिए उन्होंने अभी भी माफी नहीं मांगी है। सही मायने में विज्ञापनों में किए गए झूठे दावों के लिए उपभोक्ताओं से माफी मांगनी चाहिए थी। इसका स्पष्ट उल्लेख विज्ञापन में होना चाहिए था। बाबा के पास जो सामर्थ्य वर्तमान में है। उसको देखते हुए बाबा रामदेव से इससे ज्यादा की आशा उपभोक्ताओं को नहीं करनी चाहिए। ना ही सुप्रीम कोर्ट को बाबा रामदेव से करना चाहिए। बाबा ने सुप्रीम कोर्ट की महिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए अतुलनीय काम किया है। यही मानकर सबको चलना पड़ेगा। बाबा रामदेव शायद ऐसा ही सोचते हैं। यह विज्ञापन में साफ झलक रहा है। बहरहाल यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने दूसरा विज्ञापन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रकाशित करा दिया है। सुप्रीम कोर्ट विज्ञापन को किस रूप में लेगा, कहना मुश्किल है। उपभोक्ताओं के साथ पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव ने मॉडल बनाकर जो धोखाधड़ी और विश्वासघात किया है। पतंजलि के उत्पाद को लेकर जो फर्जी दावे किए हैं। उपभोक्ताओं और भक्तों को साधु के वेष में जिस तरह से लूटा है। उसके लिए अभी तक बाबा ने माफी नहीं मांगी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और अवमानना की कार्रवाई के बाद भी बाबा रामदेव का अहंकार जरा भी कम नहीं हुआ है। वह अपने अहंकार को बनाए रखने के लिए लगातार हर संभव धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

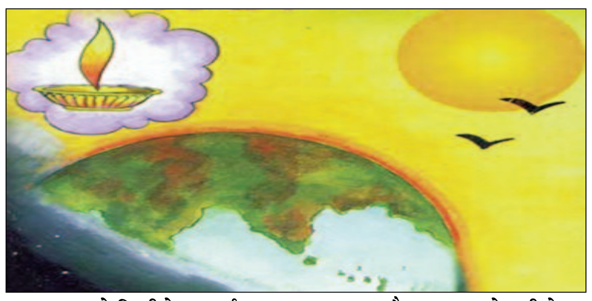

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है? महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो? वह बोला- नहीं जानता। तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

2024: कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमान

- मुस्ताअली बोहरा

जैसे कि उम्मीद थी तकरीबन वैसा ही हो रहा है। 2024 के आम चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की इलेक्शन कैंपनिंग कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमानों के ईर्द-गिर्द ही घूम रही है। चुनाव शुरू होने से पहले और अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जितनी भी सभाएं हुईं हैं या जितनी दफा भी उन्होंने भाषण दिए हैं उनका केन्द्र या तो पूर्ववर्ती कांग्रेसनीत सरकार की खामियां गिनाना रहा है या फिर पाकिस्तान की बात करना या प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों का जिक्र करना ही रहा है। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियों को शायद कम ही गिनाया है। इसके पीछे वजह जो भी हो लेकिन मोदी जैसी शख्सियत से ये उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि वो अपने कामों से वोट मांगें। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देते हुए मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें घुसपैठिए और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला कहा गया था। पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जिस 18 साल पुराने भाषण का जिक्र किया है, उसमें मनमोहन सिंह ने मुसलमानों को पहला हक देने की बात नहीं कही थी। तब मनमोहन सिंह ने 2006 में कहा था, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर ये सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों का और खासकर मुसलमानों का भी उत्थान हो सके, विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला दावा होना चाहिए। अब, इतने साल बाद मोदी ने मनमोहन सिंह की इस टिप्पणी को अपने भाषण में क्यों इस्तेमाल किया ये बताने की जरूरत नहीं है। जिनके ज्यादा बच्चे हैं.. ये बात वो मोदी कर रहे हैं जो खुद 6 भाई-बहन हैं जिनमें वे तीसरें नंबर के हैं, उनकी एक बहन भी है। ये सभी जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी का जन्म तत्कालीन बॉम्बे राज्य के महेसाना जिला स्थित वडनगर ग्राम में हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के एक मध्यम-वर्गीय परिवार में 17 सितम्बर 1950 को हुआ था। वह पैदा हुए छह बच्चों में तीसरे थे। हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के सबसे बड़े बेटे सोमभाई मोदी हैं। दूसरे नंबर पर अमृतभाई मोदी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी से छोटे उनके भाई प्रह्लाद मोदी, फिर इकलौती बहन वसंतीबेन और सबसे छोटे भाई पंकज मोदी हैं। मोदी का परिवार मोध-घांची-तेली समुदाय से था, जिसे भारत सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। पीएम मोदी के ज्यादा बच्चे और घुसपैठिये वाले बयान के बाद अब खुद मोदी और भाजपा नेता अपनी सरकार को मुसलमान हितैषी बताने की कोशिश कर रहे हैं। यहां ये बताना लाजमी होगा कि कुछ महीनों पहले ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी मुसलमानों को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की थी। भाजपा ने पिछले साल मुसलमानों को पार्टी से जोड़ने के लिए मोदी भाईजान अभियान शुरू किया था। इसके तहत मुस्लिम बहुल गांवों में कौमी चैपाल मुहिम चलाई थी। लेकिन, जल्द ही भाजपा का कथित मुस्लिम प्रेम ज्यादा दिन परवान नहीं चढ़ सका और राजस्थान में पीएम मोदी ने मुसलमानों को ज्यादा बच्चा पैदा करने वाला और घुसपैठिया तक कर दिया। इससे पहले भी असम में मुसलमानों की तुलना घुसपैठियों से करते हुए मोदी ने बांग्लादेशी प्रवासियों पर भी टिप्पणी की थी। पश्चिम बंगाल में भाषण के दौरान मोदी कह चुके हैं कि बांग्लादेश से केवल उन लोगों का स्वागत है जो दुर्गाष्टमी मनाते हैं। बवाल के बाद मोदी ने ये कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि उनके भाषण का गलत मतलब निकाला गया। पीएम मोदी कभी खुद को मुसलमानों का हितैषी बताते हैं तो कभी मुसलमानों को विपक्ष का वोट बैंक। यदि भाजपा में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की बात की जाए तो 24 के आम चुनाव में भाजपा ने महज एक मुसलमान अब्दुल सलाम को टिकट दी है। अब्दुल सलाम केरल के मलप्पुरम से प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने आधा दर्जन मुसलमानों को टिकट दी थी। ऐसा नहीं है कि मुसलमानों में राजनीतिक काबलियत नहीं है। पिछले चुनाव में 27 मुस्लिम सांसद निर्वाचित हुए थे। 1980 के आम चुनाव में तो 49 मुसलमान जीतकर संसद पहुंचे थे। जो भाजपा नेता ये सोचते हैं कि मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देते शायद वो ये भूल जाते हैं कि मुस्लिम बाहुल्य सीटों से आखिर भाजपा जीतती कैसे है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र सहित देश के अन्य राज्यों के मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों का रिकार्ड उठाकर देखा जाए तो साफ हो जाता है कि कई मुस्लिम सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतें हैं वो भी खासी बढ़त से। बावजूद इसके कभी मुगलों को लेकर तो कभी पहनावे को लेकर या फिर खान-पान को लेकर मुसलमान निशाने पर रहते हैं। भाजपा या अन्य किसी भी दल का नेता इस तरह से मजहबी तौर पर किसी को निशाना बनाए तो इसे अपरिपक्व माना जा सकता है लेकिन प्रधानमंत्री जैसे ओहदे पर बैठे और खासकर मोदी से मंझे हुए राजनेता से इस तरह की टिप्पणी की उम्मीद तो शायद ही किसी को हो। इस आम चुनाव से पहले तक तो प्रधानमंत्री मोदी हिंदू, हिंदुत्व, मुस्लिम जैसे शब्दों का इस्तेमाल कम ही करते थे, हालांकि वो इशारा जरूर कर देते थे कि किस के लिए क्या कहना चाह रहे हैं। बहरहाल, यदि मोदी कुछ कह रहे हैं तो इसके पीछे जरूर कोई गहरी बात होगी। शायद यही कि भाजपा को बहुसंख्यकों का वोट चाहिए। पार्टी के घोषणा पत्र में योजनाएं-नीतियां और विकास कार्यों का खाका तो है लेकिन हिन्दु-हिन्दुत्व की कसर भाषणों से पूरी की जा रही है। कुल मिलाकर, कांग्रेस, पाकिस्तान, हिन्दु-मुसलमान के बिना ये आम चुनाव भी नहीं होगा...।

मतदाता सूची में नाम न हो तब भी कर सकते है मतदान!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

देश मे पहले चरण का लोकसभा चुनाव मतदान 19 अप्रैल को हो रहा है।लोकसभा की 543 सीटों के लिए 97 करोड़ से अधिक मतदाता 10.50 लाख मतदान केंद्रों के माध्यम से विभिन्न चरणों मे मतदान कर सकेंगे।जिसके लिए चुनाव आयोग ने लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है।मतदान सहज रूप से मतदाताओं को आवश्यक सुविधाओं के साथ सम्पन्न कराया जा सके ,इसके लिए मतदान स्थल पर पेयजल सुविधा, शौचालय, व्हीलचेयर, रैंप, शेड, बिजली आपूर्ति, स्वयं सेवक प्रदत्त किये गए है। देश को मिली आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न चुनाव में विभिन्न तरीके अपनाये गए है। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना वोट डालने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना है। सन 1952 से लेकर साथ के दशक तक गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । हरिद्वार जिले के गांव खुब्बनपुर निवासी मास्टर सुमन्त सिंह आर्य ने अपनी सरकारी नोकरी के दौरान चार बार ऐसे चुनाव कराये जब वोट बैलट के बजाए हाथ उठाकर दिया गया था। ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी राजनीतिक रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी। लेकिन तब भी कभी बडे सदनो के लिए हाथ उठाकर वोट डालने की प्रक्रिया को नही अपनाया गया।अपने जीवनकाल में स्वाधीनता सेनानी सत्यवती सिन्हा ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया था कि पहले लोग वोट का मतलब तक नही समझते थे ।एक बार जब वे लोगो को एक पार्टी विशेष के पक्ष में वोट डालने के लिए कहने गई और उन्हे उस समय के चुनाव चिन्ह बैलो की जोडी के बारे में बताया तो गांव की महिलाओं ने वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पर जाने के बजाए खेतो में जाकर बैलो की जोडी के सामने पांच पांच पैसे चढा दिये और समझ लिया कि उन्होने मतदान कर दिया है। ग्राम प्रधान रह चुकी कमला बमोला का कहना है कि मतदान के लिए आज भी कई स्थानों पर लोगो को कई कई किमी तक पैदल जाना पडता है जो कि एक गलत व्यवस्था है। उन्होने माना कि चुनाव में काफी सुधार हुए है लेकिन अभी भी चुनाव धन बल की विकृति से मुक्त नही हो पाया है।गरीब व आम आदमी आज भी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता। ऐसे में कैसे माना जाए कि

लोग उस आम जनता में से चुन कर जा रहे है जिनकी संख्या कम से कम नब्ब फिसदी है।इसी कारण 90 प्रतिशत लोग आज भी चुनाव न लड पाने की हैसियत न होने के कारण चुनाव से दूर रह जाते है और जनप्रतिनिधी बनने से वंचित हो जाते है। इसी तरह अन्तर्राष्टीय खिलाड़ी डॉ आदेश कुमार शर्मा इस बात से दुखी है कि चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी आज भी वोटरो को प्रलोभित कर वोट पाना चाहते है और जब ऐसे लोग चुनाव जीत जाते है तो चुनाव बाद 5 साल तक फिर वे क्षेत्र में नजर नही आते ऐसे प्रत्याशियो को नकारने पर वे जोर देते है । उन्होने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव सुधार की दिशा में टी एन शेषन के समय की गई सख्ती का स्वागत किया था। उनकी सोच है कि चुनाव आयोग टीएन शेषन के समय से ही अच्छे रास्ते पर चलने लगा था परन्तु अब फिर उसकी विश्वनीयता ईवीएम पर सवाल उठने के कारण घटने लगी है ।एक बार विधायक या सांसद बनने पर उनकी आय मे कई सौ गुना वृद्धि कैसे हो जाती है इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है ।चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली में पिछले चुनाव में मतदान के दिन कोई भी प्रत्याशी मतदान स्थल से 100 मीटर दूरी तक मतदाताओं को हाथ जोडकर नमस्ते तक नही कर पाया था,यह प्रावधान लोगो को बहुत पसंद आया है ।जब आप वोट डालने मतदान केंद्र पर जाए और आपको पता चले कि आपका वोट किसी ने पहले ही डाल दिया है,ऐसी हालत में आप पीठासीन अधिकारी से टेंडर वोट डालने की सुविधा प्राप्त कर सकते है ।यदि किसी मतदान केंद्र पर टेंडर वोट कुल मतदान का 40 प्रतिशत से अधिक हो जाए तो वहां पुनः मतदान कराया जाएगा ।वही यदि आपका नाम मतदाता सूची में ही न हो तब आप धारा 49 ए के तहत पीठासीन अधिकारी से चुनौती वोट डलवाने का निवेदन कर सकते है ।लेकिन यदि आपका नाम मतदाता सूची में न हो और आपके पास मतदाता पहचान पत्र भी न हो,तब भी धारा 8 के अंतर्गत कोई भी पहचान पत्र जिनमे पैन कार्ड,ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड आदि दिखाकर मतदान कर सकते है ।यानि मतदान करना प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार है,इसलिए मतदान अवश्य करे।

केरल पर भी सियासी जहर का असर...

-राकेश अचल

` सर्वाधिक शिक्षित केरल पर भी नागपुरिया सियासत का जहर असर दिखाने लगा है। यहां के एक निर्दलीय वामपंथी समर्थक विधायक ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को लेकर एक अत्यंत अमर्यादित टिप्पणी की है ।इस टिप्पणी से राहुल गांधी पर तो कोई असर नहीं होगा लेकिन केरल की प्रतिष्ठा को धक्का अवश्य लग रहा है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हिंदू - मुसलमान वाले बयानों पर केंद्रीय चुनाव आयोग की चुप्पी की वजह से राजस्थान से जो जहर फैलना शुरू हुआ वो अब केरल तक जा पहुंचा है। केरल के वामपंथी समर्थक नेता ने राहुल गांधी के डीएनए को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की है। उन्हें राहुल के गांधी होने पर शक है। अनवर ने कहा कि वे बहुत नीचे गिर गए हैं। मुझे शक है कि राहुल गांधी का जन्म नेहरू परिवार में हुआ था। मेरे ख्याल से उन्हें अपने सरनेम में गांधी का भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अनवर ने यह बात राहुल गांधी के उस बयान के खिलाफ कही, जिसमें उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा था कि दो मुख्यमंत्री जेल में हैं। केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा कैसे नहीं हो रहा? यह थोड़ा हैरान करने वाला है। राहुल के इस बयान से आईएनडीआईए ब्लॉक गठबंधन नेताओं, कांग्रेस और माकपा के बीच चल रहा मतभेद और बढ़ गया है। दुख की बात ये है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अनवर को डांटने के बजाय उनका क बचाव करते हुए कहा- राहुल को बोलते हुए सावधान रहना चाहिए। राहुल ने विजयन के खिलाफ कोई अभद्र टिप्पणी नहीं की थी ।एक सामान्य बात कही थी ।विजयन चूंकि वामपंथी हैं इसलिए उन्हें दूध का धुला होने का तमगा नहीं दिया जा सकता। बहरहाल इस समय देश की फिजा में चौतरफा जहर ही जहर है। अकेले भाजपा इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं ।सभी राजनीतिक दलों में लगता है कि जहर फैलाने की होड़ लगी है। मौजूदा हालात में केंद्रीय चुनाव आयोग का निकम्मापन खुलकर सामने आ गया है। केंचुए के पास इतनी ताकत नहीं है कि वह बदजुबानी के लिए किसी को भी आंखें दिखा सके। उसके लिए अनवर हों या परम स्वतंत्र आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सब बराबर हैं। केंचुआ केवल कांग्रेसियों को ही एडवाइजरी जारी कर सकता है, उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोक सकता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई शिकायत पर संज्ञान लेने की हिम्मत केंचुए में है ही नहीं। अठारहवीं लोकसभा के लिए चुनाव जिस माहौल में हो रहे हैं उसे देखकर लगता है कि नयी लोकसभा भी जहरीली सियासत की तरह जहर बुझी ही होगी ।जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुसंख्यक समाज में मुसलमानों को लेकर जो भ्रम फैला रहे हैं,उसकी भनक सत्रहवीं लोकसभा में भाजपा सांसद बिधूड़ी के एक मुस्लिम सांसद पर दिए गए भाषण में बहुत पहले मिल चुकी है। मुस्लिम सांसद भले ही बसपा के थे, लेकिन थे तो हिंदुस्तान के। मतदाताओं को समझना होगा कि यदि वे मुसलमानों को लेकर घृणा फैलाने वालों के फेर में आ गए तो वे भी उस जघन्य पाप के भागीदार बन जाएंगे जो पाप भाजपा और मोदी जी खुल्लम खुल्ला कर रहे हैं। केंचुआ उनका सहायक है। अदालतें स्वयं संज्ञान ले नहीं सकतीं। यानि नेताओं को जहर घोलने की पूरी आजादी है। देश में कोई भी सरकार रही हो उसने कभी किसी से छीनकर किसी दूसरे को नहीं दिया ।दे भी नहीं सकती। भाजपा में भी इतना दम नहीं है कि वो मुसलमान से छीनकर हिंदू को दे दें । भाजपा तीसरी क्या दस बार भी सत्ता में आ जाए देश के 20 करोड़ मुसलमानों को न देश निकाला दे सकती है और न उन्हें बुलडोजर से रोंद सकती है। सियासी बुलडोग भी मुसलमान को नुक्सान नहीं पहुंचा सकते।

आज का राशिफल

मेष आज आपको किसी मामले में जबर्दस्त लाभ होगा। शाम तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी।

तुला आज का दिन मिलाजुला रहेगा। काम धंधे के मामले में कोई भी काम बिना सोचे न करें।

वृषभ मन किसी नए काम में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने से आपको लाभ होगा और सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आज का दिन आर्थिक मामलों में काफी मजबूत होगा। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन आज का दिन काफी क्रिएटिव है और आपकी धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी।

धनु बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो आपको बड़ा लाभ होगा।

कर्क आज का दिन बहुत क्रिएटिव होगा और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

मकर आज का दिन बहुत सामान्य है और आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

सिंह धर्म आध्यात्म के मामले में पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना अच्छा होगा।

कुंभ दिन आर्थिक मामलों में सफलता से भरा होगा। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

कन्या सावधानी की जरूरत है। आज किसी से बात करने में विवाद से बचें तो आपके लिए अच्छा होगा।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने के मामले में आपको लाभ होगा।

विशेष

एक बार फिर धार्मिक ध्रुवीकरण

लोकसभा का चुनाव दूसरे चरण मे प्रवेश कर रहा है। इसके साथ ही एक बार फिर धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर हिंदू और मुसलमान की लड़ाई चुनाव प्रचार में शुरू हो गई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहीं पर भी मुसलमानो का कोई उल्लेख नहीं है। लेकिन जिस तरह से भाजपा ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को आधार बनाकर,जाति जनगणना को मुसलमानो से जोड़कर, धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने का जो प्रयास किया है। उसका लोकसभा के चुनाव प्रचार में भारी असर पड़ता हुआ दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के स्टार प्रचारक कांग्रेस के घोषणा पत्र को आधार बनाकर मुसलमानों से जोड़ रहे हैं।

राम को नहीं मानते, हनुमान को क्या मानेंगे

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने नरसिंहपुर की एक सभा में कहा कांग्रेस के लोग जब भगवान राम को नहीं मानते हैं। तो बजरंगबली को क्या मानेंगे। हनुमान जयंती के अवसर पर एक बार फिर उन्होंने हिंदुओं की आस्था को बजरंगबली से जोड़ते हुए कांग्रेसियों पर तीखा हमला किया। उनके इस बयान का मतदाताओं में कितना असर होगा। यह तो भविष्य ही बताएगा। महंगाई, बेरोजगारी,अन्य आर्थिक समस्याएं, भ्रष्टाचार इस चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1707: ब्रिटिश फौजों को अलमांजा 'स्पेन' में हार का सामना करना पड़ा. 1871: इतावली आविष्कारक जी.माकोर्नी का जन्म हुआ था. 1887: पेरिस, फ्रांस में ऑपेरा में आग लगने से 200 लोगों की मृत्यु. 1905: ट्रांसवाल में नया संविधान लागू हुआ. 1954: सनफ्रांसिस्को में 45 देशों की बैठक में राष्ट्रसंघ के गठन के बारे में विचार-विमर्श किया गया. 1957: जार्डन में शाह हुसैन मार्शल ला लागू किया. 1971: सोवियत अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने के बाद अंतरिक्ष यान सुरक्षित लौटा. 1982: दिल्ली से दूरदर्शन पर रंगीन प्रसारण शुरू हुआ. 1987: श्रीलंका सरकार ने तमिल विद्रोहियों के खिलाफ दो तरफा जबाबी कारवाई की. 1988: अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सीमा चौकी से अपने सैनिक हटाने की पेशकश की.

दैनिक पंचांग

25 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.40 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	08.38 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.51 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.07 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.19 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	17.30 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.45 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.01 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.06 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.52 बजे से
1.30 से 3.00		मीन	03.25 बजे से
बजे तक		मेष	04.56 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 116 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 06.46 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 02.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 04.53 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** कौलव 06.46 बजे तदनन्तर तैतिल 19.20 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 13° 17' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871960 **जूलियन दिन** 2460425.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 15 **विशेष** आसों दोज।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गाजियाबाद सीट पर तीन चुनावों से भाजपा का कब्जा

इस बार रोचक मुकाबला

गाजियाबाद लोकसभा सीट का इतिहास 14 नवंबर 1976 यानी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जन्मतिथि पर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा मेरठ से अलग करके गाजियाबाद जिला बनाया गया। 1957 से 2004 तक यह क्षेत्र हापुड़ लोकसभा के नाम से जाना जाता था। हापुड़ लोकसभा ने 1957 में कृष्णचंद शर्मा (कांग्रेस), 1962 में कमला चौधरी (कांग्रेस), 1967 में प्रकाशवीर शास्त्री (निर्दलीय), 1971 में बी.पी. मौर्य (कांग्रेस), 1977 में कुंवर महमूद अली (भारतीय लोकदल), 1980 में अनवर अहमद (जनता पार्टी-सेक्युलर), 1984 में के.एन. सिंह (कांग्रेस), 1989 में के.सी. त्यागी (जनता दल), 1991, 1996, 1998 व 1999 में डॉ. रमेश चंद तोमर (भाजपा) तथा 2004 में सुरेंद्र प्रकाश गोयल (कांग्रेस) को सांसद बनाया।

लोकतंत्र के महापर्व 2024 की शुरुआत हो चुकी है। इसके पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को संपन्न हुआ। जिसमें देश की 102 लोकसभा सीटों पर 1625 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम मशीन में बंद हो गई। इस महापर्व का दूसरा पड़ाव 26 अप्रैल को है। जिसमें 13 राज्यों (केंद्र शासित प्रदेश सहित) की 89 सीटों पर मतदान होगा। जिसमें उत्तर प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों (अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ व मथुरा) पर भी मतदान होगा। इनमें दिल्ली एनसीआर की गाजियाबाद लोकसभा सीट के राजनीतिक इतिहास के बारे में विस्तार से जानते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां गाजियाबाद लोकसभा सीट गाजियाबाद लोकसभा सीट का उदय वर्ष 2008 में हुआ। इससे पहले यह क्षेत्र हापुड़ लोकसभा के अंतर्गत आता था। इस लोकसभा में 5 विधानसभाएं (लोनी, मुरादनगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद व धौलाना) आती हैं। इसे गेटवे ऑफ यूपी (उत्तर प्रदेश) भी कहा जाता है। इस नई लोकसभा सीट पर पिछले तीन चुनावों से भाजपा का कब्जा है। इस सीट पर लगभग 29 लाख मतदाता हैं, जिसमें से करीब 16 लाख पुरुष व करीब 13 लाख महिला मतदाता हैं।

गाजियाबाद लोकसभा सीट का इतिहास 14 नवंबर 1976 यानी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जन्मतिथि पर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा मेरठ से अलग करके गाजियाबाद जिला बनाया गया। 1957 से 2004 तक यह क्षेत्र हापुड़ लोकसभा के नाम से जाना जाता था। हापुड़ लोकसभा ने 1957 में कृष्णचंद शर्मा (कांग्रेस), 1962 में कमला चौधरी (कांग्रेस), 1967 में प्रकाशवीर शास्त्री (निर्दलीय), 1971 में बी.पी. मौर्य (कांग्रेस), 1977 में कुंवर महमूद अली (भारतीय लोकदल), 1980 में अनवर अहमद (जनता

पार्टी-सेक्युलर), 1984 में के.एन. सिंह (कांग्रेस), 1989 में के.सी. त्यागी (जनता दल), 1991, 1996, 1998 व 1999 में डॉ. रमेश चंद तोमर (भाजपा) तथा 2004 में सुरेंद्र प्रकाश गोयल (कांग्रेस) को सांसद बनाया। वर्ष 2009 में परिसीमन के उपरांत इस हापुड़ लोकसभा को खत्म कर दिया गया तथा इसका कुछ क्षेत्र मेरठ लोकसभा में और बचे भाग के साथ लोनी विधानसभा क्षेत्र को मिलाकर गाजियाबाद लोकसभा सीट का गठन किया गया। 2009~ राजनाथ सिंह ने दर्ज की जीत 16 अप्रैल 2009 को नई लोकसभा सीट पर पहला आम चुनाव हुआ। जिसमें लगभग 8.3 लाख (45.3 प्रतिशत) मतदाताओं ने भाग लिया तथा 16 उम्मीदवार इसमें अपनी किस्मत आजमाने मैदान में उतरे। जिसमें करीब 3.59 लाख (43.3 फीसदी) वोट प्राप्त कर भाजपा उम्मीदवार राजनाथ सिंह विजयी हुए। दूसरा स्थान कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन्द्र प्रकाश गोयल (32.4 फीसदी) ने प्राप्त किया तथा तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी पंडित अमरपाल शर्मा (21.7 फीसदी) रहे। बाकी सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 2014~ भाजपा को छोड़ सभी की जमानत जब्त 2014 में इस लोकसभा सीट पर मतदाताओं की संख्या बढ़कर करीब 23.57 लाख हो गई, जिसमें से लगभग 13.42 लाख मतदाताओं ने इस आम चुनाव में मतदान किया। वहीं विभिन्न पार्टियों के व निर्दलीय 15 उम्मीदवार इस चुनावी दंगल के मैदान में उतरे। 'अबकी बार मोदी सरकार' के उद्घोष के साथ चुनावी मैदान में उतरी भाजपा के लिए यह लोकसभा चुनाव खास रहा, क्योंकि इस लोकसभा सीट पर भाजपा को छोड़कर सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। भाजपा प्रत्याशी जनरल विजय कुमार सिंह (वी.के. सिंह) ने करीब 7.58 लाख (56.5 फीसदी) वोट प्राप्त करने के साथ-साथ कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर (अभिनेता) को 5.67 लाख वोटों से हराकर इतिहास रचा। राज बब्बर को 1.91 लाख (14.2 फीसदी), बसपा प्रत्याशी मुकुल को 12.9 फीसदी, सपा प्रत्याशी सुधान कुमार को 8 फीसदी व आम आदमी उम्मीदवार शाजिया इल्मी मलिक को मात्र 6.6 फीसदी वोट प्राप्त हुए।

2019- जनरल वी.के. सिंह ने फिर किया अपने प्रतिद्वंद्वी को चित इस आम चुनाव में 2004 के आम चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुना, करीब 15.24 लाख (59.5 फीसदी), मतदाताओं ने अपने अपने मत का प्रयोग किया। वहीं 12 उम्मीदवार इस लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरे। जिसमें भाजपा प्रत्याशी जनरल वी.के. सिंह लगभग 9.44 लाख (62 फीसदी) वोट प्राप्त कर विजयी हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी प्रत्याशी सुरेश बंसल को 5.01 वोटों से परास्त कर दिया। सपा प्रत्याशी को 4.43 लाख (29.1 फीसदी) वोट प्राप्त हुए। बाकी सभी 10 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। यहां तक कि कांग्रेस प्रत्याशी डोली शर्मा को मात्र 7.3 फीसदी वोट मिले।

2024- क्या है समीकरण 'अबकी बार 400 पार' नारे के साथ उतरी भाजपा के लिए यह लोकसभा सीट चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि इस बार भाजपा ने जनरल वी.के. सिंह के स्थान पर अतुल गर्ग को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं इंडी एलाईंस (गठबंधन) में यह सीट कांग्रेस को मिली है, जिसने डॉली शर्मा को टिकट दिया है। इसके अलावा बसपा ने नंद किशोर पुंडीर पर दांव खेला है। गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में राजपूत, ब्राह्मण व मुसलमान मतदाता अधिक हैं। अभी तक यहां से राजपूत उम्मीदवार ही जीतता आया है। अबकी बार भाजपा ने वैश्य समुदाय के अतुल गर्ग पर दांव लगाया है। अगर जातीय समीकरण देखें तो इस सीट पर सबसे ज्यादा करीब 5.5 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। इसके अलावा लगभग 4.7 लाख राजपूत तथा लगभग 4.5 लाख ब्राह्मण मतदाता हैं। वहीं लगभग 4.5 लाख अनुसूचित जाति के मतदाता भी इस सीट पर हैं। इसके अलावा लगभग 2.5 लाख बनिया, 1.25 लाख जाट, एक लाख पंजाबी, 75 हजार त्यागी, 70 हजार गुर्जर तथा करीब 5 लाख दूसरे अन्य समुदाय के मतदाता हैं। अगर गाजियाबाद लोकसभा सीट के तहत आने वाली विधानसभा सीटों की बात करें तो 2022 के विधानसभा चुनाव में सभी पांचों सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। लोनी विधानसभा से नंद किशोर गुर्जर, मुरादनगर से अजीत पाल त्यागी, साहिबाबाद से सुनील कुमार शर्मा, गाजियाबाद से अतुल गर्ग तथा धौलाना विधानसभा से धर्मेंद्र सिंह तोमर को जीत मिली है। अब देखना यह है कि क्या भाजपा का उम्मीदवार बदलने का निर्णय कारगर सिद्ध होता है और वह अपने अजेय रथ को जारी रख पाती है? या फिर भाजपा के इस अभेद किले में कोई सेंध लगती है?

कांग्रेस का किला, पप्पू यादव का गढ़

पूर्णिया सीट का सियासी इतिहास

(राजकुमार पाल)

दरअसल इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट राजद को मिली लेकिन कांग्रेस के टिकट पर पप्पू यादव यहां से चुनाव लड़ना चाहते थे। चुनाव में टिकट न मिलने के कारण निर्दलीय चुनाव में उतरे पप्पू यादव कई बार मंच पर ही रोते दिखाई दिए। पूर्णिया से नामांकन दाखिल करने के बाद एक जनसभा में पप्पू यादव बेहद भावुक हो गए थे और तब उन्होंने कहा था कि लालू परिवार को उनसे क्या दुश्मनी है? बता दें कि पूर्णिया में दूसरे चरण में 26 अप्रैल, 2024 को वोट डाले जाएंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सियासी सरगर्मियां तेज हैं। इस बीच बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट की चर्चाएं पूरे देश में हो रही है। क्योंकि, पूर्व सांसद पप्पू यादव उर्फ राजेश रंजन ने यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ने की ताल ठोक दी है। दरअसल इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट राजद को मिली लेकिन कांग्रेस के टिकट पर पप्पू यादव यहां से चुनाव लड़ना चाहते थे। चुनाव में टिकट न मिलने के कारण निर्दलीय चुनाव में उतरे पप्पू यादव कई बार मंच पर ही रोते दिखाई दिए। पूर्णिया से नामांकन दाखिल करने के बाद एक जनसभा में पप्पू यादव बेहद भावुक हो गए थे और तब उन्होंने कहा था कि लालू परिवार को उनसे क्या दुश्मनी है? बता दें कि पूर्णिया में दूसरे चरण में 26 अप्रैल, 2024 को वोट डाले जाएंगे। हालांकि, पूर्णिया का लोकसभा चुनाव इस बार त्रिकोणीय होने वाला है। पूर्णिया सीट से एनडीए ने वर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा (जदयू) को फिर से मैदान में उतारा है। राजद ने महिला उम्मीदवार बीमा भारती पर दांव खेला है। जबकि पप्पू यादव ने यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इनके अलावा अरुण दास (बसपा), किशोर कुमार यादव (फॉरवर्ड ब्लॉक), नौमान आलम और सत्येंद्र यादव जैसे नेता भी निर्दलीय मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

पूर्णिया शहर की कहानी

पूर्णिया सौरा नदी के पूर्वी किनारे पर बसा एक शहर है। पूर्णिया लोकसभा संसदीय क्षेत्र के दायरे में 6 विधानसभा सीटें आती हैं। जिनमें कस्बा, बनमखनी, रुपौली, धमदाहा, पूर्णिया और कोरहा विधानसभा सीटें शामिल हैं। साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में इन 6 विधानसभा सीटों में से 3 सीटें बीजेपी, 1-1 सीटें जेडीयू, राजद और कांग्रेस के खाते में गई थीं। वैसे इतिहास में पूर्णिया लोकसभा सीट से देश के कई बड़े नेता चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से स्वतंत्रता सेनानी फणी गोपाल सेन गुप्ता, स्वतंत्रता सेनानी और संविधान सभा के सदस्य मोहम्मद ताहिर, बाहुबली नेता पप्पू यादव और सीमांचल के कद्दावर नेता मो. तस्लीमुद्दीन लोकसभा चुनाव लड़े और जीते हैं।

पूर्णिया लोकसभा का सियासी इतिहास

पूर्णिया लोकसभा सीट के चुनावी इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो साफ होता कि यहां के वोटर समय समय पर अपना प्रतिनिधि बदलते रहे हैं। देश की आजादी के बाद अब तक 17 बार यहां लोकसभा चुनाव हो चुके हैं जिसमें 7 बार कांग्रेस, 3 बार बीजेपी, 2 बार जद(यू), 2 बार निर्दलीय नेता (पप्पू यादव) व 1-1 बार जनता पार्टी, जनता दल, समाजवादी पार्टी ने यहां जीत दर्ज की है। जबकि एक बार का चुनाव (1991) यहां पर आयोग द्वारा रद्द कर दिया गया था। वैसे साल 1951-52 में हुए पहले लोकसभा चुनाव के दौरान इस क्षेत्र का नाम पूर्णिया सेंट्रल हुआ करता था। तब यहां से कांग्रेस के टिकट पर स्वतंत्रता सेनानी फणी गोपाल सेन गुप्ता चुनाव जीते। उन्होंने तब अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दुर्गा प्रसाद को 53,359 वोटों से शिकस्त दी थी। 1952 के बाद 1957, 1962 और 1967 तक लगातार चार बार फणी गोपाल सेन गुप्ता यहां के सांसद चुने गए थे। हालांकि, 1971 के चुनाव में कांग्रेस ने फणी सेन गुप्ता का टिकट काट कर मोहम्मद ताहिर को मैदान में उतारा था।

पहली बार गैर-कांग्रेसी नेता बना सांसद

आपातकाल के बाद हुए 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ देश समेत पूर्णिया में भी बहुत रोष था। तब जनता पार्टी ने यहां से लखन पाल कपूर को मैदान में उतारा था। लखन लाल कपूर ने तब कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं माधुरी सिंह को 92,037 वोटों से मात देकर चुनाव जीता था। हालांकि, 1980 में माहौल बदला और कांग्रेस के टिकट पर फिर से माधुरी सिंह मैदान में थी। इस बार माधुरी सिंह ने 61,956 वोटों से जीत दर्ज की। इसी तरह 1984 के लोकसभा चुनाव में भी माधुरी सिंह ने कांग्रेस के टिकट पर जीत का सिलसिला जारी रखा।

इसके बाद 1989 लोकसभा चुनाव में माधुरी सिंह को हार का सामना करना पड़ा। सिर्फ हार ही नहीं बल्कि 1,14,231 वोटों के साथ वह चौथे स्थान पर रहीं। इस चुनाव में जनता दल के टिकट पर मैदान में उतरे मो. तस्लीमुद्दीन सीपीएम उम्मीदवार अजीत सरकार को 54,557 वोटों से हराकर संसद पहुंचे। बताते चलें कि माधुरी सिंह इस लोकसभा सीट से सांसद बनने वाली पहली और आखिरी महिला थीं। उनके बाद अभी तक कोई महिला इस सीट पर जीत नहीं दर्ज कर पायीं हैं।

ऐसे हुई पूर्णिया सीट पर पप्पू यादव की एंट्री

1991 में हुआ 10वां लोकसभा चुनाव पूर्णिया के इतिहास में हमेशा एक काले धब्बे के रूप में याद किया जाता है। क्योंकि, इस चुनाव के बाद तकरीबन चार सालों तक पूर्णिया को कोई सांसद नहीं मिला था। दरअसल चुनाव के दौरान ही कई दलों ने आयोग से शिकायत की कि मतदान के दौरान पूरे क्षेत्र में धांधली और हिंसा की घटनाएं हुई हैं। इसके बाद तत्कालीन चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने चुनाव परिणाम के नतीजे पर रोक लगा दी और चुनाव रद्द कर दिया। इसके बाद मामला कोर्ट तक पहुंचा। बताते चलें कि पप्पू यादव इस चुनाव में निर्दलीय उतरे थे। कोर्ट ने इस मामले पर 4 साल बाद यानी 1995 में फिर से पुनर्मतदान का आदेश दिया। तब मार्च, 1995 में निर्दलीय उम्मीदवार रहे पप्पू यादव पहली बार यहां से सांसद चुने गए।

इस पुनर्मतदान के दो साल बाद ही 1996 में 11वीं लोकसभा का चुनाव हुआ। तब पप्पू यादव को इस क्षेत्र के लोग एक बाहुबली सांसद कहा करते थे। पप्पू यादव ने भी इस चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया था और वे इस बार पूर्णिया से सपा के टिकट पर चुनाव में उतरे थे। पप्पू यादव उस चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता को 3,16,155 वोटों के अंतर से हराकर दूसरी बार सांसद बने थे। इस जीत ने तो पूरे देश में पप्पू यादव को एक बड़े नेता के तौर पर पहचान दिलाई थी।

पहली बार पूर्णिया सीट पर हुई बीजेपी की एंट्री

1998 लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्णिया का मूड बदला और दो बार के सांसद रहे पप्पू यादव को यहां से हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में पहली बार किसी बीजेपी उम्मीदवार की यहां से जीत हुई। बीजेपी उम्मीदवार जय कृष्ण मंडल सपा उम्मीदवार पप्पू यादव को 35,817 वोटों के अंतर से हराकर सांसद बनें। इसके एक साल बाद ही 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में पूर्णिया का माहौल बदल गया। इस चुनाव में पप्पू यादव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरे। वहीं बीजेपी ने फिर से पिछली बार के सांसद जय कृष्ण मंडल को उतारा। इस बार पप्पू यादव ने जय कृष्ण मंडल को 2,52,566 वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया और तीसरी बार यहां से सांसद बनें। हालांकि, 2004 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने फिर दमखम दिखाया और जीत दर्ज की। इस चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवार उदय सिंह लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर उतरे पप्पू यादव को 12,883 वोटों से हराने में कामयाब रहे थे। इसके बाद 2009 लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी उम्मीदवार उदय सिंह ने जीत का सिलसिला जारी रखा। तब उदय सिंह निर्दलीय उम्मीदवार शांति प्रिया (पप्पू यादव की मां) को 1,86,185 वोटों के अंतर से हराकर दूसरी बार सांसद बने थे।

2014 से पूर्णिया सीट पर जदयू का कब्जा

2014 लोकसभा चुनाव के बाद से इस सीट पर जदयू नेता संतोष कुशवाहा चुनाव जीतते आए हैं। साल 2014 में जदयू ने सतोष कुशवाहा को उतारा, जबकि बीजेपी ने यहां से उदय सिंह को मैदान में उतारा था। इस चुनाव में संतोष कुशवाहा को 4,18,826 वोट मिले थे, जबकि बीजेपी उम्मीदवार उदय सिंह को 3,2,157 वोट मिले थे। इस तरह संतोष कुशवाहा यहां से पहली बार सांसद चुने गए।

जबकि 2019 लोकसभा चुनाव में इस सीट से जदयू ने दोबारा संतोष कुशवाह को मैदान में उतारा। वहीं दूसरी तरफ उदय सिंह इस बार कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे। इस चुनाव में कुशवाहा को 6,32,924 वोट मिले थे। जबकि उदय सिंह को 3,69,463 वोट ही मिले थे। इस तरह कुशवाहा ने उदय सिंह को 2,63,461 वोटों के अंतर से हराकर दोबारा पूर्णिया सीट पर जीत दर्ज की।

पूर्णिया सीट का जातीय समीकरण

पूर्णिया में जातीय समीकरण को देखें तो यहां के 60 फीसदी मतदाता हिन्दू, जबकि 40त्न मतदाता मुस्लिम हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां कुल वोटरों की संख्या 13 लाख के करीब है। जिनमें से 7 लाख पुरुष और 6 लाख के करीब महिला मतदाता हैं। इन मतदाताओं में पांच लाख एससी-एसटी और ओबीसी हैं। इसके अलावा डेढ़ लाख यादव वोट, सवा लाख ब्राह्मण वोट, सवा लाख के करीब राजपूत मतदाता है। वहीं एक लाख से थोड़ा ज्यादा दूसरी जातियों के मतदाता हैं। इसके अलावा 7 लाख के करीब मुस्लिम वोटर हैं।

न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। ऐसे में आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर चमका सकते हैं।

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या हैं फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट भी डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में BSc और MSc कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

कितनी मिलेगी सैलरी

इस फील्ड में सैलरी अनुभव और पद के अनुसार मिलती है। ऐसे बताया जाए तो गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन में आपको 2.50 से 3.50 लाख रुपये तक आप कमा सकते हैं। वहीं प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में साल के 3 से 5 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ ही आपकी सैलरी 8 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है पत्रकारिता

अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

पत्रकारिता छात्रों के बीच एक लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है। छात्र खबरों की दुनिया से खुद को जोड़े रखना चाहते हैं और पत्रकारिता में अपना करियर बनाना चाहते हैं। लेकिन पढ़ाई कहां से करनी है और किन गुणों का होना जरूरी है इस बात से छात्र अक्सर अपरिचित ही रह जाते हैं। अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

पत्रकारिता में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री होना आवश्यक है। देश भर में कई ऐसे प्राइवेट और सरकारी संस्थान हैं जो पत्रकारिता में ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं। 12वीं पास करने के बाद छात्र ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या वे चाहें तो पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रकारिता में करियर के लिए इन गुणों का होना बेहद जरूरी है

मजबूत भाषा

पत्रकार बनने का सबसे प्राथमिक गुण है भाषा पर पकड़ होना यानी भाषा का मजबूत होना। अगर पत्रकार बनना चाहते हैं तो अभी से अपनी भाषा पर काम करना शुरू कर दें। हिंदी और अंग्रेजी भाषा में मजबूती के साथ-साथ एक क्षेत्रीय भाषा भी सीखने का प्रयास करें।

खोजी दिमाग रखें

पत्रकार का दिमाग हर समय हर जगह खबर ढूंढता रहता है ऐसे में छात्रों को चाहिए कि स्कूली दिनों से ही अपने दिमाग को इस तरह से ट्रेन करिए कि आप हर जगह पर खबर ढूंढ पाएं। खबर ढूंढ़ना एक पत्रकार की निशानी है।

कॉन्फिडेंस और धैर्य दोनों हो

एक पत्रकार को कॉन्फिडेंट और धैर्यवान दोनों होना चाहिए। आपकी खबर में इतनी ताकत हो कि सच कहने से ना घबराए और इतना धैर्य हो कि सच्ची खबर के लिए आप घंटो इंतजार कर पाएं।

अलर्ट रहें

एक पत्रकार अपने आंख और कान बाकी लोगों के मुकाबले हमेशा खुला रखता है। कब कौन सी बड़ी खबर आपके सामने आ जाए ये किसी को नहीं पता। इसी कारण पत्रकार में यह गुण होना चाहिए कि वह हमेशा अलर्ट रहे।

कम्युनिकेशन स्किल्स

कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतर होना एक पत्रकार के लिए बेहद जरूरी है। आपको लोगों से बात करना आना चाहिए और लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का भी हुनर आपके भीतर होना चाहिए।

विषयों का गहन अध्ययन

पत्रकारिता के विषय में कहा जाता है कि उसके पास एक आईएएस जितना ज्ञान और एक सिपाही जितनी ताकत होनी चाहिए। अगर पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाना है तो पॉलिटिक्स, कल्चर, धर्म और सामाजिक और समसामयिक मुद्दों की गहन जानकारी होनी चाहिए।

जॉब की संभावनाएं

पत्रकारिता के माध्यमों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम के रूप में बांटा जा सकता है। प्रिंट माध्यम में अखबार, मैगजीन और किताबें आती हैं जबकि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में टीवी शामिल है वहीं इंटरनेट माध्यम को डिजिटल माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। वर्तमान में जानकारी और सूचना के बढ़ते माध्यमों में अधिक अधिक लोगों की आवश्यकता है। आप पत्रकार के रूप में तीनों में से किसी भी माध्यम से जुड़ सकते हैं या अपना कुछ कार्य अलग से शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्र उपलब्ध है जिसमें आप पत्रकारिता कर सकते हैं उदाहरण के लिए पॉलिटिकल बीट, एंटरटेनमेंट बीट या फिर एजुकेशन बीट। हिंदी, अंग्रेजी किसी भी माध्यम को चुना जा सकता है। इन माध्यमों के अलावा छात्र पीआर एजेंसी, पब्लिशिंग हाउस या रेडियो स्टेशन में भी अपना करियर बना सकते हैं।

गाड़ियों ओवरऑल लुक को डिजाइन करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स

जब भी बात गाड़ियों के लुक की होती है, तो कुछ गाड़ियां खुद ही हमारे जहन में आ जाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी डिजाइनिंग उस समय के हिसाब से बिल्कुल हटकर और कंफर्ट लेवल को ध्यान में रखकर की गई होती है। गाड़ियों के इसी ओवरऑल लुक की डिजाइनिंग करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स। अगर आपको भी वाहनों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात आकर्षित करती है, तो आप भी ऑटोमोटिव डिजाइनर बन सकते हैं।

क्या है ऑटोमोटिव डिजाइन?

ऑटोमोबाइल्स के अपीयरेंस और फंक्शनैलिटी को डिजाइन करने की प्रक्रिया ऑटोमोटिव डिजाइनिंग कहलाती है। इसमें कार, बाइक, ट्रक, बस आदि हर सेग्मेंट के वाहन शामिल हैं। इसके तहत गाड़ियों की इंटीरियर व एक्सटीरियर डिजाइन, कलर स्कीम और शेप पर भी काम किया जाता है।

जॉब प्रोफाइल

किसी भी ऑटोमोबाइल को बनाने के लिए बेसिक आइडिया की जरूरत होती है। आइडिया जनरेशन ही ऑटोमोटिव डिजाइनर की प्रमुख जिम्मदारी है। इंजीनियर्स और डिजाइनर्स की टीम इस आइडिया पर चर्चा करती है और फिर कॉन्सेप्ट तैयार हो जाने पर डिजाइनर्स सॉफ्टवेयर की मदद से गाड़ी का बेसिक स्केच बनाते हैं, जो 3डी होता है। इसमें वाहन की हर बेसिक डीटेल शामिल होती है। साथ ही इंटीरियर और एक्सटीरियर की कलर स्कीम की जानकारी भी देनी होती है। डिजाइन फाइनल होने के बाद गाड़ी का स्केल मॉडल बनाया जाता है।

जरूरी स्किल

ऑटोमोटिव डिजाइनर बनने की सबसे पहली शर्त तो यह है कि आपमें सड़क पर चलने वाली हर गाड़ी के लिए पैशन होना चाहिए। साथ ही आपके पास वाहनों के निर्माण और उनकी फंक्शनैलिटी के बारे में बेसिक जानकारी भी होनी चाहिए। सृजनात्मकता के साथ ही आपमें ड्रॉइंग और स्कल्पचर बनाने में रुचि भी होनी चाहिए।

कौन-से कोर्स?

इस उद्योग में करियर बनाने के लिए डिजाइनिंग में बैचलर्स की डिग्री होनी जरूरी है। आप चाहें, तो डिजाइनिंग में मास्टर्स करके अपना ज्ञान और बढ़ा सकते हैं। इससे जॉब पाने की संभावना भी बढ़ जाती है। वैसे इस उद्योग में सर्वाइवल और करियर ग्रोथ के लिए डिजाइन स्किल्स ही मायने रखती हैं। आप चाहें, तो कोर्स पूरा करने के बाद किसी कंपनी में इंटर्नशिप करके डिजाइनिंग की बारीकियां सीख सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ऑटोमोटिव डिजाइनर बड़े ऑटोमोबाइल निर्माताओं के कॉन्सेप्ट एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर बात पे-पैकेज की करें, तो यह फील्ड काफी आकर्षक है। ज्यादातर कंपनियां ऑटोमोटिव डिजाइनर्स को अच्छा पैकेज देती हैं। भारत में आम तौर पर इस फील्ड में 5 लाख रुपए के वार्षिक पैकेज से शुरूआत होती है। अनुभव के साथ यह बढ़ता जाता है।

दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए फॉलो करें ये स्टेप

विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

विदेश में पढ़ाई करने के ख्याल से छात्रों का मन रोमांच से भर जाता है। लेकिन इसके अगले पल ही विदेश में पढ़ाई के लिए आने वाली चुनौतियां और मुश्किलें सोचकर ही पसीना आने लगता है। विदेश में पढ़ाई के लिए कैसे अप्लाई किया जाए, किस कॉलेज में एडमिशन लें, किस कोर्स में एडमिशन लें और फीस कितनी होगी। विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में ऐसे सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

कोर्स और यूनिवर्सिटी

अगर आपका भी विदेश में पढ़ाई का सपना है, तो सबसे पहले कोर्स तय करें। कई ऐसे कोर्स होते हैं, जिनकी काफी ज्यादा डिमांड होती है। यह कोर्स करने से आप अपने कॅरियर को नई ग्रोथ दे सकते हैं। ऐसे में इन कोर्सेज को करने से आपको फौरन नौकरी मिल सकती है। इन सारी बातों का ख्याल करते हुए एक कोर्स सेलेक्ट कर लें। कोर्स तय करने के बाद अच्छी सी यूनिवर्सिटी देख लें। जैसे कौन सी यूनिवर्सिटी अच्छी है और किस देश में स्कॉलरशिप मिल सकती है। उस यूनिवर्सिटी का प्लेसमेंट रिकॉर्ड कैसा है। इन सभी चीजों के बारे में अच्छे से जानकारी हासिल कर लें।

पढ़ाई का खर्च कैलकुलेट करें

आमतौर पर विदेश में पढ़ाई करना काफी ज्यादा महंगा होता है। इसलिए आप किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले एक बजट बनाएं। इसके बाद देखें कि आप यूनिवर्सिटी के प्रोग्राम की फीस और वहां पर रखने आदि का खर्चा फिट बैठ रहा है या नहीं। साथ ही यह भी चेक कर लें कि कितना स्टूडेंट लोन मिल पाएगा। बता दें कि कई विदेशी यूनिवर्सिटीज 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप देती हैं।

पार्ट टाइम जॉब का स्कोप

विदेश की किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते समय यह देखना ना भूलें कि विदेश में पढ़ाई के साथ ही आप कितने घंटे पार्ट टाइम में काम कर सकते हैं। क्योंकि कई छात्र पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम जॉब भी करते हैं और अपना खर्च निकाल सकते हैं। इसलिए ऐसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लें, जहां पर काम करने की छूट मिलती है।

डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करें

जब आपने कोर्स और यूनिवर्सिटी सेलेक्ट कर ली। पढ़ाई का खर्चा भी कैलकुलेट कर लिया तो अब आप अपने डॉक्यूमेंट्स एकत्र कर लें। डॉक्यूमेंट्स में आप अपना पासपोर्ट, आईडी, मोटिवेशन लेटर, एग्जाम स्कोर कार्ड, रिकमेंडेशन लेटर और स्टूडेंट वीजा आदि एकत्र कर लें। विदेश में पढ़ने की चाह रखने वाले छात्रों को एडमिशन से करीब 10-12 महीने पहले यूनिवर्सिटी और कोर्स फाइनल कर लेना चाहिए। इस दौरान अपना सीवी, बायोडाटा, एसओपी और रिकमेंडेशन लेटर आदि तैयार कर लें।

एंट्रेंस एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन

अगर आपके द्वारा सेलेक्ट किए गए कोर्सेज में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम होता है, तो उसके लिए अप्लाई कर दें। विदेश में पढ़ाई करने के लिए SAT, GMAT, GRE जैसे कई एप्टीट्यूड टेस्ट के अलावा लैंग्वेज प्रोफिसिएंसी के लिए भी IELTS, TOEFL, PTE जैसी परीक्षाएं पास करनी होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में 14 साल के शीर्ष पर, नौकरियों में वृद्धि को मिला समर्थन

नईदिल्ली, एजेंसी। मजबूत मांग के कारण देश की कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में लगभग 14 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह मजबूत आर्थिक विकास का संकेत है। एचएसबीसी का खरीद प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 62.2 हो गया। मार्च में यह 61.8 पर था। पीएमआई से पता चलता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में विस्तार का संकेत है। महंगाई में कमी के बावजूद रेपो दर में कटौती में देरी हो सकती है क्योंकि महंगाई में आगे बहुत गिरावट की संभावना नहीं है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछली कुछ तिमाहियों में मजबूत विस्तार के बाद इस साल भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए अच्छी स्थिति में है। अगस्त 2021 से पीएमआई 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और इससे कम का मतलब कमजोरी है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी से विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन दिखा है। बढ़ती मांग को पूरा करने के प्रयासों से नौकरियों में वृद्धि को समर्थन मिला, जो विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक था। यह डेढ़ साल में सबसे तेज गति से बढ़ी। हालांकि मांग की मजबूती से खर्चों का भार ग्राहकों पर डाल दिया गया। सर्वे के अनुसार, महंगाई इतनी तेजी से नहीं गिर सकती कि आरबीआई किसी भी समय दर में कटौती पर विचार करना शुरू कर दे।

सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी के पास बड़े ऑर्डर, शेयर पर टूटे निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी एनबीसीसी लिमिटेड के शेयर में मंगलवार को तूफानी तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यह शेयर करीब 8 फीसदी चढ़ गया। कारोबार के अंत में शेयर 134.40 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 7.78 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 136.65 रुपये तक पहुंच गई। बता दें कि 5 फरवरी 2024 को शेयर 176.50 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 25 अप्रैल 2023 को शेयर की कीमत 37.51 रुपये तक गिर गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। दरअसल, एनबीसीसी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को बिजनेस अपडेट बताया है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष के दौरान 23,500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हासिल कीं। वित्तवर्ष 2023-24 में प्राप्त प्रमुख ऑर्डरों के बारे में एनबीसीसी ने कहा कि उसे आम्रपाली में लगभग 10,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) के काम मिले हैं। एनबीसीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के पी महादेवस्वामी ने निर्माण और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में, विशेष रूप से पुनर्विकास और जमीन को बाजार पर चढ़ाने के प्रयासों में कंपनी की ताकत पर जोर दिया। एनबीसीसी को केरल राज्य हाउसिंग बोर्ड (केएसएचबी) से दिल्ली के बाहर 2,000 करोड़ रुपये की पहली पुनर्विकास परियोजना भी मिली।

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार

कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लांट पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजेक्शन कैपेसिटी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि

इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12 प्रतिशत तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि रॉयटर्स झूठ बोल रहा है।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइन कुछ रिस्क के साथ आती है। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की मेजर शिफ्ट में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मैक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55 प्रतिशत तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है।

गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट के खिलाफ धरना देने पर 20 और कर्मचारियों को निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट निंबस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में शामिल 20 और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। ये बर्खास्तगी 16 अप्रैल को न्यूयॉर्क और सनीवेल, कैलिफोर्निया में गूगल के दफ्तरों में प्रदर्शनों के बाद हुई। टेक दिग्गज ने पिछले सप्ताह भी ऐसे ही एक मामले में अपने 28 कर्मियों को नौकरी से निकाला था।

एक रिपोर्ट के अनुसार विरोध-प्रदर्शन करने के लिए निकाले गए कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 50 हो गई है। गूगल के सुरक्षा प्रमुख क्रिस रैको ने प्रदर्शनों की निंदा करते हुए कहा, यह व्यवहार अस्वीकार्य और विघटनकारी है। इससे सहकर्मियों को खतरा महसूस हुआ। यह बर्खास्तगी अमेरिकी संस्थाओं और इजरायल सरकार के बीच सहयोग के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच हुई है। फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों ने परिसरों को हिलाकर रख दिया है, जबकि गूगल के धरने से एक दिन पहले कार्यकर्ताओं ने गाजा में युद्ध का विरोध

करने के लिए ट्रांसपोर्टेशन हब को ही ब्लॉक कर दिया। एक्टिविस्ट ग्रुप नो टेक फॉर रंगभेद के प्रवक्ता जेन चुंग ने कहा, निगम असहमति को कुचलने, अपने कर्मचारियों को चुप कराने और उन पर अपने पावर फिर से जताने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बर्खास्त कर्मचारी दर्शक भी थे, जो इस आंदोलन में शामिल नहीं थे। प्रदर्शनकारियों ने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन के दफ्तर पर 8 घंटे से अधिक समय तक कब्जा कर लिया था। इसके बाद नौ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में गूगल ने इसमें शामिल पाए गए 28 कर्मचारियों को निकाल दिया। प्रोजेक्ट निंबस इजरायली सरकार और उसकी सेना को एक क्लाउड कंप्यूटिंग परियोजना है। इजरायल ने इसके लिए गूगल के साथ 1.2 अरब डॉलर का समझौता किया है। बता दें कि पिछली बार की गई कार्रवाई पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा था कि दफ्तरों में ऐसे प्रदर्शनों की इजाजत नहीं दी जा सकती है। सुंदर पिचाई ने कहा था कि वर्कप्लेस राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। गूगल इन्वोशन के लिए ओपन डिस्कशन को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा, आखिरकार हम एक वर्कप्लेस हैं और हमारी नीतियां और अपेक्षाएं स्पष्ट हैं। यह एक बिजनेस है। इस तरह से कार्य करने की जगह नहीं है, जो सहकर्मियों को बाधित करता है या उन्हें असुरक्षित महसूस कराता है।

बंपर मुनाफे के बाद साइएंट डीएलएम के शेयर 13 प्रतिशत से अधिक उछले

नईदिल्ली, एजेंसी। साइएंट डीएलएम शेयर 687.35 पिछले बंद भाव के मुकाबले 736 पर खुले और जल्द ही बीएसई पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 779.55 के स्तर पर पहुंच गए। सुबह 10:10 बजे के करीब शेयर की कीमत 5.10 प्रतिशत बढ़कर 722.40 रह गई। शेयरों में तेजी की वजह कंपनी के नतीजे रहे। मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल 80.7 प्रतिशत बढ़कर 22.7 करोड़ हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.6 करोड़ रुपये था। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी, लेकिन लक्ष्य मूल्य को पहले के 925 से घटाकर 887 कर दिया। मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष 24 की मार्च तिमाही के लिए उसका परिचालन से राजस्व 362 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 277.4 करोड़ से 30 प्रतिशत अधिक है।

पूरे वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए, कंपनी का राजस्व 1,192 करोड़ रहा। इसमें सालाना आधार पर 43.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वर्ष के लिए पीएटी (टैक्स के बाद प्रॉफिट) 92.9 प्रतिशत बढ़कर 61.2 करोड़ हो गया।

साइएंट शेयर की कीमत इस साल 26 फरवरी को अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 882.90 पर और पिछले साल 10 जुलाई को अपने 52सप्ताह के निचले स्तर 401 पर पहुंच थी। अब 779.55 के बाजार मूल्य पर शेयर की कीमत अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर से 94.4 प्रतिशत बढ़ गई है।

ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने कहा कि साइएंट के तीसरी तिमाही के नतीजे मोटे तौर पर उसके अनुमान के अनुरूप थे और नए लोगों, वैश्विक टेलविंड और मूल्यवर्धित सेवाओं की बढ़ती पेशकश के कारण राजस्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने के कारण यह स्टॉक पर पॉजीटिव बना हुआ है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि इनऑर्गेनिक एक्पांसन पर है, क्योंकि कंपनी ने अभी तक आईपीओ इनकम का उपयोग नहीं किया है। जेएम फाइनेंशियल को राजस्व, ईबीआईटीडीए और पीएटी सीएजीआर क्रमशः 31 प्रतिशत, 43 प्रतिशत और 60 प्रतिशत की उम्मीद है।

8 महीने में 1450 प्रतिशत चढ़ गया छोटकू शेयर, 75 रुपये से 1200 रुपये के पार पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने 8 महीने में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। 8 महीने में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार 24 अप्रैल को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है।

बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 75 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त 2023 को खुला था और यह 22 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 30 अगस्त 2023 को 142.50 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर लगातार नए हाई बना रहे हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। 75 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं।

बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले 6 महीने में 405 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2023 को 242.90 रुपये पर थे। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 24 अप्रैल 2024 को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अभी तक बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में 194 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 417.10 रुपये पर थे, जो कि अब 1200 रुपये के पार पहुंच गए हैं।

बोंडाडा इंजीनियरिंग के आईपीओ पर टोटल 112.28 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 100.05 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, अदर्स कैटेगरी में 115.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

शराब कंपनी के शेयर की रफ्तार, 8 दिन से लग रहा अपर सर्किट

शराब बनाने वाली कंपनी पिकाडिली एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर की तूफानी रफ्तार जारी है। लगातार आठ कारोबारी दिन से इस शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग रहा है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को यह शेयर 5 प्रतिशत चढ़कर 549 रुपये पर पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 19 मई 2023 को शेयर की कीमत 45.20 रुपये पर पहुंच गई, यह 52 हफ्ते का लो है।

पिकाडिली एग्रो इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी की वजह से निवेशक मालामाल हो गए हैं। बीते 10 अप्रैल को निवेश किए गए एक लाख रुपये की कीमत अब लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये हो गई है। यदि आपने एक महीने पहले बीएसई-सूचीबद्ध स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया था, तो इसका मूल्य 1,82,000 से अधिक होगा।

हरियाणा स्थित पिकाडिली एग्रो के प्रॉफिट में लगभग चार गुना बढ़ोतरी हुई है। तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 818.22 प्रतिशत बढ़कर 43.34 करोड़ रुपये हो गया। मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में बिक्री 36.84 प्रतिशत बढ़कर 266.53 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, पूरे वित्त वर्ष में नेट प्रॉफिट 391.54 प्रतिशत बढ़कर 109.76 करोड़ रुपये हो गया। बिक्री की बात करें तो 29.16 प्रतिशत बढ़कर 774.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसके साथ ही कंपनी ने प्रेफेंशियल शेयर जारी करके या योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 1000 करोड़ जुटाने की योजना के बारे में भी जानकारी दी।

रियल्टी कंपनी को मिला 2,000 करोड़ का काम, शेयर में लगा अपर सर्किट, 1 साल में 5 गुना उछला

मुंबई एजेंसी। मुंबई के पाली हिल इलाके में एक रेजिडेंशियल सोसायटी के पुनर्विकास के लिए रियल्टी कंपनी पूर्वांकरा पसंदीदा डेवलपर के रूप में उभरी है। आज इसके शेयरों को खरीदने की इस कदर लूट मची कि 5 फीसद का अपर सर्किट लग गया। इस परियोजना में 4.10 लाख वर्ग फुट कार्पेट एरिया के डेवलप होने का अनुमान है। इसमें लगभग 2.15 लाख वर्ग फुट बिक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी की नियामक फाइलिंग के अनुसार इसका संभावित जीडीवी 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

पूर्वांकरा के शेयर अपने निवेशकों को पिछले एक साल में करीब पांच गुना रिटर्न दे चुके हैं। इस अवधि में इसने 392.17 फीसद का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यानी एक साल पहले जिस किसी ने इस स्टॉक में एक लाख रुपये का निवेश किया होगा,

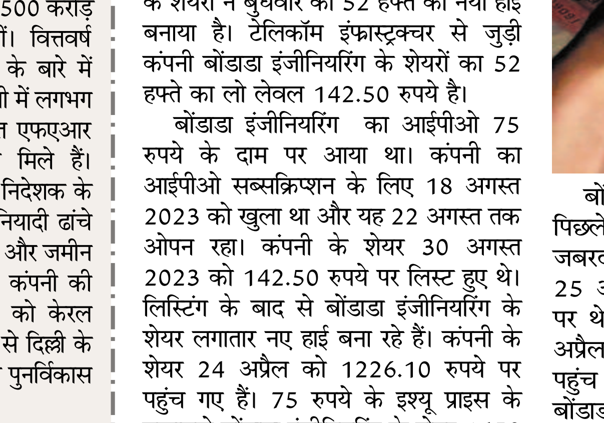

उसका एक लाख अब 4.92 लाख रुपये हो गया होगा।

महज एक महीने में ही इस स्टॉक ने करीब 80 फीसद का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले छह महीने में यह 180 फीसद से अधिक उछला है। इन चार से कम महीनों में ही इसने अपने निवेशकों के पैसे को दोगुना से अधिक कर दिया है। इस साल अबतक इसने 101 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का हाई 390.90 रुपये और लो 75.15 रुपये है। इस महीने की शुरुआत में कंपनी द्वारा साझा किए गए शानदार तिमाही और पूरे वर्ष के अपडेट ने भी इसकी मजबूत तिमाही आय के लिए प्लेटफॉर्म तैयार किया, जिससे इसके शेयरों तेजी आई।

बता दें पूर्वांकरा मुंबई में तीन से चार प्रतिष्ठित हाउसिंग सोसाइटियों के रिडेवलपमेंट के लिए चर्चा में है। बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट डेवलपर के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक कपूर ने बताया था कि वित्त वर्ष 2024 के अंत तक कंपनी का लक्ष्य बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, और मुंबई में 2 मिलियन वर्ग फुट से अधिक की डेवलपमेंट पोटेंशियल के साथ 2,000 यूनिट्स की डिलीवरी करना है।

कंपनी ने एफवाय24 में अपनी अब तक की सबसे अच्छी वार्षिक बिक्री भी दर्ज की है। वित्त वर्ष 24 के लिए, वार्षिक बिक्री पिछले वर्ष के 5,914 करोड़ रुपये से 90 प्रतिशत बढ़ी, जबकि चौथी तिमाही के लिए, यह साल-दर-साल 93 प्रतिशत बढ़कर 1,947 करोड़ रुपये हो गई।

आरबीआई का एक्शन, कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर पैसे निकालने समेत लगे कई प्रतिबंध

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक और को-ऑपरेटिव बैंक पर शिकंजा कसा है। यह महाराष्ट्र के उल्हासनगर स्थित द कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक है। इस बैंक पर पैसा निकालने सहित कई प्रतिबंध लगाए। बैंक पर ये प्रतिबंध उसकी खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए लगाए गए हैं। हालांकि, पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि में से 5 लाख रुपये तक की जमा बीमा दावा राशि के हकदार होंगे।

क्या है इसके मायने

कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत प्रतिबंध 23 अप्रैल, 2024 (मंगलवार) को कारोबार बंद होने के समय से लागू हो गए। लगाए गए प्रतिबंधों के साथ बैंक आरबीआई की अनुमति के बिना किसी भी ऋण और अग्रिम को मंजूरी या नवीनीकृत नहीं कर सकता है, कोई निवेश नहीं कर सकता है, कोई देनदारी हस्तांतरण नहीं कर सकता है या अपनी किसी भी संपत्ति का निपटान नहीं कर सकता है।

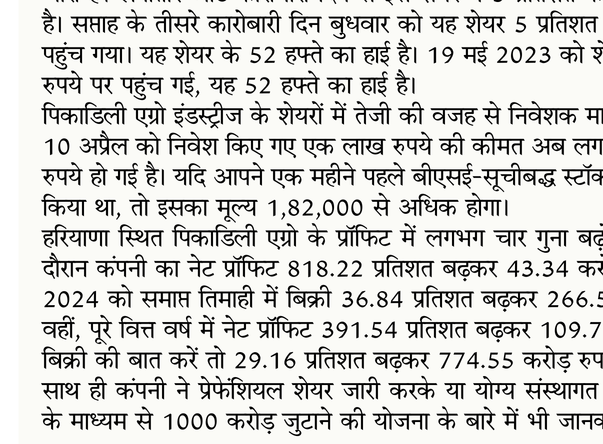

क्या कहा आरबीआई ने

केंद्रीय बैंक ने कहा, बैंक की वर्तमान नकदी स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी बचत खातों या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि से कोई भी राशि निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, लेकिन ऋणों को समायोजित करने की अनुमति है। आरबीआई ने कहा कि ऋणदाता पर प्रतिबंध को बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कामकाज करना जारी रखेगा।

रिजर्व बैंक की रहती है नजर

बता दें कि केंद्रीय रिजर्व बैंक समय-समय पर बैंकों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता रहता है और इसी आधार पर कार्रवाई करता है। कई बार बैंकों पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो कई बार लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है। इसमें भी आरबीआई की ओर से ज्यादातर कार्रवाई को-ऑपरेटिव बैंकों पर हुई है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुईं स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है। डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी। स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ।

लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी में टीम के मालिक पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

कोलंबो, एजेंसी । श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने अदालत को सूचित किया है कि लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में खेलने वाली सात टीमों में से एक कैंडी सैंप आर्मी के मालिक योनी पटेल पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है। अटॉर्नी जनरल का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील ने सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि योनी पटेल पर कोलंबो हाई कोर्ट में अपराध का आरोप लगाया गया है। उन पर श्रीलंका में सेंट्रल हिल्स के पल्लेकेले में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय सितारों की भागीदारी के साथ खेली गई लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी के दौरान एक क्रिकेटर पर फिक्सिंग में शामिल होने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया है। जांच श्रीलंका के सेवानिवृत्त राष्ट्रीय क्रिकेटर उपुल थरंगा की शिकायत पर शुरू की गई, जो खुद पटेल के स्वामित्व वाली टीम के खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के पूर्व सफेद गेंद कप्तान और क्रिकेट चयन समिति के वर्तमान अध्यक्ष थरंगा ने पंजाब रॉयल्स के लिए खेलने वाले न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर नील ब्रूम के साथ मैच फिक्सिंग की शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि उनसे दो व्यक्तियों ने संपर्क किया जिन्होंने खुद को कैंडी सैम्प टीम का मालिक और पंजाब रॉयल्स मैनेजर बताया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कथित मैच फिक्सरों में से एक ने खराब प्रदर्शन करने और मैच के नतीजों को फिक्स करने के लिए खिलाड़ियों से पैसे की पेशकश की थी।

मार्कस स्टोइनिस ने रचा इतिहास

धोनी की टीम के खिलाफ बनाया ये कीर्तिमान, 13 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

डि कॉक और केएल राहुल के आउट होने के बाद मार्कस स्टॉइनिस ने संभाला मोर्चा

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली क्विंटन डि कॉक (0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

शिवम दुबे ने तोड़ डाला एमएस धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से 37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं। वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है।

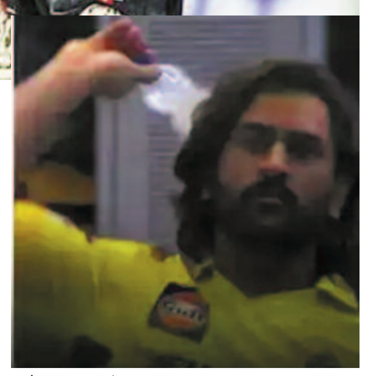

टीम इंडिया की रेस... शिवम दुबे की 51.83 की औसत वाली बल्लेबाजी पर भारी हार्दिक का स्पेशल 4!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएलः 2024 का आधा सफर पूरा हो चुका है, इस आधे सफर के बाद कई भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की बदौलत जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का सपना बुन रहे हैं. दो भारतीय खिलाडियों को लेकर सबसे ज्यादा हाइप क्रिएट हो रही है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं.

ये दो ऑलराउंडर हैं शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या. इन दोनों ही खिलाडियों के वर्ल्ड कप में जाने को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय भी रख रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आईपीएल के आधे सफर के बाद दुबे या पंड्या में किसका पलड़ा भारी है. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं. वहीं, हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की कमान संभाल रहे हैं. अब आंकड़ों के लिहाज से समझ लेते हैं दुबे और पंड्या में किसका आईपीएल 2024 में दबदबा रहा है.

शिवम दुबे ने अब तक 8 आईपीएल मैचों में कुल 311 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 66 नॉट आउट रहा है. उनका एवरेज 51.83 और स्ट्राइक रेट 169.95 का है. दुबे अब तक (23 अप्रैल) तक 22 छक्के जड़ चुके हैं, वो अपनी बिग हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं.

दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं. पंड्या ने भी मौजूदा आईपीएल में अब तक दुबे के ही बराबर 8 मैच खेले हैं, पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया है. पंड्या ने 8 मैचों में महज 151 रन 21.57 के एवरेज से बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 142.45 का है.

हालांकि हार्दिक पंड्या के साथ एक ही एडवांटेज है, जिसमें वो शिवम दुबे से आगे दिखते हैं. यह उनकी गेंदबाजी है. हार्दिक ने 8 मैचों में 4 विकेट लिए हैं, इसमें उनका बॉलिंग एवरेज 46.50 और इकोनॉमी रेट 10.94 है. इकोनॉमी रेट और बॉलिंग एवरेज ये दोनों ही आंकड़े चिंताजनक है. हार्दिक पंड्या ने आईपीएल में अब तक खेले गए कुल 131 मैचों में 57 विकेट झटके हैं. पर उनका इकोनॉमी रेट 8.97 का है, जो बेहद दोयम दर्जे का है.

शिवम दुबे ने आईपीएल में कम की है गेंदबाजी

शिवम दुबे ने इस आईपीएल सीजन में एक बार भी गेंदबाजी नहीं की है. वहीं उन्होंने 2023 सीजन में भी एक बॉल नहीं डाली थी. 2022 आईपीएल सीजन में दुबे ने महज 12 गेंदें (2 ओवर्स) फेंकी थी, जहां उन्होंने 36 रन लुटवा दिए थे. 2021 आईपीएल में शिवम दुबे ने 30 गेंदें (5 ओवर्स) फेंकी और 49 रन दिए.

2020 सीजन में श?िवम दुबे ने सबसे ज्यादा गेंदबाजी की थी, तब उन्होंने कुल 9 ओवर्स (54 गेंदें) फेंके थे और 4 विकेट हासिल किए थे. इससे ठीक पहले यानी 2019 सीजन में तो श?िवम दुबे ने महज 10 गेंदे ही फेंकी थीं. यानी साफ है कि शिवम दुबे हार्दिक पंड्या से गेंदबाजी के मामले में पीछे हैं. कल (23 अप्रैल) मैच की पहली पारी के बाद रवि शास्त्री ने उनसे बातचीत में कहा था कि उम्मीद है आपको गेंदबाजी करते हुए देखेंगे, पर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने उनको गेंदबाजी नहीं दी. दुबे ने लखनऊ के खिलाफ मैच में 27 गेंदों पर 3 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 66 रन बनाए थे. इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 244.44 का रहा था. यानी साफ है दुबे बड़ी पारी खेलने के महारथी हैं.

टी20 वर्ल्ड कप से पहले युगांडा के मुख्य कोच बने अभय शर्मा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने तीन साल के अनुबंध पर भारत के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अभय शर्मा को अपनी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अभय शर्मा के पास खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अपने कार्यकाल के अलावा, उन्होंने पहले भारत ए और भारत अंडर-19 के लिए फील्डिंग कोच के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे हालिया कोचिंग भूमिका दिल्ली रणजी टीम के साथ थी।

अपनी नियुक्ति पर 54 वर्षीय अभय शर्मा ने कहा, प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के समूह के साथ काम करने के इस अवसर के लिए मैं यूसीए का बहुत आभारी हूं। युगांडा में केवल कुछ दिनों के लिए रहने के बाद, यह पहले से ही मेरे दूसरे घर जैसा लगता है। मैं यहां टीम की आकांक्षाओं में योगदान देने के लिए हूं, जिसमें आगामी विश्व कप में दुनिया की शीर्ष टीमों को हराना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, मैं इस उभरती हुई टीम और युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने पर पूरा फोकस करूंगा।

बोतल फेंककर... एमएस धोनी ने कैमरामैन को सरेआम धमकाया

चेन्नई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फैंस का शोर उस वक्त बढ़ जाता है, जब कोई बाउंड्री लगती है या फिर विकेट गिरता है। इन दो मौकों के अलावा अगर वह अपने पसंदीदा क्रिकेटर को देख लेते हैं तो बेकाबू हो जाते हैं। ये सारे काम कैमरामैन करने में माहिर होते हैं। कुछ ऐसा ही देखने को मिला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में। एक ओर जहां शिवम दुबे और रुतुराज गायकवाड़ लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों की मैदान पर क्लास लग रहे तो दूसरी ओर कैमरामैन ने धोनी को फोकस किया। इसके बाद जो कुछ हुआ वह कुछ ज्यादा ही फनी है। खैर, आईपीएल 2024 में सीएसके के मैचों के दौरान ड्यूटी पर तैनात कैमरामैन इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि दर्शकों को धोनी को देखना कितना पसंद है। इसलिए वे अक्सर मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में पूर्व कप्तान की एक झलक दिखा देते हैं। ऐसा करते ही हर बार दर्शक पागल हो जाते हैं। हालांकि, सोमवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे के बीच अभूतपूर्व साझेदारी के दौरान जब कैमरामैन ने धोनी पर जूम किया तो वह नाराज हो गए।

धोनी ने इसके बाद हाथ में लिए बोतल से धमकाते हुए फेंकने का इशारा किया। हालांकि, वह कुछ एक्शन कर पाते इससे पहले ही कैमरामैन ने फोकस हटा लिया। बता दें कि लंबे समय बाद होम ग्राउंड पर धोनी बैटिंग करते दिखे थे। उन्होंने एक गेंद का सामन किया, जबकि उस पर चौका जड़ा। दूसरी ओर, गायकवाड़ आईपीएल इतिहास में शतक बनाने वाले पहले सीएसके कप्तान बन गए।

जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, स्पेन की महिला फुटबॉल टीम सर्वश्रेष्ठ टीम बनी

लॉरियस अवॉर्ड

मैड्रिड, एजेंसी। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। समारोह के दौरान स्पेनिश फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। 12 साल बाद फिर से यहां होना गर्व की बात है।

सुप्रीम कोर्ट ने राखी सावंत को सरेंडर करने का दिया आदेश

जेल जा सकती है राखी

राखी सावंत और आदिल दुर्रानी अलग जरूर हो गए हैं मगर उनके बीच की कानूनी लड़ाई अभी भी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राखी सावंत को 4 हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है, इस फैसले से आदिल बहुत खुश हैं।

राखी के अरेस्ट होने वाली खबर पर वीडियो शेयर करके आदिल दुर्रानी ने खुशी जाहिर की है। कथित तौर पर राखी सावंत की जमानत याचिका पर सुनवाई उनके सरेंडर होने के बाद होगी। राखी सावंत इस वक्त दुबई में हैं।

राखी सावंत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जब फैसला सुनाया तो आदिल दुर्रानी ने वीडियो शेयर करते हुए कहा, आज मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं। खुशी की वजह ये है कि सुप्रीम कोर्ट ने राखी की बेल रिजेक्ट कर दी है और ऑर्डर पास किया है कि चार हफ्ते के अंदर आपको आकर सरेंडर करना पड़ेगा तब जाकर आपकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। तब तक आपको बेल नहीं मिलेगी। आदिल ने आगे कहा कि इसका मतलब आपको जेल जाना पड़ेगा उसके बाद आपको बेल मिलेगी। मैं इतना ज्यादा खुश हूं, मैं चिल्ला चिल्लाकर कहता था कि संविधान में लड़कों के लिए बहुत मुश्किल है न्याय पाना, लेकिन अगर आप सच्चे हो तो आपको न्याय जरूर मिलेगा। सत्यमेव जयते, भारतीय होने पर गर्व है।

फरार हैं राखी ?

मार्च में आदिल खान दुर्रानी ने दावा किया था कि राखी सावंत दुबई में हैं। आदिल ने बताया था कि उन्होंने राखी के खिलाफ कई एफआईआरदर्ज कराई है। आदिल ने बताया कि राखी सावंत दुबई फरार हैं क्योंकि उसको बेल नहीं मिल रही है, वो साढ़े चार महीने से भारत से बाहर है।

तापसी और रकुल की शादी मेरे लिए काफी भावुक पल था: लक्ष्मी मांचू

तापसी ने 23 मार्च को उदयपुर में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादी की, जबकि रकुल ने 21 फरवरी को गोवा में एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लिए। करते हुए लक्ष्मी ने बताया कि उन्होंने अपनी दोस्त तापसी और रकुल की शादी में दुल्हन की सहेली की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, मेरे पास दुल्हन की सहेली की बड़ी जिम्मेदारी थी। रकुल को सेट पर रहना ज्यादा पसंद था। रकुल चाहती थी कि हर कोई समय पर आए, समय पर वहां पहुंचे और समय से तैयार रहे। मुझे लगता है कि वह इसको लेकर काफी गंभीर थी।

इसके बाद 46 वर्षीय एक्ट्रेस ने तापसी की शादी के बारे में बात करते हुए इसे कूल बताया।

तापसी बिल्कुल ऐसी है, शांत। जब तुम्हें वहां आना हो तो आ जाओ। इसलिए उन दोनों के साथ यह बिल्कुल अलग था। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी शादियों को देखना उनके लिए इमोशनल मोमेंट था। लक्ष्मी ने कहा, उन दोनों की शादी मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, क्योंकि हमारी दोस्ती 10 सालों से भी ज्यादा समय की है। उन्हें न केवल अपने करियर के साथ, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ के साथ भी पूरी तरह से जुड़ते हुए देखना, मेरा लिए बेहद खास था। मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

700 कारीगरों ने तैयार किया सेट

भंसाली ने हीरामंडी पर पानी की तरह बहाया पैसा

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। 1940 के दशक की कोठा प्रथा को दिखाती ये सीरीज अगले हफ्ते प्रीमियर होने वाली है। सीरीज में अब तक की सबसे शानदार कास्ट के साथ सबसे बड़ा सेट दिखाया गया है। ये सेट जिसे बनाने में 700 कारीगरों की मेहनत और कई महीने लगे। अब इस आलीशान सेट को स्क्रीन पर देखा जा सकेगा। संजय लीला भंसाली जितनी मेहनत अपनी स्क्रिप्ट पर करते हैं उससे कई ज्यादा वक्त वो सेट के डिज़ाइन, एक्टर्स के लुक और उनके पहनावे को तैयार करवाने लगाते हैं। उनका विजन सिर्फ स्क्रिप्ट को एक्टिंग के जरिये ऑडियंस तक पेश करना नहीं होता। बल्कि वो पूरा सीन वैसे ही क्रिएट करने की कोशिश करते हैं जैसा उस वक़्त रहा होगा। उनकी पिछली फिल्मों जैसे देवदास, बाजीराव मस्तानी, राम लीला, गंगूबाई काठियावाड़ी और पद्मावत में ग्रैंड सेट देखने को मिले हैं। लेकिन हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने एक ऐसा सेट बनाया था जो भुलाया नहीं जा सकता है।

हाल में दिए एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी के ग्रैंड सेट के बारे में बात की। डायरेक्टर ने कहा 'मैं हमेशा अपने काम में खो जाना चाहता था। यह अब तक का मेरा सबसे बड़ा सेट है। ऐसा लगता है कि मैं जो सोच सकता था, उससे कहीं आगे निकल गया हूं। मैं फ़िल्में बनाते हुए और ज्यादा एंजॉय कर रहा हूं और समझ रहा हूं। मुझे बड़े सेट बनाना पसंद है, लेकिन मैं सब कुछ कंट्रोल नहीं करना चाहता। मैंने बड़ा सेट तैयार कर दिया है, लेकिन ऑडियंस वही देखेगी जो वो चाहती है। कभी-कभी लोग कहते हैं कि देखने के लिए बहुत कुछ है, और वे सीन के जरूरी हिस्सों को मिस कर देते हैं।' ऐसे में अब संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार का इंतजार बढ़ गया है।

कास्टिंग काउच पर छलका मनीषा रानी का दर्द

'उसने मुझे रात को 3 बजे बुलाया'

बिग बॉस ओटीटी 2' में सेकंड रनर रही मनीषा रानी अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। मनीषा ने भले ही बिग बॉस की ट्रॉफी ना जीती हो लेकिन उन्होंने करोड़ों लोगों का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी कारण से चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी स्टार्टिंग जर्नी को लेकर खुलासा किया है, जिसमें मनीषा ने कास्टिंग काउच को लेकर बात की है।

एक मीडिया पोर्टल से बात करते हुए मनीषा ने बताया कि कैसे एक शख्स ने उन्हें बिग बॉस में भेजने का वादा करके रात 3 बजे मिलने के लिए बुलाया था।

कास्टिंग काउच पर छलका मनीषा रानी का दर्द

मनीषा रानी ने बताया कि एक बार उन्हें अजीब परिस्थिति का सामना करना पड़ा था। मनीषा का बिग बॉस में शामिल होने का हमेशा से ही सपना था। वह पूरी कोशिश कर रही थीं कि उन्हें सलमान खान के शो में एक मौका मिले। इसी दौरान उनकी मुलाकात एक आदमी से हुई। जिसने उन्हें कहा कि वो बिग बॉस की टीम का हिस्सा है। दरअसल मनीषा इस आदमी से उन लोगों के जरिए मिली थीं, जिन्हें वो जानती थीं। इसलिए मनीषा ने उसकी बातों पर विश्वास किया। और उसके साथ अपना नंबर भी शेयर किया। मनीषा ने उसके साथ कई डांस वीडियो भी शेयर किए। एक्ट्रेस ने बताया कि उस शख्स ने उन्हें बिग बॉस में भेजने का आश्वासन भी दिया था।

उसने मुझे मुंबई बुलाया

झलक दिखला जा 11 की विनर ने आगे कहा कि हम एक बार बिहार में थे, 4-5 दिनों के लिए घर गए हुए थे। तो उस टाइम पर उसका फोन आया और उसने हमसे कहा कि तुमको कलर्स पे नहीं जाना है, बिग बॉस नहीं करना है, घर जाकर बैठ गयी हो, तुम अभी मुंबई आजाओ। उसके लिए हम स्पेशली टिकट लेकर मुंबई आए कि मेरा तो बिग बॉस होने वाला है।

रात 3 बजे किया कॉल

मनीषा ने आगे कहा कि वह हमें अलग-अलग जगहों पर मिलने के लिए कहता था, जिसकी वजह से मुझे थोड़ा संदेह हुआ।

एक बार तो उसने मुझे रात को 3 बजे फोन करके बोला कि हमारे घर आ जाओ। तो हमने कहा कि हम घर तो नहीं आएंगे। तो वह चिल्लाया और कई गंदी बातें कहीं जिससे मैं रोने लगी और फिर मैंने उसे ब्लॉक कर दिया।

अपनी अपकमिंग फिल्म के साथ

यश करेंगे दर्शकों का मनोरंजन

रॉकिंग स्टार यश, विशेष रूप से एक्शन-थ्रिलर फैंचाइजी केजीएफ में उनके प्रदर्शन और उनके रोल रॉकी भाई के लिए जाने जाते हैं। केजीएफ बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक बनी हुई है। यश इस सफलता के पीछे दूरदर्शी शक्ति के रूप में खड़ा है, जिसने इस मनोरंजक कहानी को पूरे भारत में पहुंचाया और दोनों किस्तों की भारी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमेशा महत्वाकांक्षी यश भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। 2014 से अपनी फिल्मों में एक रचनात्मक निर्माता, वह अब वेंकट के नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस के साथ अपने अगले दो बहुप्रतीक्षित उद्यम- टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स और रामायण का सह-निर्माण करके अपनी भागीदारी को एक कदम आगे ले जा रहे हैं। नमित मल्होत्रा का प्राइम फोकस स्टूडियो। इन फिल्मों को वैश्विक दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जो अभिनेता और निर्माता दोनों के रूप में यश के लिए एक नया अध्याय है। जो चीज़ वास्तव में टॉक्सिक और रामायण को अलग करती है, वह है उनका पैमाना- विशाल बजट, भव्य मनोरंजन, फिर भी आश्चर्यजनक रूप से भिन्न दृष्टिकोण। प्रत्येक फिल्म बुद्धिमान संकल्पना का दावा करती है, जो दर्शकों को किसी अन्य के विपरीत मनोरम अनुभव का वादा करती है।

कृष्णा अभिषेक की बीवी कश्मीरा ने गोविंदा को कहा अपना ससुर!

बोलीं- आरती की शादी में पैर छूकर आशीर्वाद लूंगी

गोविंदा की भांजी और कॉमेडियन-एक्टर कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह जल्द ही सात फेरे लेने वाली हैं। इस शादी में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या गोविंदा इस फंक्शन में शामिल होंगे! इस बीच कश्मीरा शाह ने गोविंदा को अपना ससुर बताया है।

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट आरती सिंह अपनी जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने जा रही हैं। उनकी शादी होने वाली है। हल्दी सेरेमनी हो चुकी है और 25 अप्रैल को वो नवी मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन दीपक चौहान संग सात फेरे लेंगी। आरती और दीपक की शादी बहुत ठाठ-बाट से नहीं हो रही है। उन्होंने स्पेशल दिन के लिए एक खास जगह को चुना है। दोनों इस्कॉन मंदिर में सात फेरे लेंगे।

इस दौरान आरती के करीबी, उनका भाई कृष्णा अभिषेक, उनकी वाइफ कश्मीरा शाह और मामा गोविंदा भी शामिल होंगे। कश्मीरा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि वो आरती की शादी में गोविंदा के आने की उम्मीद है और वो अपने ससुर से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। कृष्णा अभिषेक के बीच जुबानी जंग हुई थी। इस जंग में कृष्णा की बीवी कश्मीरा और गोविंदा की वाइफ सुनीता भी कूद गई थीं, जिसके बाद ये विवाद और ज्यादा बढ़ गया और इसके बाद परिवार में दरार आ गई।

नोरा का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्रियों के शरीर पर बेवजह फोकस करने को लेकर नोरा फतेही ने पैपराजी की जमकर निंदा की है। पिछले कुछ दिनों में कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी की इस हरकत को लेकर नाराजगी जताई है। इन दिनों बॉलीवुड सितारों की हर गतिविधि को पैपराजी कवर करते हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो निकालते हैं। पैपराजी के साथ सितारों की बातचीत भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती है। कभी-कभी पैपराजी उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को भी सोशल मीडिया पर साझा कर देते हैं। हाल ही में, कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी के उनके शरीर के कई अंगों पर कैमरा फोकस करने को लेकर निंदा की है।

- साभार एजेंसी